शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

माइक्रोफाइनेंस अध्यादेश पर राज्यपाल के हस्ताक्षर अपेक्षित: गृह मंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 06 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-36

सनातन आस्था की पवित्र पहाड़ी के इस्लामीकरण की आपराधिक कोशिशें

हिंदू एकजुटता ने फिलहाल रोक दिए अधर्मियों के कदम

सनातन जागृति से लबालब मानवता के समुद्र ने एक अजेय बाढ़ की तरह, कठोर उपायों, क्रूर पुलिस बल और सभी हिंदू विरोधी राजनीतिक दलों की घेरेबंदी को बेधते हुए तमिलनाडु के थिरुपरनकुंद्रम मुरुगन पहाड़ी का इस्लामीकरण करने के प्रयासों को सफलतापूर्वक रोक दिया है। लेकिन यह रोक स्थायी नहीं है। हिंदुओं को अपनी पवित्र पहाड़ी की रक्षा के लिए अभी और सामाजिक, राजनीतिक और न्यायिक लड़ाई लड़नी होगी।

कट्टरपंथी ताकतों से अकेले लोहा ले रहे दृढ़ हिंदू मुन्नानी

विडंबना यह है कि हिंदुओं की आस्था के केंद्र मुरुगन पहाड़ी को अपवित्र करने और उस पर कब्जा जमाने की कट्टरपंथी इस्लामिक कुचेष्टाओं के खिलाफ

शुभ-लाभ गौरव

शेष भारत में कोई बोल नहीं रहा। फर्जी धर्मनिरपेक्ष और दुर्गतिगामी प्रगतिशील जमातों को तो छोड़िए, हिंदूवादी संगठन और सनातनी एकता के लिए बात बहादुरी करने वाले नेता भी इस मसले पर कुछ नहीं बोल रहे। यहां तक कि सनातन के सबसे बड़े महाकुंभ में जुटे साधु-संतों ने भी मुरुगन पहाड़ी पर कब्जा जमाने की दुष्ट कोशिशों के खिलाफ कुछ नहीं कहा। इसके बावजूद हिंदू मुन्नानी इस मसले पर अडिग हैं और पूरी ताकत के साथ दोगली व्यवस्था से लड़ रहे हैं। तमिलनाडु की अड़ियल और हठी डीएमके सरकार ने हिंदू मुन्नानी, भाजपा, अन्य संघ-प्रेरित ▶10पर

प्रताड़नाओं और बंदिशों के बावजूद किया जोरदार प्रदर्शन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिले इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने की महत्वपूर्ण घोषणा

गाजा को अपने नियंत्रण में लेगा अमेरिका

- फलस्तीनियों को गाजा से बाहर बसाया जाएगा
- गाजा का नए सिरे से निर्माण करेगा अमेरिका
- जरूरत पड़ी तो गाजा में सेना भेजेगा अमेरिका
- नेतन्याहू ने किया समर्थन, सऊदी अरब खफा

वाशिंगटन, 05 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा का मालिकाना हक लेकर गाजा का पुनर्निर्माण करने का प्रस्ताव रखा है। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले/प्रस्ताव का समर्थन किया है। व्हाइट हाउस में इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपि डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम गाजा का मालिकाना लेना चाहते हैं, इसके बाद गाजा में मौजूद खतरनाक बमों और अन्य हथियारों को नष्ट करने की जिम्मेदारी हमारी होगी। अमेरिका ध्वस्त या जर्जर हो चुकी इमारतों का पुनर्निर्माण कराएगा और गाजा का आर्थिक विकास करेगा। इससे गाजा में रोजगार और लोगों को घर मिलेंगे। जरूरत पड़ने पर गाजा में अमेरिका की सेना भी तैनात होगी। ट्रंप का यह फैसला पूरे मध्य पूर्व एशिया में इस्लामिक कट्टरपंथी अराजकता पर अंकुश लगाने में कामयाब होगा। हालांकि, ट्रंप के इस फैसले का सऊदी अरब और हमास ने विरोध किया है।

▶10पर

सऊदी अरब ने कहा, हम स्वतंत्र फलस्तीन के समर्थक हैं

दुबई, 05 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पर नियंत्रण करने के प्रस्ताव के बाद अरब देशों से प्रतिक्रिया आने लगी है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य के लिए उसका रुख नहीं बदलेगा। हम अपने फैसले पर दृढ़ और अटल रहेंगे।सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कहा कि सऊदी अरब पूर्वी येरूशलम को राजधानी बनाकर स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य की स्थापना की दिशा में चल रहे कामों को नहीं रोकेगा। साथ ही अपना काम पूरा किए बिना इज़राइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित नहीं किए जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम पहले ही फलस्तीनियों के अधिकारों के उल्लंघन को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। चाहे वह इज़राइल की ओर से किए गए हमले रहे हों, फलस्तीनियों की जमीन पर कब्जे के मामले रहे हों या उनको विस्थापित करने की बात रही हो, हम हमेशा इसके खिलाफ खड़े हुए हैं।

▶10पर

अमेरिकी सेना के विमान से लौटाए गए 104 भारतीय

अमृतसर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना के सी-147 विमान से अवैध प्रवासी भारतीयों का पहला जत्था भारत पहुंचा। इस विमान में 104 भारतीय सवार हैं। अमेरिका से निर्वासित भारतीय अप्रवासियों को लेकर एक सैन्य विमान बुधवार दोपहर अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। विमान में 25 महिलाएं, 12 नाबालिग और 79 पुरुष शामिल हैं।निर्वासित भारतीय नागरिकों के अलावा, विमान में 11 चालक दल के सदस्य और 45 अमेरिकी अधिकारी सवार हैं। अमेरिका से निष्कासित किए गए भारतीयों में पंजाब, हरियाणा, गुजरात, ▶10पर

दिल्ली विधानसभा का चुनाव एक चरण में सम्पन्न

एग्जिट पोल्स में भाजपा जीत की ओर अग्रसर

10 एग्जिट पोल्स में से आठ ने भाजपा की जीत दिखाई

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा का चुनाव आज सम्पन्न हो गया। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर कुल मिलाकर 60 से 65 प्रतिशत के बीच मतदान हुए। चुनाव परिणाम 8 फरवरी को आएंगे, लेकिन एग्जिट-पोल्स के आकलन मतदान खत्म होने के साथ ही आने लगे।

दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कई पोलिंग सर्वे एजेंसियों ने एग्जिट पोल्स के नतीजे जारी कर दिए हैं। इनमें से अब तक जिन 10 एग्जिट पोल्स का ऐलान हुआ है, उनमें से आठ एग्जिट-पोल्स में भाजपा को बहुमत मिलता दिख रहा है। मैट्रिज के एग्जिट पोल के मुताबिक, आम आदमी पार्टी को 32-37 सीटें मिल सकती हैं। वहीं भाजपा को 35-40 सीटें मिल सकती हैं। उधर कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है। जेवीसी के एग्जिट पोल के मुताबिक, आम आदमी पार्टी को 22 से 31 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। भाजपा को 39-45 सीटें और कांग्रेस को 0-2 सीटें मिल सकती हैं। यानी जेवीसी का एग्जिट पोल भी भाजपा को अपने दम पर बहुमत हासिल करता हुआ दिखा रहा है। चाणक्य के एग्जिट पोल के मुताबिक, भाजपा को 39 से 44 सीटें मिल सकती हैं। यानी भाजपा खुद बहुमत हासिल कर सकती है। वहीं आम आदमी पार्टी को 25-28 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस को 2-3 सीटें मिलने की संभावना है।

पीपल्स पल्स के एग्जिट पोल में आम आदमी पार्टी महज 10 से 19 सीटों पर सिमटती दिख रही है। वहीं, भाजपा 51-60 सीटों का बंपर आंकड़ा छू सकती है। इस सर्वे में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलता दिख रहा। पीपुल्स इनसाइट के मुताबिक, भाजपा को 40 से 44 सीटें मिल सकती हैं। आम आदमी पार्टी को 25-29 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस को इसमें 0-1 सीट मिलती दिखाई गई है। पोल डायरी के मुताबिक, भाजपा को 42-50 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिल सकता है। आम आदमी पार्टी का आंकड़ा गिरकर 18-25 सीटों पर आ सकता है। कांग्रेस को यहां 0-2 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। ▶10पर

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025

एग्जिट पोल

पार्टी	भाजपा+	आप	कांग्रेस
मैट्रिज	35-40	32-37	0-1
जेवीसी	39-45	22-31	0-2
चाणक्य स्ट्रैटेजीज़	39-44	25-28	2-3
पीपल्स पल्स	51-60	10-19	0-0
पीपल्स इनसाइट	40-44	25-29	0-1
पोल डायरी	42-50	18-25	0-2
पी-मार्क	39-49	21-31	0-1
वी-प्रीसाइड	18-23	46-52	0-1
माइंड ब्रिंक	21-25	44-49	0-1
डीवी-रिसर्च	36-44	26-34	0-0
एसएएस	38-41	27-30	1-3

कोयला लेवी घोटाले में ईडी की जोरदार कार्रवाई

रायपुर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ के कोयला लेवी घोटाले में मुख्य आरोपी सूर्यकांत तिवारी और अन्य की 100 से अधिक सम्पत्तियों को जब्त कर लिया है। निदेशालय ने कहा, ईडी के रायपुर जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत 30 जनवरी को बैंक बैलेंस, वाहन, नकदी, आभूषण और जमीन सहित 100 से अधिक चल और अचल सम्पत्तियों को कुर्क किया है, जिनकी कुल कीमत 49.73 करोड़ रुपए है। ये सम्पत्तियां सूर्यकांत तिवारी और अवैध कोयला लेवी घोटाले से जुड़े एक

मुख्य आरोपी और अन्य की सौ से अधिक सम्पत्तियां कुर्क

मामले में शामिल अन्य लोगों की हैं। उल्लेखनीय है कि आईएएस रानू साहू, आईएएस समीर बिश्नोई, आईएएस जय प्रकाश मौर्य, सौम्या चौरसिया, छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री के ओएसडी, राम गोपाल अग्रवाल, राम प्रताप सिंह, विनोद तिवारी, चंद्र देव प्रसाद राय और देवेंद्र सिंह यादव की लगभग 55.37 करोड़ रुपए मूल्य की कई चल और अचल सम्पत्तियां पहले ही ईडी द्वारा जब्त की जा चुकी हैं। नवीनतम समावेशन के साथ, आरोपी व्यक्तियों की 270 करोड़ रुपए की सम्पत्ति पहले ही आज तक कुर्क की जा चुकी है। एजेंसी ने 11 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और 26 आरोपियों के खिलाफ विशेष अदालत (पीएमएलए) ▶10पर

भारत सरकार ने सभी एआई ऐप पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय वित्त मंत्रालय ने चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे एआई टूल्स और एप्लिकेशन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। इस आदेश का उद्देश्य संवेदनशील सरकारी डेटा की सुरक्षा को सुनिश्चित करना और संभावित साइबर खतरों को रोकना है। संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार सिंह द्वारा हस्ताक्षरित सरकारी आदेश में कहा गया है कि सरकारी कंप्यूटरों पर एआई-सक्षम एप्लिकेशन का उपयोग गोपनीय सरकारी जानकारी को खतरे में डाल सकता है। इसके मद्देनजर, मंत्रालय ने सभी कर्मचारियों को आधिकारिक

सरकारी कर्मचारियों को एआई ऐप इस्तेमाल न करने की हिदायत

उपकरणों पर ऐसे टूल्स के उपयोग से बचने की सलाह दी है। यह आदेश वित्त सचिव की मंजूरी के बाद जारी किया गया है और इसे राजस्व, आर्थिक मामलों, व्यय, सार्वजनिक उपक्रम, डीआईपीएएम और वित्तीय सेवाओं सहित प्रमुख सरकारी विभागों को भेजा गया है।

यह प्रतिबंध वैश्विक स्तर पर एआई टूल्स को लेकर बढ़ती चिंताओं का हिस्सा है। कई एआई मॉडल, जिनमें चैटजीपीटी भी शामिल है, उपयोगकर्ता इनपुट को बाहरी सर्वरों पर प्रोसेस करते हैं, जिससे डेटा लीक या अनधिकृत पहुंच की आशंका बनी रहती है। इससे पहले, कई निजी कंपनियों और वैश्विक संगठनों ने भी एआई टूल्स के उपयोग को सीमित कर दिया है ताकि संवेदनशील डेटा के गलत इस्तेमाल से बचा जा सके। इससे पहले ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 87,370/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 98,340/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0

न्यूनतम : 21^0

प्रधानमंत्री मोदी ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुंभ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लगाने से पहले प्रधानमंत्री ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान वह रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नजर आए। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की आराधना करते हुए उन्होंने

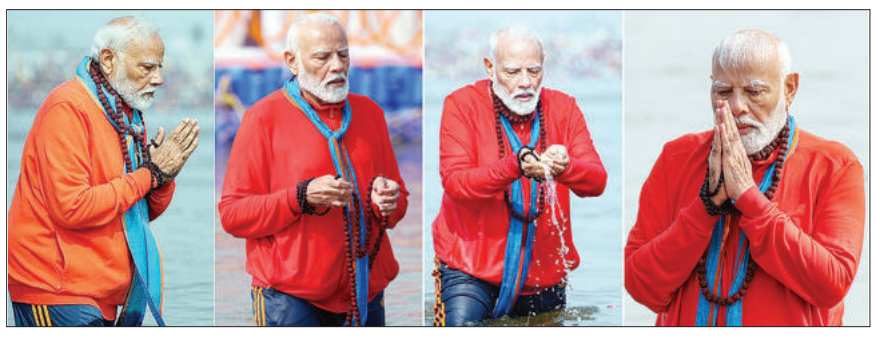

महाकुंभ में पीएम मोदी ने दिया एकता का संदेश

पावन डुबकी लगाई। खास बात यह भी रही कि प्रोटोकॉल इस तरह का था श्रद्धालु भी उसी दौरान संगम में डुबकी लगा रहे थे। वीवीआईपी प्रोटोकॉल से उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले पीएम ने सबसे पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। काला कुर्ता और भगवा पटका व हिमाचली टोपी पहने पीएम मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहां मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चन के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हेलीपैड की ओर रवाना हो गए।

बुधवार का दिन विशेष था, क्योंकि हिंदू पंचांग के अनुसार इस समय गुप्त नवरात्रि चल रही है और बुधवार को भीष्माष्टमी भी थी। गुप्त नवरात्रि पर जहां देवी पूजन किया जाता है तो वहीं, भीष्माष्टमी पर श्रद्धालु अपने पुरखों का तर्पण और श्राद्ध भी करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वह एमआई 17 हेलिकॉप्टर में बैठकर डीपीएस हेलिपैड पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से प्रधानमंत्री अरैल घाट पहुंचे, जहां से विशेष बोट पर सवार होकर उन्होंने त्रिवेणी संगम का रुख किया। बोट पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को दी जा रही ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

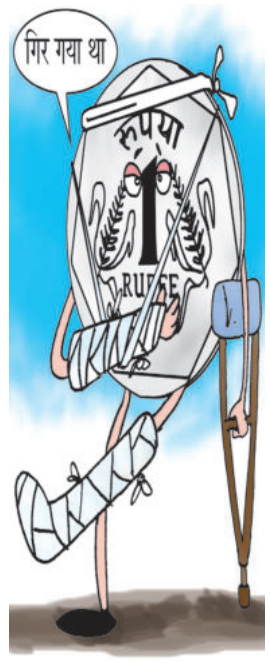

कपड़ा मंत्री पाटिल ने सिमसिम एनएक्स की ग्रैंड ओपनिंग की

लार्जेस्ट इनरवियर शोरूम के शुभारंभ पर अनेक लोग रहें मौजूद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महानगर के हृदय स्थल एवेन्यू रोड क्रॉस, हुरियोपेट में कर्नाटक के लार्जेस्ट इनरवियर के एक और नए विशाल शोरूम सिम सिम एनएक्स का भव्य शुभारंभ यहां विधिवत पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर किया गया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि कर्नाटक सरकार के कपड़ा मंत्री शिवानंद एस. पाटिल ने शिरकत की। इसके अलावा आईपीएस लाभूराम, माइनॉरिटी अफेयर्स बेंगलूरु के प्रिंसिपल सेक्रेटरी आईएएस मोनाज जैन, जेडआरयूसीसी सदस्य महेंद्र सिंघी, आईजीआई के चेयरमैन डॉ. डी. मुनिराजू, संयुक्त आयुक्त आईपीएस कुलदीप आर. जैन, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस एमएन करीबसवन्ना गौड़ा और समाजसेवी महेन्द्र मुणोत विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सिम सिम एनएक्स के प्रबंध निदेशक अश्विन सेमलानी ने सभी का स्वागत, सत्कार एवं अभिनंदन करते हुए आभार जताया। इस शोरूम में किड्स, लेडिज, जेंट्स सहित सभी उम्र, वर्ग के राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के ब्रांडेड फैशनेबल इनर वियर उत्पाद की किफायती दरों पर उपलब्धता रहेगी। अश्विन सेमलानी ने बताया कि उद्घाटन समारोह में बेंगलूरु के अलावा चेन्नई, राजस्थान, तमिलनाडु आदि क्षेत्रों से भी लोग पहुंचे और सिम सिम एनएक्स के नए शो रूम की भव्य ग्रैंड ओपनिंग पर आशीर्वाद, शुभकामनाएं प्रदान की। मंत्री पाटिल ने अश्विन सेमलानी के मृदु व्यवहार, शालीनता की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसी भी प्रोग्रेस करने वाले व्यापारी व्यक्ति की उन्नति में कर्म के प्रति समर्पण, लगन, अपने कस्टमर्स या परिचितों के साथ व्यवहारशीलता जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी हार्दिक शुभकामना है कि निश्चित ही सिम सिम के नए शोरूम के शुभारंभ से अश्विन सेमलानी को प्रगति पथ की उड़ान के नए पंख लगेंगे।

बीजेएस ने किदवई अस्पताल में मरीजों की सेवा कर मनाया कैंसर दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कैंसर जागरूकता व इससे प्रभावित लोगों की जागरूकता के लिए भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) बेंगलूरु क्षेत्र ने मंगलवार को किदवई हॉस्पिटल में कैंसर क्रूसेडर्स नामक फाउंडेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में समाज के स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं स्वयंसेवक एक मंच पर एकत्रित हुए और कैंसर के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाई। कार्यक्रम में मार्गदर्शक बाबूलाल मेहता, अध्यक्ष सुरेश कानूंगा, महासचिव आशीष भंसाली, रेणु रांका, सुनीता मर्लेचा, पुष्पा लुंकड़, मधु तातेड़, सुशील कसवा, विनोद कोठारी, पदम लुंकड़, गौरव संखलेचा, यश बाफना एवं प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति रही। मधु तातेड़ ने बताया कि सदस्यों ने कैंसर की रोकथाम, समय पर निदान और मरीजों तथा उनके परिवारों के लिए उपलब्ध सहायता सेवा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीजेएस के बेंगलूरु क्षेत्र ने पांच कार्यक्रमों की एक शृंखला के तहत न केवल सूचना सत्रों और चर्चाओं का आयोजन किया, बल्कि एक अत्यंत सहानूभूतिपूर्ण कदम के रूप में कैंसर से जूझ रहे 400 से अधिक जरूरतमंद लोगों के लिए फल एवं भोजन भी वितरित किया। इस पहल ने न केवल शारीरिक पोषण प्रदान किया, बल्कि उन लोगों को सहारा और संवेदना का संदेश भी पहुंचाया, जो इस कठिन दौर से गुजर रहे हैं।

सरकारी कार्यालयों और कार्यक्रमों में प्लास्टिक बोतलों पर प्रतिबंध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण को होने वाले गंभीर नुकसान को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने एक परिपत्र जारी कर कहा है कि सरकारी कार्यालयों और सरकारी कार्यक्रमों में एकल उपयोग वाली प्लास्टिक की बोतलों में पेयजल न दिए जाने के आदेश का कड़ाई से पालन किया जाए।

प्लास्टिक सामग्री के अत्यधिक उपयोग के कारण स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के लिए मंत्रालय सहित राज्य भर के सभी सरकारी कार्यालयों और सरकारी कल्याण बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों और सरकार से धन प्राप्त करने वाली किसी भी संस्था द्वारा आयोजित बैठकों और कार्यक्रमों में एकल उपयोग वाली प्लास्टिक की बोतलों में पानी के उपयोग, आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सरकारी परिपत्र में कहा गया है कि ऐसी सभाओं और समारोहों में स्वच्छ कांच, स्टील, कागज और अन्य गैर-प्लास्टिक कपों में पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाने के लिए एक अधिसूचना, आदेश, परिपत्र जारी किया गया है। परिपत्र में यह भी निर्देश दिया गया है कि सभी विभाग प्रमुख अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी क्षेत्रों, विभागों, बोर्डों और निगमों को आदेश का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दें।

बीवाई विजयेंद्र के करीबी सहयोगियों की मांग

पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों को तत्काल प्राथमिक सदस्यता से करें निष्कासित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के करीबी सहयोगियों ने मांग की है कि केंद्रीय नेतृत्व को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों को तत्काल प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करना चाहिए।

पूर्व मंत्री एमपी रेणुकाचार्य, पूर्व विधायक संपांगी, लक्ष्मीनारायण व अन्य ने पूर्व मंत्री कट्टा सुब्रह्मण्य नायडू के आवास पर बैठक कर पार्टी विरोधी गतिविधियों को अंजाम देकर कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा करने वाले असंतुष्टों को तत्काल निष्कासित करने की मांग की। बाद में पत्रकारों से बातचीत में एम.पी.रेणुकाचार्य ने कहा कि पूर्व मंत्री बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, कुमार बंगारप्पा, पूर्व सांसद जी.एम.सिद्धेश्वर और विधायक डी.के.हरीश को बिना किसी हिचकिचाहट के पार्टी से निकाल दिया जाना चाहिए। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि अन्यथा कार्यकर्ताओं में गलत संदेश जाएगा। एक मौके पर, रेणुकाचार्य ने बसनगौड़ा पाटिल यतनाल पर एक शब्द का हमला करते हुए कहा यतनाल, आप एक जेसीबी हैं जो येदियुरप्पा परिवार के बारे में बात कर रहे हैं। आपने एक बस चलाई, लेकिन अब आपके पास बीजापुर में शैक्षणिक संस्थान और कलबुर्गी में एक चीनी कारखाना है। उन्होंने पूछा इसके लिए पैसा कहां से आया? क्या हमें आपकी स्थिति के बारे में पता नहीं है? इससे पहले निलम्बित रहते हुए येदियुरप्पा का समर्थन किसने किया था? यतनाल, यह सही नहीं है। अपनी जबान संभाल कर बोलो, हम सम्मान करेंगे। इनमें से कोई भी व्यक्ति मूलतः भाजपा सदस्य नहीं है। ये भाजपा की जड़ें हैं। आपने सिद्धेश्वर संस्थान का निर्माण नहीं किया। आप वहां आकर संगठन पर कब्जा नहीं कर सकते। आपने अपने बेटे को वहां डायरेक्टर बना दिया। क्या यह पारिवारिक राजनीति नहीं है? आप भूल गए हैं कि आप जेडीएस में शामिल हुए थे और

टीपू सुल्तान के जन्मदिन समारोह के दौरान आपने बिरयानी और कबाब खाया था। तब आपका सच्चा हिंदू धर्म कहां चला गया? क्या आपको इफ्तार पार्टी में भाग लेने के दौरान भाजपा की विच-रधारा याद नहीं आई? हिंदू टाइगर जेडीएस में क्यों शामिल हुए? पहले लोगों को जवाब दो। जिला अध्यक्ष के चयन में विजयेंद्र की कोई भूमिका नहीं है। उनकी नियुक्ति उनके वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर की गई थी। जिला कोर समिति के सदस्यों से परामर्श किया जाएगा और अंततः सर्वसम्मति के आधार पर चयन किया जाएगा। वे इस बात पर असमंजस में थे कि इसका विरोध करना कितना सही था। रेणुकाचार्य ने पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अगर पहले उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाए तो सब कुछ ठीक हो जाएगा। कुमारबंगारप्पा, आप पहले कहाँ थे? मुझे पता है कि आपको भाजपा में शामिल होने के लिए कितनी बार येदियुरप्पा, विजयेंद्र और राघवेंद्र के पास जाना पड़ा। आप एक उपद्रवी हैं और आप जैसे किसी व्यक्ति का कहीं भी होना किसी भी पार्टी के लिए अच्छा नहीं है।

आप, जिन्होंने येदियुरप्पा के परिवार के कर्ज के कारण सोरबा में जीत हासिल की और सत्ता का आनंद लिया, उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं। आप कितनी बार राष्ट्रीय नेताओं से मिले और शिकायत की? लोग आप पर हंस रहे हैं और आपको कॉमेडी कह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी बदकिस्मती के कारण वह राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं से मुलाकात नहीं कर पाए। राष्ट्रीय नेताओं के पास आपसे मिलने का समय नहीं है। आप यह कह कर झूठ बोल रहे हैं कि हमने राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की और उन्हें स्थिति से अवगत कराया। अगर ऐसा था तो फोटो क्यों जारी नहीं की गई। कुमार बंगारप्पा, जब आपके पिता बंगारप्पा भाजपा में शामिल हुए थे तब आप भाजपा में शामिल नहीं हुए थे। आप भाजपा के सोराब कार्यक्रम में नहीं आये। आपको इसलिए हारना पड़ा क्योंकि आप मूल भाजपा सदस्यों को भूल गए। 2023 के चुनावों के बाद वे निर्वाचन क्षेत्र के बारे में भूल गए। आपने हारने के बाद कांग्रेस में शामिल होने की कोशिश की। क्या आपको लगता है कि अब आपको राष्ट्रीय नेता बन जाना चाहिए? आप भाजपा के लिए लड़ने नहीं आए, आपको कांग्रेस के खिलाफ लड़ना चाहिए था। क्या कुमार बंगारप्पा ने कांग्रेस में शामिल होने का प्रयास किया था? बीपी हरीश, यह मत भूलिए कि येदियुरप्पा के कारण ही आप विधायक बने हैं। मैं जानता हूं कि हरिहर में आपका क्या मूल्य है। कांग्रेस के साथ आंतरिक समझौता करके भाजपा उम्मीदवार को हराने वाले आप विचारधारा की बात कर रहे हैं। मत भूलिए कि आप कितनी बार डी फॉर्म लेने के लिए येदियुरप्पा के घर आए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भले ही आप उन्हें बदलने की कोशिश करें, लेकिन भाजपा आलाकमान विजयेंद्र को नहीं बदलेगा।

बेंगलूरु में ऑटो से टकराई द्रविड़ की कार

भारत के पूर्व कोच और ऑटो रिक्शा चालक की बहस का वीडियो वायरल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत के महान बल्लेबाज और टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ की कार बेंगलूरु में ऑटो रिक्शा से टकरा गई। द्रविड़ का ऑटो रिक्शा चालक से बहस करते हुए एक वीडियो सामने आया है। इसमें आमतौर पर कूल माने जाने वाले द्रविड़ गुस्सा करते हुए दिख रहे हैं। यह घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है। सड़क किनारे से गुजर रहे एक राहगीर ने वीडियो कैप्चर किया है। वीडियो में द्रविड़ अपनी मूल भाषा कन्नड़ में ड्राइवर के साथ बहस करते हुए देखा जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, द्रविड़ की कार एक सामान उठाने वाली ऑटो से टकरा गई थी, जिससे उनकी और ड्राइवर के बीच सड़क पर बहस हो गई थी। यह स्पष्ट नहीं है कि द्रविड़ अपनी कार चला रहे थे या नहीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटना बेंगलूरु के एक व्यस्त

इलाके कनिंघम रोड पर हुई। सूत्रों ने बताया कि जब यह घटना हुई तब द्रविड़ इंडियन एक्सप्रेस जंक्शन से हाई ग्राउंड्स की ओर जा रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, द्रविड़ की कार यातायात में फंस गई थी और ऑटो चालक ने कथित तौर पर पीछे से अपनी गाड़ी कार में टक्कर मार दी। सूत्रों ने बताया कि घटनास्थल से जाने से पहले द्रविड़ ने ऑटो चालक का फोन नंबर रख लिया। घटना केबारे में अधिक जानकारी सामने आना बाकी है। द्रविड़ के बीच तीखी बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के मुताबिक, मामूली टक्कर के बाद कनिंघम रोड पर बहस हुई। पोस्ट में कहा गया है कि इस प्रक्रिया में किसी भी वाहन से किसी को चोट नहीं आई। डेक्कन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना मंगलवार शाम साढ़े छह बजे के आसपास हुई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टक्कर और दुर्घटना के संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि द्रविड़ ने घटनास्थल से जाने से पहले गुड्स ऑटो ड्राइवर का फोन नंबर और ऑटो का रजिस्ट्रेशन नंबर लिया था।

52 वर्षीय द्रविड़ भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने टेस्ट, वनडे और टी20 में देश के लिए 24,000 से अधिक रन बनाए हैं। द्रविड़ ने 2007 विश्व कप में भी भारत का नेतृत्व किया था। द्रविड़ की भारतीय टीम के साथ सबसे हालिया भागीदारी मुख्य कोच के रूप में आई थी। भारत ने उनकी देखरेख में टी20 विश्व कप 2024 का खिताब अपने नाम किया था। उस टूर्नामेंट के बाद द्रविड़ पूर्व इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से जुड़ गए हैं। उन्होंने मुख्य कोच के रूप में पदभार संभाला है। वह आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में आरआर के साथ शामिल थे, जहां टीम ने नीलामी इतिहास में सबसे कम उम्र के 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को खरीदने के लिए सुर्खियां बटोरीं थीं।

धर्म, प्रथाएं और विश्वास ऐसी चीजें नहीं हैं जिनका राजनीतिक इस्तेमाल किया जाए: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि किसी भी धर्म के प्रति भक्ति, प्रथाएं और विश्वास ऐसे मामले हैं जो व्यक्ति विशेष से संबंधित हैं। हमें एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने भाजपा पर इनका राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा मैं विपक्ष के नेता अशोक के बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। मैं इन विचारों को अनावश्यक रूप से आगे नहीं बढ़ाऊंगा। हमारे पार्टी नेताओं ने इस मुद्दे पर व्यापक बयान दिया है। लेकिन भाजपा इस पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि धर्म, प्रथाएं और विश्वास ऐसी चीजें नहीं हैं जिनका राजनीतिक इस्तेमाल किया जाए। दुनिया में कई धार्मिक प्रथाएं और मान्यताएं हैं। मैं अपने भगवान पर विश्वास करता हूं। कुछ लोग अपने हाथों पर विश्वास रखते हैं, जबकि अन्य लोग पानी, आकाश और सूर्य में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी सही या गलत नहीं है, यह सिर्फ उनका विश्वास है। अगर अशोक मेरा नाम इस्तेमाल नहीं करेंगे तो बाजार नहीं चलेगा। इसलिए हर बार वे हर मुद्दे पर मेरे खिलाफ बयानबाजी करते हैं। मुझे इन सब बातों पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। मैं धर्म, ईश्वर और हर चीज में विश्वास रखता हूँ। किसी को भी इस पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। उन्हें अशोक क्यों कहा जाता है? इस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। इसी तरह, हर किसी की अपनी-अपनी मान्यताएं होती हैं। इस पर सवाल क्यों? उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि अशोक के साथ क्या हुआ। वे मेरे कुंभ मेले में न जाने पर सवाल क्यों उठा रहे हैं? उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया को अपनी टीआरपी के लिए ऐसे मुद्दों का महिमामंडल नहीं करना चाहिए। वैश्विक निवेशक सम्मेलन के बाद दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चर्चा की जाएगी। अब उद्योग मंत्री ने कई स्थानों का निरीक्षण किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस विषय पर उन्होंने मुझसे या मुख्यमंत्री से कोई चर्चा नहीं की है। ज्ञातव्य है कि कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार 9 फरवरी को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में पवित्र स्नान करेंगे और अगले दिन वापस लौट आएंगे। कर्नाटक भाजपा ने शिवकुमार की प्रस्तावित महाकुंभ यात्रा का मजाक उड़ाते हुए पूछा कि क्या एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उपमुख्यमंत्री से सवाल नहीं करेंगे। शिवकुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जो उनके करीबी हैं, ने उन्हें महाकुंभ मेले में आमंत्रित किया है और वह अपने परिवार के साथ वहां जा रहे हैं। इस बीच, भाजपा ने शिवकुमार की यात्रा की आलोचना की है और कांग्रेस नेता और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की पिछली टिप्पणियों को उजागर किया है, जिन्होंने गरीबी उन्मूलन में गंगा में पवित्र डुबकी के महत्व पर सवाल उठाया था। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मंगलवार को शिवकुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा क्या डी.के. शिवकुमार के गंगा में डुबकी लगाते ही उनके सारे पाप धुल जाएंगे? उन्होंने आगे मजाक उड़ाते हुए कहा क्या केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के कुंभ मेले में पवित्र डुबकी लगाते ही कर्नाटक में गरीबी खत्म हो जाएगी? क्या खड़गे साहब अब इस पर सवाल नहीं उठाएंगे?

माइक्रोफाइनेंस अध्यादेश पर राज्यपाल के हस्ताक्षर अपेक्षित: गृह मंत्री

विधेयक लागू किया जाएगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्यपाल द्वारा माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न को विनियमित करने के लिए अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही विधेयक राज्यपाल के पास भेज चुकी है। कानूनी विशेषज्ञों ने भी इस मामले पर राज्यपाल से चर्चा की है। हमने सोचा था कि इस पर आज ही हस्ताक्षर हो जायेंगे। यह ज्ञात नहीं है कि मंजूरी मिलने के बाद अध्यादेश कब लागू होगा। यदि राज्यपाल अध्यादेश में संशोधन का सुझाव देते हैं तो हम ऐसा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि वे इस पर सहमत भी हो जाएं तो भी विधेयक लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया गुरुवार से बजट की तैयारियां शुरू करेंगे। वे पुलिस

विभाग के साथ भी चर्चा बैठक करेंगे और अपनी मांगें पूछेंगे। प्रस्ताव प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इसे स्वीकार करना या अस्वीकार करना मुख्यमंत्री पर निर्भर है। सुप्रीम कोर्ट को स्कूलों में हिजाब पहनने के मुद्दे पर फैसला करना चाहिए। इसीलिए हम अपनी राय व्यक्त करते हैं। इस कारण पर चर्चा करने के लिए एक बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा कि पक्ष और विपक्ष स्वाभाविक हैं। बेंगलूरु में दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के संबंध में चर्चा चल रही है। हमने तुमकुरु में एक स्थान की पहचान करने की मांग प्रस्तुत की है, और दूसरी ओर, बिदादी में एक हवाई अड्डे की भी मांग है। इस बारे में चर्चाएं चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि उपयुक्त स्थान का निर्णय लिया जाएगा। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री बदलने के बारे में जो कहा है, उस पर हमें कोई आपत्ति नहीं है। मुझे नहीं मालूम कि उन्होंने ज्योतिष बताना कब शुरू किया, जहां तक हमें पता है, हमारी पार्टी में ऐसे कोई संकेत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) द्वारा उधारकर्ताओं को उत्पीड़न से बचाने के उद्देश्य से, कर्नाटक सरकार ने एक अध्यादेश का मसौदा तैयार किया है, जिसमें उल्लंघन के लिए दस साल तक की जेल की सजा और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने सहित दंडात्मक प्रावधान हैं। इसकी पुष्टि करते हुए, राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा था कर्नाटक माइक्रो फाइनेंस (जबरदस्ती कार्रवाई की रोकथाम) अध्यादेश 2025 को राज्यपाल थावरचंद गहलोत के पास उनकी मंजूरी के लिए भेजा गया है।

परमेश्वर ने कहा यह तीन साल (शुरुआती मसौदे में) था, अब हमने इसे बढ़ा दिया है। जुर्माना भी बढ़ाकर पांच लाख कर दिया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कानून की मार (उल्लंघन करने वालों को) महसूस हो। अगर कानून को ऐसे ही लापरवाही से बनाया जाता है, तो ऐसी घटनाएं नहीं रुकेंगी। इसलिए, जुर्माना (राशि) और कारावास (अवधि) बढ़ा दिया गया है, ताकि यह एक तरह से निवारक बन जाए। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा राज्यपाल शहर से बाहर थे, और वापस आने के बाद वे इसे देखने के बाद अपनी सहमति दे सकते हैं। सूचनाओं की बढ़ती संख्या और राज्य के विभिन्न हिस्सों से माइक्रोफाइनेंस फर्मों द्वारा ऋण वसूली के तरीकों के खिलाफ कई शिकायतों के जवाब में सरकार ने अध्यादेश लागू करने का फैसला किया। एक सवाल के जवाब में गृह मंत्री ने कहा कि अध्यादेश का पहला मसौदा तैयार होने के बाद सरकार में इस बात पर चर्चा हुई थी कि एमएफआई इसके खिलाफ अदालत में जाए और मुख्यमंत्री ने विधि विभाग को इस संबंध में सभी आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा इससे थोड़ी देरी हुई। अब सभी बातों को ध्यान में रखते हुए मसौदा तैयार किया गया है।

आयकर विभाग ने कर्नाटक में 30 से अधिक स्थानों पर छापे मारे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को बेंगलूरु, मैसूरु और कर्नाटक के अन्य शहरों में 30 से अधिक स्थानों पर व्यापारियों और ठेकेदारों के आवासों और कार्यालयों पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, 10 आयकर अधिकारियों की एक टीम ने मैसूरु स्थित एक ठेकेदार के घर और संपत्तियों पर छापेमारी की। अधिकारी तीन कारों में पहुंचे और तलाशी ली। अधिकारी दस्तावेजों और संपत्ति के रिकॉर्ड के लिए तलाशी और जब्ती अभियान चला रहे थे। आयकर अधिकारियों ने रामकृष्णनगर में ठेकेदार के आवास के साथ-साथ मैसूरु में देवेगौड़ा सर्किल स्थित 'एम प्रो पैलेस' होटल और एक चूल्हा पर छापेमारी की। छापेमारी घंटो चली।

अधिकारियों ने वाहनों से दस्तावेज भी जब्त किए और वर्तमान में उनका सत्यापन कर रहे हैं। ठेकेदार ने सरकारी परियोजनाओं के लिए कई बोलियां जीती हैं और वह एक ईंट कारखाने और अन्य व्यवसायों का मालिक है। बेंगलूरु और राज्य के अन्य हिस्सों में छापेमारी का विवरण अभी तक सामने नहीं आया है और विभाग की ओर से आधिकारिक बयान का इंतजार है। इससे पहले 12 अक्टूबर 2024 को आयकर विभाग ने बेंगलूरु में 50 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की थी। छापेमारी में ज्वैलर्स के दफ्तर और आवासों को निशाना बनाया गया। बेंगलूरु के मल्लेश्वरम, सदाशिवनगर, डॉलर्स कॉलोनी, मट्टीकेरे, सरजापुर रोड, आरएमवी एक्सटेंशन और अन्य जैसे पॉश इलाकों में छापेमारी की गई। शहर में कथित कर चोरी के सिलसिले में ज्वैलर्स पर छापेमारी की गई। 27 सितंबर 2024 को आयकर अधिकारियों ने बेंगलूरु में 10 से अधिक कॉरपोरेट कंपनियों पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, ये छापेमारी कर चोरी और आयकर विभाग को गलत जानकारी देने के आरोपों को लेकर की गई। सी.वी. रमन नगर, बागमाने टेक पार्क, हुलीमावु और अन्य स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई। इसके अलावा, सूत्रों ने खुलासा किया कि अधिकारियों ने कर चोरी के फर्जी तरीकों के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर एक अपार्टमेंट पर भी छापेमारी की। अधिकारियों ने कथित तौर पर इस बात के साक्ष्य जुटाए हैं कि व्यवसाय कर चोरी के लिए दो वित्तीय रिकॉर्ड बनाए हुए थे।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया में कोई बदलाव नहीं होगा: मंत्री

नेतृत्व परिवर्तन की कोई चर्चा नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया में कोई बदलाव नहीं होगा। बेलगावी में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की ओर से बात की है और हमारे बीच नेतृत्व परिवर्तन की कोई चर्चा नहीं हुई है। सिद्धरामैया अच्छा शासन कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने कहा कि वह पूरे कार्यकाल तक पद पर बने रहेंगे। जब मुख्यमंत्री बदलने की बात आती है तो हाईकमान फैसला लेता है। अब ऐसी कोई स्थिति नहीं है। सरकार द्वारा गारंटी योजनाओं सहित विभिन्न कार्यक्रम क्रियान्वित किये जाते हैं। सिद्धरामैया अच्छा शासन दे रहे हैं और अगले महीने अच्छा बजट भी पेश करेंगे। इसलिए इनमें बदलाव का कोई सवाल ही नहीं है। मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि कुछ मंत्री और विधायक दिल्ली जाकर कांग्रेस आलाकमान के नेताओं से मुलाकात कर उन पर मुख्यमंत्री

बदलने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस विषय पर मुझसे किसी ने चर्चा नहीं की है। राज्य में मुख्यमंत्री पद में बदलाव के लिए विपक्षी दलों की मांग के बीच, प्रमुख कैबिनेट मंत्रियों, विशेषकर मुनियप्पा, जो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विशेष आमंत्रित सदस्य हैं, के बयान ने ध्यान आकर्षित किया है। कुछ लोग इस तरह बात कर रहे हैं जैसे दीवार पर दीया जला रहे हों। कुछ लोग कह रहे हैं कि सिद्धरामैया बदलाव ला सकते हैं, वहीं कुछ लोग नारे लगा रहे हैं कि डी.के. शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री होंगे। दो दिन पहले चन्नपट्टना में आयोजित एक अभिनंदन सभा में विधायक एच.सी.बालकृष्ण ने डी.के.शिवकुमार को अगला मुख्यमंत्री घोषित किया। इनमें से कुछ विधायक तो आलाकमान के निर्देश से भी आगे जाकर नेतृत्व परिवर्तन की बात करने लगे हैं। ऐसे में मुनियप्पा के बयान ने अहम भूमिका निभाई। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने भी शहर में कहा कि हमारे बीच नेतृत्व परिवर्तन की कोई चर्चा नहीं है। विपक्षी दल, विशेषकर विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक कह रहे हैं कि सिद्धरामैया नवंबर तक सत्ता खो देंगे, जो कि निरर्थक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस में ऐसा कुछ नहीं हुआ है। कृषि मंत्री चालुवरायस्वामी ने भी सिद्धरामैया के पक्ष में अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री के रूप में कभी भी 5 साल पूरे नहीं किए हैं। लेकिन उन्होंने इस बात पर असंतोष जताया है कि वे बार-बार दूसरे लोगों के मुद्दों पर बयानबाजी करके भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस में नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होने की सबसे ऊंची आवाज को लेते हुए कुछ लोग डीके शिवकुमार को अगले मुख्यमंत्री के रूप में पेश करके संदिग्ध चर्चाओं को हवा दे रहे हैं।

टोल गेट विरोधी होरात्ता समिति ने राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों में देरी का किया विरोध

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। टोल गेट विरोधी होरात्ता समिति ने बुधवार को नंथूर जंक्शन पर राष्ट्रीय राजमार्ग के काम को समय पर पूरा करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। समिति ने जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित मुद्दों के समाधान, भ्रमरकोटलू टोल गेट को हटाने, नए टोल गेट के निर्माण से पहले टोल गेट नियमों का पालन करने और नंथूर फ्लाईओवर और कुलूर पुल को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने सहित कई मांगें रखीं। प्रदर्शन में बोलते हुए मुनीर कटिपल्ला ने कहा हम सूरथकल से नंथूर तक की सड़क की स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ हैं, जो गड्ढों से भरी हुई है और दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान ले चुकी है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) समस्याओं से ग्रस्त है। लगातार प्रयासों के बाद, हम सूरथकल टोल गेट को हटाने में कामयाब रहे, फिर भी भ्रमरकोटलू में टोल वसूली धमकी देकर अवैध रूप से जारी है। पिछले 15 वर्षों से, हम

मेंगलूरु-बेंगलूरु राजमार्ग पर निर्भर हैं, लेकिन हम अभी भी आसानी से या उचित समय में यात्रा करने में असमर्थ हैं।

बीसी रोड से गुंड्या तक एनएचएआई का काम अधूरा है, जिससे यात्रियों को धूल से होकर यात्रा करने और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। पुंजालकट्टे-चरमदी सड़क भी अधूरी है, जिससे मानसून के दौरान यात्रा करना असहनीय हो जाता है, और काम बहुत धीमी गति से चल रहा है। इसके अलावा, नंथूर से वामनजूर होते हुए करकला की ओर जाने वाले राजमार्ग का निर्माण भी ठीक से शुरू नहीं हुआ है। नंथूर फ्लाईओवर की मांग लंबे समय से की जा रही है, फिर भी कोई प्रगति नहीं हुई है। यहां दुर्घटनाओं में कई युवा लोगों की जान जा चुकी है।

हालांकि आधारशिला बहुत पहले रखी गई थी, लेकिन फ्लाईओवर का काम पूरी तरह से रुका हुआ है। विधायक और सांसद परियोजना को रोकने वाले स्थगन आदेश को संबोधित करने में विफल रहे हैं। आपके पास कंबाला और अन्य त्योहारों के आयोजन के लिए पर्याप्त समय है, लेकिन महत्वपूर्ण सड़क निर्माण के लिए नहीं। निर्वाचित प्रतिनिधियों को फ्लेक्स बैनर लगाने की अनुमति देने के लिए नंथूर का केवल एक छोटा सा हिस्सा समतल किया गया है। नंथूर फ्लाईओवर का वास्तविक डिजाइन कोई नहीं जानता। केपीटी से नंथूर तक फ्लाईओवर बनाने में क्या समस्या है? बीसी रोड से गुंड्या तक दो टोल गेट हैं, और चारमाडी से बीसी रोड तक एक और टोल गेट है, जिससे कुल छह अवैध टोल गेट बन गए हैं। सांसद जिला स्तर पर एनएचएआई की बैठकें क्यों कर रहे हैं, लेकिन जनता की शिकायतों का समाधान करने में विफल क्यों हैं?

विधायकों और सांसदों की लापरवाही

एनएचएआई परियोजनाओं में देरी पूरी तरह से निर्वाचित विधायकों और सांसदों की लापरवाही के कारण है। केरल सरकार ने अपने राष्ट्रीय राजमार्गों को सफलतापूर्वक विकसित किया है क्योंकि उनके विधायक और सांसद जिम्मेदारी लेते हैं और नियमित बैठकें करते हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, दो टोल गेटों के बीच 60 किमी का अंतर होना चाहिए, लेकिन दक्षिण कन्नड़ में, टोल गेट केवल 20 किमी की दूरी पर हैं। इस पर सवाल क्यों नहीं उठाया जा रहा है? यह विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक विधायक नंथूर फ्लाईओवर और कुलूर पुल के काम के बारे में एनएचएआई से सवाल नहीं करते। सांसद और विधायक को एनएचएआई परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के लिए जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आने वाले दिनों में, हम अपने विरोध को तेज करेंगे, घेराव करेंगे और अपनी मांगों के लिए दबाव बनाने के लिए रैलियां आयोजित करेंगे।

ई-कार्ट कंपनी के मैनेजर की हत्या के आरोप में दस गिरफ्तार

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। चिक्कबल्लापुर ग्रामीण पुलिस ने 10 लोगों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने 2 फरवरी को कथित अवैध संबंध को लेकर हुए विवाद के बाद अपने 28 वर्षीय रिश्तेदार की हत्या कर दी थी। मृतक की पहचान सुभाष के रूप में हुई है, जो एक ई-कार्ट कंपनी में मैनेजर के तौर पर काम करता था। उसकी शादी मुख्य आरोपी की बहन से हुई है। दंपति का तीन महीने का बच्चा है। पुलिस के मुताबिक, दंपति एक-दूसरे पर अवैध संबंध होने का आरोप लगाते हुए झगड़ते थे। मुख्य आरोपी मनोज को उनके झगड़े के बारे में पता चल गया। उसने प्रवीण को शामिल किया, जिसकी पत्नी का कथित तौर पर मृतक के साथ संबंध था। 2 फरवरी को दोनों ने आठ अन्य लोगों के साथ मिलकर सुभाष को बातचीत के लिए बुलाया। तीखी बहस के बाद उन्होंने सुभाष पर घातक हथियारों से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई और उसके शव को गौरीबिदनूर रोड पर एक नाले में फेंक दिया। अपराध के गवाह कुछ आरोपियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने शव बरामद किया और बाकी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियार बरामद कर लिए हैं।

मंत्री ने माइक्रोफाइनेंस कंपनी द्वारा कथित उत्पीड़न का सामना कर रहे किसान की मदद की

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक माइक्रोफाइनेंस कंपनी द्वारा कथित उत्पीड़न का सामना कर रहे एक अन्य परिवार की मदद की है। ऋण वसूली अधिकारियों ने तीन महीने पहले बसारीकट्टी में बसवराज मारुति कोंडास्कोपा के परिवार को बेदखल कर दिया था। उन्होंने एक निजी वित्तीय संस्थान से कुल 7 लाख का ऋण लिया था। गृह ऋण की ईएमआई न चुका पाने के कारण बेदखल किए गए बेलगावी के किसान के परिवार को मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के हस्तक्षेप के बाद पुनर्वासित किया गया। किसान ने सहायता के लिए मंत्री के कार्यालय से संपर्क किया था। मंत्री के निजी सचिव महंतेश हिरेमठ ने कंपनी के कर्मचारियों से बात की और उन्हें ऋण चुकौती के लिए दो महीने का समय देने का निर्देश दिया। मंत्री ने कंपनी के अधिकारियों से भी बात की और निजी वित्तीय संस्थानों को चेतावनी दी कि वे उधारकर्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। मंत्री के हस्तक्षेप के बाद परिवार को पुनर्वासित किया गया। यह दूसरा मामला है जिसमें मंत्री ने माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा कथित उत्पीड़न के शिकार लोगों की मदद की है। इससे पहले उन्होंने गणपति लोहार के परिवार को तारिहाल गांव में बसाया था।

चलती बाइक पर पेड़ गिरा, सवार घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कडाबा-पंजा जिला मुख्य मार्ग पर मंगलवार शाम एक पेड़ चलती बाइक पर गिर गया, जिससे सवार घायल हो गया। यह घटना एक ऐसी ही दुर्घटना की याद से पहले हुई, जिसमें एक पेड़ एक स्कूटर सवार पर गिर गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

घायल सवार यशवंत (42), कोडिम्बाला गांव के कोप्पा का निवासी और कडाबा में एक निजी वित्तीय संस्थान के लिए पिग्मी संग्रहकर्ता, एडामंगला से पिग्मी जमा करने के बाद कडाबा लौट रहा था। जब वह कडाबा-पंजा मार्ग पर कोडिम्बाला गांव के टेकाडका से गुजर रहा था, तो एक खतरनाक हलुमड्डी पेड़ अचानक उसकी बाइक पर गिर गया। पेड़ की एक शाखा यशवंत के सिर पर लगी, जिससे उसका हेलमेट टूट गया। सौभाग्य से, हेलमेट पहने होने के कारण वह बच गया। उसके हाथ, पैर और सिर में मामूली चोटें आईं और स्थानीय लोगों की मदद से कडाबा सरकारी अस्पताल में उसका इलाज किया गया। कडाबा पुलिस और वन अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया।

पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के बाद पति ने किया आत्मसमर्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने वाले पति ने सुलीबेले थाने में जाकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। मृतका का नाम राबिया (32) है। गिरफ्तार आरोपी का नाम निजामुद्दीन (35) है। दंपत्ति पहले अपने बच्चों के साथ देवनहल्ली तालुक के विजयपुरा में रहते थे। पेशे से मालवाहक वाहन चालक निजामुद्दीन अपनी पत्नी के अवैध संबंधों के बारे में जानने के बाद होसकोटे चला गया और किराए के मकान में रहने लगा। राबिया ने निजामुद्दीन से विजयपुरा लौटने के लिए कई बार बहस की, लेकिन निजामुद्दीन ने मना कर दिया। इस बीच पता चला है कि जब उसका पति घर पर नहीं होता था, तो राबिया दूसरे पुरुषों के साथ समय बिताती थी और यह जानने पर उसने उसकी हत्या कर दी। राबिया तीन बच्चों की मां है और चूंकि सभी बच्चे घर पर थे, इसलिए वह रात के खाने के बाद उन्हें घर के पास एक झील पर घुमाने ले गया। उस समय उसका अपनी पत्नी से विवाद हुआ और उसने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। बाद में उसने थाने में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने अब महिला का शव बरामद कर लिया है और उसे होसकोटे सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बनाया गया सर्वश्रेष्ठ बजट : मोहन विश्वा

केंद्रीय बजट हर नागरिक की मदद करेगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा वित्त प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रशांत जी.एस. ने कहा कि निर्मला सीतारमण ने एक ऐसा केंद्रीय बजट पेश किया है, जिसमें मध्यम वर्ग सहित सभी वर्गों के लोगों को अनुदान दिया गया है। यह बजट हर नागरिक की मदद करेगा। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा निर्मला सीतारमण ने 8वां केंद्रीय बजट पेश किया। उन्होंने बताया कि कृषि, एमएसएमई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, विनिर्माण, अनुसंधान, निर्यात और एफडीआई सहित हर क्षेत्र के लिए सभी राज्यों को अनुदान प्रदान किया गया है। कृषि के लिए 1,37,757 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है और कर्नाटक सहित देश के 7.7 करोड़ किसान किसान कार्ड से लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि इसकी ऋण सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत सभी राज्यों की भागीदारी में 100 जिलों के 2 करोड़ किसानों को अनुदान मिलेगा। ग्रामीण क्रेडिट स्कोर को सिबिल स्कोर की तर्ज पर शुरू किया गया है जो उधारकर्ताओं की मदद करता है और इसे स्वयं सहायता समूहों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया है। एमएसएमई की सीमा को 1 करोड़

से बढ़ाकर 2.5 करोड़ कर दिया गया है, जिससे इसे माइक्रो दायरे में लाया गया है। उन्होंने 25 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाले उद्यमों को लघु उद्यम तथा 125 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाले उद्यमों को मध्यम उद्यम मानने का प्रस्ताव दिया है। ऋण सीमा भी बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे अधिकतम लाभ मिलेगा। पहली बार उद्यम लगाने वाली महिलाओं, विशेषकर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को 2 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा। यह ऋण अगले 5 वर्षों के लिए उपलब्ध होगा। इस वर्ष शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत 10,000 से अधिक मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में 75,000 सीटें बढ़ाई जाएंगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर की स्थापना के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वे कर्नाटक सहित देश भर के प्रत्येक स्कूल को ब्रॉडबैंड कनेक्शन उपलब्ध करा रहे हैं। पर्यटन क्षेत्र में होमस्टे को मुद्रा योजना के अंतर्गत लाया जाएगा तथा मुद्रा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि उड़ान योजना के तहत 120 हवाई अड्डे (हवाई सुविधाएं) उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि इससे 4 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ मिलेगा। 50 पर्यटन केन्द्र विकसित किये जायेंगे। शहरी चुनौती कोष के अंतर्गत 1 लाख करोड़ रुपये का बजट है। 2025-26 के लिए 10 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी निधि के तहत एक लाख घरों का निर्माण किया जाएगा। अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप योजना के तहत 10,000 बच्चों को आईआईटी और आईआईएससी में शोध करने का अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 20 हजार करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विकास योजना को 8,500 करोड़ रुपये, समग्र शिक्षा योजना को 41,250 करोड़ रुपये, मत्स्य संपदा को 2,465 करोड़ रुपये, आयुष्मान भारत को 4200 करोड़ रुपये, आवास योजना को 19,794 करोड़ रुपये और विशेष रूप से रेलवे को नई लाइनों के लिए 32,235 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिनमें से कर्नाटक को 7564 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि नये रोजगार सृजन के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं, जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा। प्रदेश प्रवक्ता मोहन विश्वा ने कहा कि कर की सीमा 7 लाख से बढ़ाकर 12 लाख कर दी गई है, कांग्रेस पार्टी इस बारे में भी गलत सूचना फैला रही है। कांग्रेसी झूठ को सच में बदलने की पहल कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि वेतन 12.75 लाख रुपये है तो एक भी रुपया टैक्स नहीं देना होगा। सिद्धरामैया की भाषा में कहें तो अगर काका पाटिल के पास 12.75 लाख रुपये हैं तो उन्हें टैक्स नहीं देना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि स्लैब तभी लागू किया जाएगा जब यह सीमा पार हो जाएगी। उन्होंने कहा कि एक करोड़ लोग कर के दायरे से बाहर आ जायेंगे।

83 हजार रुपये बचाने का अवसर

उन्होंने कहा कि यह कराधान में एक क्रांति है। 2014 में यानी 10 साल पहले जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब 17 हजार प्रतिमाह वेतन होने पर आयकर लिया जाता था। उन्होंने बताया कि भले ही आज मुझे 1.06 लाख रुपये प्रति माह वेतन मिलता हो, फिर भी टीडीएस नहीं काटा जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पास प्रति वर्ष 83 हजार रुपये बचाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यह अब तक का सबसे अच्छा केन्द्रीय बजट है जिसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। राज्य प्रवक्ता नरेंद्र रंगप्पा ने कहा कि स्वास्थ्य की चिंता करने वाले प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र के लिए एक लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि इस राशि में 191 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जिलों में 200 कैंसर उपचार केंद्र खोलने के लिए विशेष धनराशि आवंटित की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 37 हजार करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। उन्होंने जिला अस्पतालों और टेलीहेल्थ के डिजिटलीकरण पर दिए गए ध्यान की सराहना की।

बच्चे के घाव पर टांके लगाने के बजाय फेविक्विक गोंद लगा दिया

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

हंगल तालुक के अडूरू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक चौंकाने वाली घटना में, एक नर्स ने एक बच्चे के घाव पर टांके लगाने के बजाय फेविक्विक गोंद लगा दिया, जिससे बच्चे के माता-पिता में आक्रोश फैल गया। 14 जनवरी को हुई यह घटना हाल ही में प्रकाश में आई है। बच्चे, गुरुकिशन अन्नप्पा होसामनी (7) को खेलते समय पैर में गहरी चोट लग गई। उसके माता-पिता उसे तुरंत अडूरू स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहाँ नर्स ज्योति ने टांके लगाने जैसे उचित उपचार देने के बजाय घाव पर फेविक्विक लगाया और पट्टी बाँध दी। घाव इतना गंभीर था कि तीन टांके लगाने की आवश्यकता थी, लेकिन इसके बजाय नर्स ने गोंद

का विकल्प चुना। जब उसके कार्य के बारे में पूछा गया, तो नर्स ज्योति ने अपने निर्णय का बचाव करते हुए कहा कि टांके लगाने से निशान पड़ सकता था और फेविक्विक एक सुरक्षित विकल्प था। उसने आगे उल्लेख किया कि यदि माता-पिता जोर देते, तो वह उन्हें किसी अन्य सुविधा में भेज देती। माता-पिता द्वारा अडूरू स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराने के बावजूद, कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है।

नर्स को निलंबित करने के बजाय, उसे दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया, जिससे परिवार और भी नाराज हो गया है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी (डीए-चओ), राजेश सुरगीहल्ली ने शिकायत स्वीकार की है और जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि, नर्स को निलंबित करने के लिए अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस घटना ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और चिकित्सा कर्मचारियों की जवाबदेही को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी हैं।

स्कूटर चालक ने 1.6 लाख से अधिक का जुर्माना चुकाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल ही में, अत्यधिक गति और सड़कों पर बढ़ते वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। जवाब में, यातायात पुलिस उल्लंघन को रोकने के लिए सख्त उपाय लागू कर रही है। हालांकि, कई लोग इन नियमों की अनदेखी करना जारी रखते हैं, जिसके कारण भारी जुर्माना लगाया जाता है। हाल ही में एक ऐसा ही मामला वायरल हुआ जब एक स्कूटर चालक पर 1.6 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया, जो उसके वाहन की कीमत से भी अधिक था। इस घटना ने सोशल मीडिया पर व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। पिछले तीन सालों से यातायात

नियमों का उल्लंघन कर रहे स्कूटर चालक को आखिरकार 3 फरवरी को सिटी मार्केट पुलिस ने पकड़ लिया। जांच करने पर, उसके स्कूटर पर 311 यातायात उल्लंघन पाए गए। आम तौर पर, एक नए स्कूटर या बाइक की कीमत 80,000 रुपये से 1 लाख रुपये के बीच हो सकती है, लेकिन इस मामले में, वाहन पर लगाया गया जुर्माना 1 लाख रुपये से अधिक था। सुदीप नाम के बाइक चालक को नोटिस जारी किया गया और 311 उल्लंघनों के लिए 1.61 लाख रुपये का जुर्माना भरने के लिए कहा गया। यातायात पुलिस ने यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस मामले का उदाहरण के रूप में उपयोग किया है।

बेंगलूरु डिवीजन ने एसयूवी परिवहन के लिए

देश में अपनी तरह का पहला एसीटी1 रेक किया संचालित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक महत्वपूर्ण उपलब्धि में, दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु डिवीजन ने भारत का पहला एसीटी1 (बोगी कवर्ड टॉलर हाइट ऑटो-कार कैरियर) रेक सफलतापूर्वक संचालित किया, जो हरियाणा के गुड़गांव जिले के पेनुकोंडा से फारुख नगर तक 264 एसयूवी (स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स) का परिवहन करता है।

इससे रेलवे को 34 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। यह पहल वाहनों के कुशल, लागत प्रभावी परिवहन में एक नए युग की शुरुआत करती है और इससे रेलवे के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है।

एसीटी1 रेक में 33 विशेष रूप से डिजाइन किए गए वैगन होते हैं जिनकी क्षमता 264 एसयूवी तक ले जाने की होती है। एसीटी1 रेक के इस पहले परिवहन संचालन को मंडल रेल प्रबंधक अमितेश कुमार सिन्हा और अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया के साथ-साथ वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक कृष्ण चैतन्य सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने देखा। अधिकारियों ने पेनुकोंडा स्टेशन पर रेक का निरीक्षण किया क्योंकि यह 264 एसयूवी से भरा हुआ था।

एसीटी1 रेक वाहन परिवहन के लिए सड़क से रेल पर बदलाव का समर्थन करता है, जो अधिक टिकाऊ, लागत प्रभावी और तेज समाधान प्रदान करता है। 33 एसीटी1 वैगनों वाला प्रत्येक रेक 264 एसयूवी तक ले जा सकता है, जिससे एक ही यात्रा में अधिक वाहनों का परिवहन संभव हो सकेगा। बेंगलूरु डिवीजन की बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (बीडीयू) उद्योगों के लिए रेल परिवहन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर

कैंसर क्रूसेडर्स नामक एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जैन संघटना महिला चैप्टर बेंगलूरु ने श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट और श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल, बसवनगुड़ी के सहयोग से विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर कैंसर क्रूसेडर्स नामक एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 120 लोगों ने भाग लिया। यह एक बहुत ही जानकारीपूर्ण और प्रेरणादायक आयोजन था, जिसकी शुरुआत मंगला-चरण और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद एक हृदयस्पर्शी नाटक प्रस्तुत किया

गया, जो कैंसर जागरूकता पर आधारित था। इसके पश्चात प्रसिद्ध डॉक्टरों डॉ. अमित कुमार जैन, डॉ. स्नेहा शाह और मनोवैज्ञानिक कविता नाहर के साथ एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वयं एक कैंसर सर्वाइवर और वर्षों से बीजेएस की सक्रिय सदस्य बबीता श्रीश्रीमाल थी। खाद्य प्रायोजक परोपकारी तेजराज मलानी अतिथि के रूप में मौजूद थे।

अरविंद कोठारी (अध्यक्ष, सेवा मंडल) और ललित डाकलिया (सचिव, सेवा मंडल) अन्य अथितियों में शामिल थे। बीजेएस बेंगलूरु के क्षेत्रीय अध्यक्ष सुरेश कानूंगा भी संपूर्ण टीम को समर्थन देने के लिए उपस्थित रहे। बीजेएस महिला चैप्टर बेंगलूरु की अध्यक्ष नेहा चौधरी ने स्वागत भाषण दिया और पैनल चर्चा को मॉडरेट किया। मुख्य सचिव एवं एंकर बिंदु मेहता ने पूरे कार्यक्रम की होस्टिंग की और अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

डिवीजन हेड मितु जैन, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर दीपमाला जैन और प्रोजेक्ट डायरेक्टर अंजु भंसाली ने इस कार्यक्रम की योजना बनाकर इसे सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया।

इस मौके पर सविता पोरवाल, निशा टुकलिया, अस्मिता चौहान, संगीता मलानी, विभा जैन, स्वेता भंडारी, वीणा कोठारी, रेखा मुणोत, नीता सलेचा, सपना जैन और आरती जैन की उपस्थिति रही।

सीएस ने माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न से बचने के लिए नियमों का पालन करने का दिया निर्देश

अत्याचारों को रोकने के लिए कई कदम उठाए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं के उत्पीड़न के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उत्पीड़न से बचने के लिए नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के उधारकर्ताओं, जिन्होंने अपनी आवश्यकताओं के लिए लघु वित्त कंपनियों से ऋण लिया है और भुगतान में देरी की है, पर अनधिकृत साहूकारों और वित्तीय संस्थानों द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न और अत्याचारों को गंभीरता से लिया है, और ऐसे अत्याचारों को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। आपातकालीन चिकित्सा उपचार, बच्चों की शिक्षा, विवाह और अन्य खर्चों के लिए तत्काल ऋण लेना आम बात है। अधिकांश लोग प्राप्त ऋण को चुका देते हैं। हालाँकि, चूंकि कुछ व्यक्ति सामाजिक, व्यक्तिगत या गैर-उत्पादक गतिविधियों पर पैसा खर्च करते हैं, इसलिए उनकी पुनर्भुगतान क्षमता कम होती है। ऐसे मामलों में, ऋणदाता वसूली की मांग करता है। मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार ने इस बात को गंभीरता से लिया है कि कुछ स्थानों पर यह उत्पीड़न का रूप ले रहा है। 25 जनवरी को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। उन्होंने बताया कि माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं के कर्नाटक जोन के अध्यक्ष, भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक, सा-धन, एकेएमआई, एमएफआईएन और अग्रणी माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं के प्रतिनिधियों, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक, अधिकारियों और पुलिस, राजस्व, सहकारिता और वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की गई और उत्पीड़न को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में निर्देश दिए गए। कर्नाटक साहूकार अधिनियम-1961 के तहत नियमों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी जाती है। 31 दिसंबर, 2024 तक इस अधिनियम के तहत 20,425 संगठन पंजीकृत हो चुके हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि 6,590 साहूकार, 6,772 दलाल तथा 7,063 वित्तीय संस्थान हैं।

कर्नाटक अत्यधिक ब्याज निषेध अधिनियम-2004 के अनुसार, साहूकारों के लिए सुरक्षित ऋण के लिए अधिकतम ब्याज दर 14 प्रतिशत प्रति वर्ष और असुरक्षित ऋण के लिए अधिकतम ब्याज दर 16 प्रतिशत प्रति वर्ष निर्धारित की गई है।

संस्थाओं और संबंधित कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसी जानकारी बिलबोर्ड के माध्यम से सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करें। उधारकर्ताओं को इन बातों पर ध्यानपूर्वक विचार करना चाहिए तथा ऋण लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि साहूकारों के पास आधिकारिक पंजीकरण प्रमाण-पत्र, ब्याज दरें, वसूली प्रक्रिया आदि की जानकारी है। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं से ऋण चुकौती के दौरान होने वाली परेशानी से बचने में मदद मिलेगी। 3 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को ऋण उपलब्ध कराने की प्रणाली को माइक्रोफाइनेंस घोषित किया गया है। गैर-बैंकिंग सहकारी समितियां, एनबीएफसी, गैर-सरकारी संगठन, ट्रस्ट, छोटे दुकानदार और अन्य लोग ऋण प्रदान करते हैं। सहकारी समितियों का पर्यवेक्षण सहकारिता विभाग द्वारा किया जाता है तथा गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (एनबीएफसी) का पंजीकरण एवं पर्यवेक्षण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा किया जाता है। सा-धन और माइक्रो फाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्व-नियामक संगठन के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि इन संस्थाओं की स्थापना निर्धारित अच्छे ऋण देने के तरीकों को लागू करने के लिए की गई थी। कर्नाटक राज्य में केवल 31 माइक्रोफाइनेंस उद्योग मौजूद हैं। इन 31 संस्थाओं ने कर्नाटक माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस एसोसिएशन की सदस्यता प्राप्त कर ली है। सभी एनबीएफसी-एमएफआई को निर्देश दिया गया है कि वे ऋण वितरण के समय प्रत्येक उधारकर्ता को ब्याज दर, पुनर्भुगतान किस्तों और मूल राशि के बारे में तथ्य पत्रक में जानकारी प्रदान करें। सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआई), धन उधार एजेंसी या संगठन द्वारा प्रदान किए गए सभी ऋणों को मंजूरी देने और वितरित करने की प्रक्रिया में निम्नलिखित बिंदुओं का पालन किया जाना चाहिए। उधारकर्ता को ऋण की शर्तों के बारे में स्थानीय भाषा या उसकी समझ वाली भाषा में जानकारी दी जानी चाहिए। ऋण आवेदन में नियमों और शर्तों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए ताकि आपको सही निर्णय लेने में मदद मिल सके। कौन से दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे, इसकी समुचित जानकारी प्रदान की जानी चाहिए। रोकड़ बही, खाता बही और अन्य अभिलेखों का उचित रखरखाव किया जाना चाहिए।

सुरक्षा का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए

ऋण वितरण की तिथि से 7 दिनों के भीतर, निर्धारित प्रारूप में एक लिखित दस्तावेज, जिसमें ऋण राशि, वितरण की तिथि और समाप्ति तिथि, संस्था के कार्यकारी का नाम और पता तथा नियमानुसार ली जाने वाली ब्याज दर का उल्लेख हो, ऋणदाता को अवश्य दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऋणकर्ता को भुगतान के बदले हस्ताक्षरित रसीद दी जानी चाहिए। ऋण से संबंधित किसी भी दस्तावेज की एक प्रति उधारकर्ता के लिखित अनुरोध पर प्रदान की जानी चाहिए। उधारकर्ता से प्राप्त सुरक्षा का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। आम जनता को इन तरीकों के बारे में पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने आधिकारिक अधिकारों और दायित्वों का पता लगाने के बाद ही ऋण लेना चाहिए। कुछ व्यक्ति, अनाधिकृत साहूकार, गरीबों की जरूरतों का फायदा उठाते हैं तथा उनकी तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए धन देकर ऊंची ब्याज दर वसूल कर उनका शोषण करते हैं। जनता ऐसे व्यक्तियों या संगठनों के खिलाफ हेल्पलाइन नंबरों पर शिकायत दर्ज करा सकती है।

सड़क हादसे में तीन बच्चों समेत परिवार के पांच सदस्यों की मौत

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो।

यादगीर में कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन की बस ने सुरपुरा, यादगीर में तिनथानी के पास एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसमें बच्चों सहित एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अंजनेया (35), गंगम्मा (28), उनके 1 वर्षीय बेटे हनुमंथु और उनके भतीजे के बच्चें पवित्रा (5) और रायप्पा (3) के रूप में हुई है, जो शाहपुर, यादगीर के हलीसागर के निवासी हैं। टक्कर के प्रभाव में बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। उनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल दो अन्य की बिना इलाज के अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच की। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

भ्रष्टाचार के बिना पूरी पारदर्शिता से नौकरियां दे रही है त्रिपुरा सरकार : शाह

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि त्रिपुरा में पहले की सरकार के दौरान नौकरी उन्हीं लोगों को मिलती थी जो किसी विशेष राजनीतिक पार्टी के सदस्य हों। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के वर्तमान मुख्यमंत्री ने किसी भेदभाव, सिफारिश और भ्रष्टाचार के बिना और पारदर्शिता के साथ राज्य के 2807 युवाओं को आज सरकारी नौकरी देकर उनके जीवन में एक नई शुरूआत कर उन्हें राज्य के विकास के साथ जोड़ने का अवसर प्रदान किया है।

श्री शाह आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से त्रिपुरा सरकार में नौकरी के लिए 2800 से अधिक नियुक्ति पत्रों के वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि आज 2437 मल्टी टास्किंग स्टाफ़ और स्वास्थ्य विभाग के 370 पदों पर नियुक्ति के साथ ही इन लोगों के जीवन में एक नई शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करते ही ये 2807 लोग आज से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित त्रिपुरा और विकसित भारत अभियान का हिस्सा बन गए हैं।

श्री अमित शाह ने कहा किप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज पूरा नॉर्थईस्ट विकास के रास्ते पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में केन्द्रीय मंत्रियों ने नॉर्थईस्ट का 700 से अधिक बार दौरा किया है और इस क्षेत्र के विकास के लिए कई सकारात्मक पहलें की गई हैं। श्री शाह ने कहा कि नॉर्थईस्ट को पहले उग्रवाद, घुसपैठ, ब्लॉकेड्स, ड्रग्स, हथियारों की तस्करी, भ्रष्टाचार औरजातीय तनाव के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज नॉर्थईस्ट को विकास, कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, निवेश और कृषि संबंधित गतिविधियों के विकास के लिए जाना जाता है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में त्रिपुरा में 3 समझौते कर राज्य में स्थायी शांति लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में ब्रू-रियांग जाति के भाइयों-बहनों को स्थायी निवास और शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरियां देकर उनके जीवन में नया बदलाव लाने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के सभी विद्रोही समूह सरेंडर कर मेनस्ट्रीम में आ चुके हैं। श्री शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा जी के नेतृत्व में आज त्रिपुरा भटकाव की जगह भागीदारी, रुकावट की जगह रफ्तार और विलंब की जगह वेलफेयर के रास्ते पर आगे बढ़ चुका है।

रोजगार के लिए लीबिया गए 18 भारतीय स्वदेश लौटे

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

लीबिया के बेन्गाज़ी में रोजगार के लिए गए 18 भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास की मदद से आज स्वदेश लौट आए हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स'पर एक पोस्ट में जानकारी दी थी कि लीबिया में भारतीय दूतावास ने लीबिया के बेन्गाज़ी से 18 भारतीय नागरिकों की वापसी की सुविधा प्रदान की है और वे बुधवार को भारत पहुंचेंगे।

श्री जायसवाल ने कहा कि ये भारतीय लीबिया में रोजगार के लिए गए थे और कई हफ्तों से फंसे हुए थे। दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया और आवश्यक प्राधिकार और यात्रा दस्तावेज उपलब्ध कराने में भारतीय श्रमिकों की सहायता की।

उन्होंने कहा कि जबकि उनके मामले को देखा जा रहा था, दूतावास उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ लगातार संपर्क में रहा और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में उनकी सहायता की। इसी समूह के तीन अन्य भारतीय नागरिक दूतावास की सहायता से पिछले अक्टूबर में भारत लौटे थे।

भारतीय दूतावास ने लीबिया के अधिकारियों को उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

मोदी ने आगा खान के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्माइली मुस्लिम समुदाय के धर्म-गुरु आगा खान चतुर्थ के निधन पर बुधवार को गहरा शोक व्यक्त किया और उनके अनुयायियों तथा प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

श्री मोदी ने अपने शोक संदेश में कहा है, महामहिम राजकुमार करीम आगा खान चतुर्थ के निधन से बहुत दुखी हूं। वे एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपना जीवन सेवा और आध्यात्मिकता के लिए समर्पित कर दिया। स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में उनके योगदान से कई लोगों को प्रेरणा मिलती रहेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा है, मैं उनके साथ अपनी बातचीत को हमेशा संजो कर रखूंगा। उनके परिवार और दुनिया भर में उनके लाखों अनुयायियों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ।

प्रधानमंत्री ने श्री खान के साथ अपनी मुलाकात के कुछ फोटो भी सोशल मीडिया पर सार्वजनिक किए हैं। धर्म गुरु का मंगलवार को लिस्बन (पुर्तगाल) में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। ब्रिटेन के सम्राट चार्ल्स तथा दुनिया के अन्य नेताओं ने भी उनके निधन पर शोक जताया है।

हिमाचल के पर्यटन स्थलों में ताजा हिमपात, मौसम विभाग ने आंधी -तूफान की चेतावनी जारी की

शिमला, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा हिमपात दर्ज किया गया, जबकि मौसम विभाग ने कुछ जिलों में आंधी और बिजली गिरने की आशंका व्यक्त करते हुए येलो अलर्ट जारी किया। शिमला, कुल्लू, किन्नौर, लाहौल और स्पीति तथा चंबा जिलों के कुछ स्थानों पर हिमपात हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, शिमला जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नारकंडा और कुफरी, चंबा के डलहौजी और कुल्लू जिले के मनाली और आसपास के इलाकों में हिमपात हुआ। मंडी जिले के सेराज, पराशर, शिकारी और कमरूनाग से भी हिमपात की खबरें मिलीं।

हिमपात से होटल व्यवसायियों को पर्यटकों की आमद बढ़ने की उम्मीद जगी। इससे लंबे समय से राज्य में सूखे की स्थिति को लेकर चिंतित बागवानों को भी राहत मिली। सेब की खेती के लिए बर्फ को फायदेमंद माना जाता है। हालाँकि, शुष्कता को पूरी तरह से रोकने के लिए हिमपात अपर्याप्त था। मौसम विभाग के अनुसार, कोठी में 33 सेमी, गोंदला में 11 सेमी, केलांग में 9 सेमी, कुकुमसेरी में 8.3 सेमी, भरमौर में 8 सेमी, मनाली में 7.4 सेमी, जोत में 6 सेमी, कल्पा में 5.1 सेमी और शिल्हारू तथा खद्राला में 5 सेमी हिमपात हुआ।

शिमला शहर में ओलावृष्टि हुई, जबकि आसपास के जुब्बड़हट्टी और कुफरी में क्रमशः 8.3 सेमी और 4 सेमी बर्फ गिरी। राज्य में सबसे अधिक वर्षा सलोनी में 44.3 मिमी दर्ज की गई। इसके बाद कसोल में 30 मिमी, करसोग में 24.3 मिमी, भुंतर में 21.4 मिमी, जोगिंद्रनगर में 19 मिमी, बंजार में 18.2 मिमी, शिमला में 16.2 मिमी और गोहर में 16 मिमी बारिश हुई। शिमला, जुब्बड़हट्टी, कांगड़ा, जोत, भुंतर, पालमपुर और सुंदरनगर में गरज के साथ वर्षा हुई।

बिलासपुर और मंडी में हल्का कोहरा दर्ज किया गया। ताजा बर्फबारी के कारण कई स्थानों पर सड़कें फिसलन भरी हो गई हैं और लाहौल एवं स्पीति पुलिस ने यात्रियों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने बुधवार को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा और सोलन के कुछ हिस्सों में आंधी और बिजली गिरने के लिए येलो चेतावनी जारी की। इसके अलावा, विभाग ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार को ऊना, बिलासपुर और मंडी के कुछ हिस्सों में घने कोहरे की चेतावनी दी। लाहौल और स्पीति के जनजातीय क्षेत्र में स्थित ताबो राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कोझिकोड में यात्री बस पलटी, 50 से अधिक लोग घायल

कोझिकोड, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

केरल के कोझिकोड जिले के अरायिदथुपलम में मंगलवार शाम एक यात्री बस के पलट जाने से उसमें सवार 50 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायलों में से 42 को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि नौ को सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है। उसने कहा कि एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

यात्रियों के मुताबिक, बस एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारने डिवाइडर से टकराई और फिर सड़क पर पलट गई। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने घायलों को दुर्घटनाग्रस्त बस से निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

मराठा आरक्षण को लेकर सरकार चिंतित, मनोज जरांगे को मुंबई आने की जरूरत नहीं : संजय निरुपम

मुंबई, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

मराठा आरक्षण को लेकर शिवसेना नेता संजय निरुपम ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मनोज जरांगे पाटिल से अपील की है कि वे मुंबई न आएं और वहीं रहकर आंदोलन करें।

संजय निरुपम ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं मनोज जरांगे पाटिल से कहूंगा कि उन्हें अपनी चल रही लड़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और हमें यहां परेशान नहीं करना चाहिए। मुंबई में मराठों और गैर मराठों के बीच कोई विवाद नहीं है। जहां तक मराठा युवाओं को आरक्षण देने की बात है तो यह एक वाजिब सवाल है और सरकार इसे लेकर चिंतित है।

उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में मराठा युवाओं को आरक्षण मिलेगा ताकि उन्हें बेहतर जीवन, बेहतर नौकरी के अवसर और शिक्षा मिल सके। मनोज जरांगे पाटिल ओबीसी कोटे से आरक्षण देने पर जोर देते रहते हैं। हम मराठा समाज के साथ खड़े रहेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें आरक्षण मिले।

मुझे उम्मीद है कि जल्द कोई ना कोई रास्ता निकलेगा और मराठा नौजवानों को आरक्षण का लाभ मिलेगा।

मराठा आरक्षण के लिए मनोज जरांगे पाटिल ने छह दिनों तक भूख हड़ताल की थी। भूख हड़ताल समाप्त करने के बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने लगीं। इसके बाद उन्हें छत्रपति संभाजीनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आज उन्हें छुट्टी दे दी गई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए जरांगे पाटिल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की आलोचना की।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इरादे अच्छे नहीं हैं। वे मराठा समुदाय की समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मराठा आरक्षण को लेकर जल्द ही एक नया आंदोलन शुरू किया जाएगा।

पुणे में 25 वाहनों में तोड़फोड़ तीन आरोपी गिरफ्तार

पुणे, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के पुणे शहर में बुधवार तड़के तीन बाइक सवार आरोपियों ने सड़क किनारे खड़े 25 वाहनों में तोड़फोड़ की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने बिना किसी कारण के बिबवेवाडी इलाके में वाहनों को नुकसान पहुंचाया।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुणे पुलिस के पुलिस उपायुक्त (जोन 5) राजकुमार शिंदे ने कहा, बुधवार देर रात 1:40 बजे तीन बदमाशों ने बाइक पर आकर सड़क किनारे खड़े ऑटो-रिक्शा, कार और दोपहिया वाहन समेत 25 वाहनोंको नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि वारदात के बाद आरोपी वेल्हे तहसील की ओर भाग गए, लेकिन कुछ घंटों के भीतर पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। मामले की जांच जारी है।

साय की कड़क चाय का जायका अदरक वाली चाय ने जीता दिल

रायगढ़ 05 फरवरी (वार्ता)

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनावों की चुनावी गर्मी के बीच रायगढ़ में एक चाय की दुकान पर बुधवार को उस समय माहौल चाय की भाप से भी और गर्म हो गया, जब खुद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चाय बनायी।

यह कोई आम चाय नहीं थी, बल्कि अदरक वाली कड़क चाय, जिसे पीकर लोग बोले -वाह, सीएम साहब, आपकी चाय में भी दम है।

दरअसल श्री साय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महापौर प्रत्याशी जीवर्धन चौहान के समर्थन में रायगढ़ पहुंचे थे। पूरे जोश के साथ पांच किलोमीटर लंबा रोड शो करने के बाद वह सीधे जीवर्धन चौहान की मिनीमाता चौक स्थित चाय दुकान पहुंचे।

उन्होंने चाय की दुकान पर खुद स्टोव जलाकर अदरक, इलायची और चाय पत्ती डालने लगे, तो वहां मौजूद लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गयी। किसी ने कैमरा ऑन किया, तो कोई वीडियो बनाने में जुट गया। चाय बनने के बाद मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों को खुद चाय सर्व की।उन्होंने कहा , चाय से ज्यादा मीठी जीवर्धन भाई की जुबान और उनका व्यवहार है।

उन्होंने कहा , एक साधारण कार्यकर्ता की मेहनत का सम्मान भाजपा में ही संभव है। जिस तरह चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी आज दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने, उसी तरह जीवर्धन भाई भी जनता के आशीर्वाद से रायगढ़ के महापौर बनेंगे।

एनएचएआई के ठेकेदार ने दोबारा शुरू किया धर्मस्थल का निर्माण, ग्रामीणों ने किया जमकर बवाल

पटना , 05 फरवरी (एजेंसियां)।

सुपौल के सदर प्रखंड अंतर्गत बलहा पंचायत स्थित नुनुपट्टी गांव में बुधवार को ग्रामीणों ने एनएचएआई के विरुद्ध जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान नुनुपट्टी चौक को करीब पांच घंटे तक जाम रखा गया। हालांकि बाद में सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार के हस्तक्षेप के बाद हंगामा शांत हुआ।

इससे पूर्व 14 जनवरी को भी ग्रामीण पुरानी जमीन के ही हिस्से में धर्मस्थल निर्माण के विरोध में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया था। बुधवार को प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मनमाने तरीके से धर्मस्थल की पुरानी जमीन के ही दूसरे हिस्से में निर्माण किया जा रहा है। जबकि चार लोगों द्वारा धर्मस्थल के लिए बीच आबादी वाले इलाके में 6 कट्ठा 10 धुर जमीन दी गई है। विक्रेताओं ने जमीन की कीमत भी धर्मस्थल निर्माण के लिए दान की है। ग्रामीणों का कहना था कि धर्मस्थल की अधिकांश जमीन एनएच में चली गई है। यहां तीन कट्ठा जमीन में धर्मस्थल निर्मित थी, जो आबादी के हिसाब से पहले से ही छोटी पड़ रही थी। एनएच निर्माण के बाद यहां महज 14 धुर जमीन बची है, जहां धर्मस्थल निर्माण से कोई लाभ नहीं है।

नए स्थल पर धर्मस्थल के निर्माण से इसे भव्य रूप दिया जा सकेगा और नमाजियों को भी सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने दावा किया कि धर्मस्थल निर्माण के लिए स्थानीय स्तर पर एक कमेटी का भी गठन किया गया है। अगर प्रशासन या एनएचएआई वहां धर्मस्थल करा पाने में सक्षम नहीं है तो राशि उस कमेटी को दे दी जाए, जो निर्माण के लिए गठित की गई है। हालांकि सदर एसडीएम ने स्पष्ट किया कि राशि किसी कमेटी को देने का प्रावधान नहीं है। उन्होंने गुरुवार को ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल को सदर डीसीएलआर के कार्यालय में बैठक कर निर्माण हेतु सहमति बनाने की बात कही। आपको बता दें कि इससे पूर्व 14 जनवरी को ग्रामीण पुराने स्थल पर ही गुपचुप तरीके से धर्मस्थल निर्माण कराने के विरोध में सड़क पर उतरे थे।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में मुस्लिम समुदाय की बड़ी तादाद है। पुराने धर्मस्थल का अहाता भी जुम्मे की नमाज के लिए छोटा पड़ जाता था।वही रमजान के महीने भी मुश्किल होती थी। अब और छोटी धर्मस्थल के निर्माण से लोगों की परेशानी और भी अधिक बढ़ जाएगी। वही दुर्घटना की आशंका भी बनी रहेगी। ग्रामीणों ने तमाम समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ही धर्मस्थल का निर्माण कराने की मांग की।

बुधवार की सुबह 8 बजे से ही स्थानीय लोगों ने नुनुपट्टी चौक को जाम कर दिया और बीच चौराहे पर धरना प्रदर्शन करने लगे। इस बीच सूचना पर सदर डीसीएलआर अली एकराम भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने के प्रयास में जुट गए। लेकिन प्रदर्शनकारी मानने को तैयार नहीं थे। बाद में सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार, एसडीपीओ आलोक कुमार, थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार भी मौके पर पहुंचे। एसडीएम और एसडीपीओ द्वारा करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद हंगामा शांत कराया गया। इस बीच स्थानीय राहगीरों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई लोग रूट बदल कर आवागमन करते दिखे।

इधर, हंगामा शांत होने के बाद सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार ने दावा किया कि गुरुवार को ग्रामीणों के साथ बैठक कर विवाद का निपटारा कर लिया जाएगा। ग्रामीण धर्मस्थल के स्थल परिवर्तन की मांग कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने 14 जनवरी को हुए विरोध प्रदर्शन को सिरे से खारिज किया। कहा कि आज से पहले कोई प्रदर्शन नहीं हुआ है।

सरस्वती पूजा के दौरान भीषण हादसा

डीजे गाड़ी की चपेट में आने से महिला की मौत, 15 बच्चे घायल

पूर्णिया, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

पूर्णिया में सरस्वती पूजा के विसर्जन दौरान एक भीषण दुर्घटना हुई। अनियंत्रित डेजी गाड़ी के चढ़ने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। घटना के अनुसार, विसर्जन के दौरान खड़ी डेजी गाड़ी को एक बच्चे ने ही चाबी घुमा दिया, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर लोगों पर चढ़ गई। घटनास्थल पर ही एक महिला की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जहां एक महिला और तीन बच्चे की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना बुधवार करीब एक बजे जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महराजपुर रमना टोली में घटी है। मृतक की पहचान स्वर्ग शहीद अंसारी के जैहरुन निशा (50) के रूप में की गई। घायलों में पूनम देवी 28, अरशद 09, तबरेज अंसारी 07, तोहिद अंसारी 05, नजमा, हजरत अंसारी 10, रेशमा खातून 10 सहित अन्य शामिल हैं। घटना के संबंध में स्थानीय महेश सिंह ने कहा कि गांव में सरस्वती पूजा को लेकर प्रतिमा (मूर्ति) स्थापित की गई थी। बुधवार को दिन शुभ होने के कारण सभी लोग प्रतिमा विसर्जन का तैयारी कर रहे थे। वहीं विसर्जन के दौरान डीजे गाड़ी रोड के किनारे खड़ी थी। गाड़ी में चाबी लगी हुई थी इसी दौरान एक बच्चा डीजे गाड़ी पर बैठ कर चालू कर दिया। जब तब चालक कुछ देख पाते थे तब तक में डीजे गाड़ी दो दर्जन लोगों को अपना शिकार बना लिया। जिससे घटनास्थल पर ही एक महिला की मौत हो गई। वहीं इस घटना में एक महिला सहित डेढ़ दर्जन लोग बच्चे घायल हो गए।

▪ महाकुंभ में मुखरित हुआ संस्कृति-कुंभ

राष्ट्र निर्माण में संस्कृति की भूमिका अहम: चिदानंद

संस्कृति कुंभ में शामिल हुईं मशहूर खिलाड़ी साइना नेहवाल

महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। परमार्थ निकेतन के तत्वावधान में कुंभ मेला क्षेत्र में आयोजित संस्कृति कुंभ का भव्य शुभारंभ स्वामी चिदानंद सरस्वती एवं साध्वी भगवती सरस्वती के प्रेरक उद्बोधन से हुआ। उद्घाटन सत्र में स्वामीजी ने भारतीय संस्कृति के व्यापक आयामों पर प्रकाश डालते हुए इसके मूल उद्देश्यों को रेखांकित किया।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने महाकुंभ को केवल धार्मिक आयोजन न मानते हुए भारतीय जीवन दर्शन, संस्कृति और अध्यात्म का प्रतीक बताया। साध्वी भगवती सरस्वती ने अपने उद्बोधन में सनातन संस्कृति को समस्त समस्याओं का समाधान बिंदु बताते हुए इसकी आध्यात्मिक एवं सामाजिक प्रासंगिकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता जे. साई दीपक ने भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्ता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि विश्व की अनेक सभ्यताओं ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाकर अपने आप को बेहतर बनाया है। जब भी भारत की बात होती है, महाकुंभ की चर्चा अवश्य होनी चाहिए, क्योंकि यह आयोजन भारत की विशाल क्षमता और व्यवस्थापन कौशल का प्रतीक है। दीपक ने कहा, हमें भारतीय मूल्यों और सिद्धांतों के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए, न कि किसी अन्य राष्ट्र की नकल करनी चाहिए। भारत को चीन नहीं बनना है, भारत को भारत ही बने रहकर अपने मूल्यों के साथ आगे बढ़ना है। जे. साई दीपक के इस वक्तव्य ने संस्कृति और संविधान के सह-अस्तित्व पर एक महत्वपूर्ण विमर्श प्रस्तुत किया और भारत की सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

संस्कृति कुंभ में विशेष अतिथि के रूप में बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने अपने विचार व्यक्त किए और राष्ट्र निर्माण में संस्कृति की भूमिका को रेखांकित करते हुए युवाओं से देश के उत्थान में सहयोग देने का आह्वान किया। भारत सरकार के राज्य ऊर्जा मंत्री श्रीपाद नायक और उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव, नगर विकास, अमृत अभिजात ने महाकुंभ की व्यवस्थाओं एवं सरकार द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

आज के आयोजन में कुल चार सत्रों के दौरान 12 विद्वान वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रत्येक सत्र में विशेषज्ञों ने भारतीय संस्कृति, धर्म, इतिहास और समाज के विभिन्न पहलुओं पर गहन विमर्श किया, जिससे संस्कृति कुंभ का बौद्धिक और आध्यात्मिक महत्व और अधिक समृद्ध हुआ। सभी अतिथियों का स्वागत आयोजन मंडल के क्यूरेटर और प्रोड्यूसर शैफाली वैद्य, शांतनु गुप्ता एवं पुष्कर शर्मा ने किया, जबकि संयोजन में शंख सोसाइटी ने सहयोग प्रदान किया। संस्कृति कुंभ में देश-विदेश के विद्वान, संत-महात्मा एवं शोधार्थी भारतीय संस्कृति, धर्म, अध्यात्म और कुंभ पर अपने विचार प्रस्तुत कर रहे हैं। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की समृद्ध धरोहर को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना और समकालीन संदर्भों में इसकी प्रासंगिकता पर विमर्श करना है।

स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा

महाकुंभ मानवता का सबसे बड़ा महोत्सव है

महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। विपरीत विचारों, मतों, पंथों को एक तट पर मिलाने की असीम ताकत रखने वाले संगम तट पर विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के रूप में महाकुंभ की शोभा का वर्णन हर कोई अपने-अपने भावों में कर रहा है। परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष चिदानंद मुनि देश-दुनिया से आए अपने अनुयायियों, सितारों, संतों, कथा मर्मज्ञों के समागम को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। वह समुद्र मंथन के परिणाम के रूप में सामने आए कुंभ के जरिये अभिसिंचित और पोषित होती विश्व संस्कृति के विविध पक्षों को किस रूप में देखते हैं। संगम तट पर दुर्लभ संयोग में लगे महाकुंभ के बारे में स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा, महाकुंभ सनातन का गौरव है। मानवता का सबसे बड़ा महोत्सव है। समुद्र मंथन का परिणाम है। मंथन के बाद जो भी निकलता है, वही अमृततुल्य होता है। 144 वर्षों के बाद जो योग बना है, वह दुर्लभ है। सौभाग्यशाली है हमारी पीढ़ी, जो इस महाकुंभ की प्रत्यक्षदर्शी बनी है। महाकुंभ: स्वागतं यत्र धर्मः संस्कृतिः च जीवनस्य स्रोतः प्रवाहते। धर्म और संस्कृति के माध्यम से जीवन के वास्तविक स्रोत का प्रवाह महाकुंभ में देखा जा सकता है। स्वामी ने कहा, महाकुंभ एक कालजयी महोत्सव है, जो न केवल व्यक्तियों की आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि पूरी सृष्टि को एक नई दिशा प्रदान करता है। महाकुंभ का मतलब महज डुबकी और आचमन नहीं है, बल्कि कुंभ आत्ममंथन की डुबकी का नाम है। समुद्र मंथन से स्वयं के मंथन की यात्रा है। संगम में स्नान करने से तात्पर्य शरीर के भीगने से नहीं बल्कि बात तो भीतर से भीगने की है। हम अक्सर भीतर से भागते रहते हैं। हम अपने जीवन में जो भी अगर-मगर की संस्कृतियों का संस्कार है, उसे संगम की डुबकी में ही डुबो दें। कुंभ संयम की यात्रा है और संयम ही संगम है।

स्वामी चिदानंद ने कहा कि संगम ही विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। संगम से ही समृद्धि है, शांति है और सौहार्द है। एकता और सहयोग से किसी भी समस्या का समाधान संभव है। कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे हमारे यहां एक कहावत है। यदि हम नियमों, नैतिकता और आदर्शों के साथ जीवन जीते हैं तो यह न केवल हमारी व्यक्तिगत सफलता की कुंजी है, बल्कि समाज और विश्व के विकास में भी योगदान प्रदान करती है। एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करें। केवल हाथ ही नहीं, दिल भी मिलाएं। यही संदेश लेकर इस दिव्य धरती से अपने गंतव्य की ओर लौटें।

उन्होंने कहा, तीर्थराज प्रयाग, संगम, समागम, शांति, शक्ति और भक्ति की भूमि है। संगम, शास्त्र व साहित्य की धरती है। प्रयागराज का संगम केवल भौतिक जल का नहीं है, बल्कि यह शास्त्र और साहित्य की भी भूमि है। यहां के इतिहास और संस्कृति में वेद, उपनिषद, और पुराणों की गूढ़ताएं छिपी हैं। प्रयागराज समागम की भूमि है, जो एकता और भाईचारे का संदेश देती है। सनातन बोर्ड और वक्फ बोर्ड के मसले पर स्वामी ने कहा, हम सबके आदर-सम्मान के पक्ष में हैं। भारत भूमि पर रहने वाले सभी भारत की संतानें हैं। सब भारत का जल, वायु और प्राकृतिक संसाधनों का बराबर उपयोग करते हैं तो भेद कैसा? इसलिए जो भी हो, संविधान के दायरे में हो। जहां सब समान हों, सबका सम्मान हो, यही तो है देश के संविधान की धारणा। जब बात शरिया की उठती है तो मैं कहना चाहूंगा कि मुझे तो लगता है घरों में शरिया, सड़कों पर शराफत और दिलों में देश में संविधान होना चाहिए।

मौनी अमावस्या स्नान पर हुई भगदड़ पर उन्होंने कहा, सरकार और प्रशासन दोनों ही प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री स्वयं इस पर दृष्टि रखे हुए हैं। जांच के आदेश दिए हैं। सत्य सबके सामने होगा। जो श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाने आए थे, वह इस हादसे के शिकार हुए, उसका हमें गहरा दुख है। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपनों को खो दिया। मेरा एक ही निवेदन है हम सभी संगम के तट पर आए हैं। आस्था की डुबकी के साथ एक ही संकल्प लें कि इस देश का संगम बना रहे। मोदी और योगी के बारे में पूछने पर स्वामी चिदानंद ने कहा, पिता, सदैव पिता होता है। पिता के पास जो अनुभव है वह पुत्र को पिता बनने पर ही आ सकता है।

पिता संग महाकुंभ पहुंची मशहूर खिलाड़ी साइना नेहवाल

यह दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक उत्सव: साइना

महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 के पावन अवसर पर देश-विदेश से श्रद्धालु संगम में स्नान के लिए उमड़ रहे हैं। इसी क्रम में भारत की स्टार शटलर और पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल भी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए बुधवार को अपने पिता के साथ महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है और वह खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें यहां आने का अवसर मिला।

साइना ने कहा, इस पवित्र आयोजन का हिस्सा बनकर विशेष अनुभव हो रहा है।

मैं उत्तर प्रदेश सरकार को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देती हूं। उम्मीद है कि ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आएंगे और इसे विश्वभर में प्रसिद्ध बनाएंगे। साइना ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि सभी लोग एकजुट हुए और दिखाया कि हम कितने मजबूत हैं।

मुझे गर्व है कि यह उत्सव हमारे देश में हो रहा है। साइना नेहवाल ने देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं और कहा कि आध्यात्मिक आयोजन हमें ऊर्जा और सकारात्मकता से भरते हैं। साइना नेहवाल ने देश के विकास के लिए प्रार्थना करते हुए कहा, मैं प्रार्थना करती हूं कि हमारा राष्ट्र और अधिक प्रगति करे और उन्नति के नए आयाम छूए।

महाकुंभ आए वाल्मीकि संत भी हुए योगी के मुरीद

महाकुंभ में साकार हो रहा एकता के महाकुंभ का योगी संकल्प

फमहाकुंभनगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में सभी संप्रदायों की भागीदारी देखने को मिल रही है, जो सीएम योगी के एकता के महाकुंभ को साकार कर रहा है। इसी क्रम में संतों ने वाल्मीकि समाज से जुड़े संत भी इस भव्य महाकुंभ का श्रेय योगी सरकार को दे रहे हैं। खासतौर पर सीएम योगी के प्रयासों से प्रयागराज में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा स्थापित किए जाने से समाज के संत खुद को सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। अखिल भारतीय महर्षि वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने कहा है कि योगी हमारे गुरु भाई हैं। सर्व समाज के विकास के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। वाल्मीकि और रैदासी संत योगी के मुरीद हैं। उन्होंने योगी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि महाकुंभ की दिव्यता और भव्यता के लिए उत्तर प्रदेश सरकार का योगदान अतुलनीय है।

अखिल भारतीय महर्षि वाल्मीकि साधु अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महामंडलेश्वर बाल योगी स्वामी प्रगट नाथ महाराज (पंजाब) के सानिध्य में महाकुंभ में विशेष यज्ञ और हवन कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें देश-विदेश से आए संतों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। स्वामी प्रगट नाथ महाराज ने बताया कि भगवान वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इटली, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी वाल्मीकि समाज की गहरी जड़ें हैं। इन देशों में भगवान वाल्मीकि के मंदिर स्थापित किए गए हैं। जहां नियमित रूप से रामायण पाठ, भजन-सत्संग और लंगर का आयोजन होता है।

स्वामी जी ने बताया कि इटली में पिछले 12 वर्षों से भगवान राम और वाल्मीकि रामायण पर गहन शोध कार्य चल रहा है। कई विदेशी विद्वान प्राचीन रामायण की पांडुलिपियों और भगवान राम के जीवन पर विस्तृत अध्ययन कर रहे हैं। विशेष रूप से इटली में रविदास समाज और वाल्मीकि समाज के लोग मिल-जुलकर भारतीय संस्कृति को जीवंत बनाए हुए हैं। महामंडलेश्वर ने वाल्मीकि समाज के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों को लेकर कहा कि इंग्लैंड में 1920 में वाल्मीकि ज्ञान आश्रम की स्थापना के बाद से ही समाज को जागरूक करने के कार्य निरंतर जारी हैं। कनाडा के टोरंटो में पिछले वर्ष एक नया वाल्मीकि मंदिर स्थापित किया गया है। इसके अलावा दुबई तथा कुवैत में भी ऐसे मंदिरों की स्थापना की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रयागराज, अयोध्या समेत कई जिलों में भगवान वाल्मीकि की मूर्ति स्थापना और अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट के लिए संतों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। स्वामी प्रगट नाथ महाराज ने कहा कि योगी ने न केवल भगवान राम के मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है बल्कि वंचित समाज के उत्थान के लिए भी अनेक सराहनीय कदम उठाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वाल्मीकि समाज को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सरकार बेहतर काम कर रही है। इसके लिए अभी और अधिक प्रयास करने चाहिए, ताकि समाज के लोग मुख्यधारा में शामिल होकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकें।

महाकुंभ के इस पावन अवसर पर महामंडलेश्वर ने कहा कि गंगा मैया तो सभी की माता हैं।

जया बच्चन पर फूटा आचार्य प्रमोद का गुस्सा

अमिताभ भी दुखी और अब सनातन भी दुखी

लखनऊ, 05 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में भगदड़ को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद अभिनेत्री जया बच्चन की संसद में बेजा टिप्पणी की जमकर आलोचना हो रही है। इस मामले में अब आचार्य प्रमोद कृष्णम का गुस्सा जया बच्चन पर फूटा है। उन्होंने जया बच्चन को खूब खरी-खरी सुनाई। जया बच्चन ने संसद में कहा था कि महाकुंभ भगदड़ के दौरान मारे गए लोगों के शव नदी में फेंके गए। इस पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जया बच्चन से अभी तक अमिताभ बच्चन दुखी थे और अब वे ऐसी हरकतें कर रही हैं कि उनसे पूरा सनातन दुखी हो जाए। प्रमोद कृष्णम ने कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि जया बच्चन को सद्बुद्धि प्राप्त हो और वे एक अच्छे सनातनी की तरह व्यवहार करें, न कि नास्तिक और मूढ़ वामपंथी की तरह।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान और पवित्र गंगा उन्हें सद्बुद्धि दें और धर्म में उनकी आस्था और गहरी हो। जिस तरह से वे एक अच्छी अभिनेत्री रही हैं, उसी तरह उन्हें सनातन धर्म की भी अच्छी सदस्य बनना चाहिए।

एकता के महाकुंभ संकल्प का कबीरपंथी भी कर रहे समर्थन

जीवन से दुर्व्यसन और बुराई का त्याग ही गंगा स्नान है: धर्मेंद्र दास

महाकुंभ नगर, 05 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक सम्मेलन महाकुंभ में भारत की सनातन आस्था से जुड़े हुए सभी मत, पंथ और संप्रदाय को मानने वाले प्रयाग में संगम तट पर एकत्रित होते हैं। जिनके ज्ञान, भक्ति और वैराग्य की त्रिवेणी में सत्संग कर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु जीवन के वास्तविक अमृत का पान करते हैं। ज्ञान, भक्ति और वैराग्य की इस त्रिवेणी में कबीर पंथ के पारख संस्थान के धर्मेंद्र दास जी संत कबीर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने महाकुंभ में आए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एकता के महाकुंभ के संकल्प का समर्थन करते हुए उनका कहना है समाज में समता, एकता और मानवता के मूल्यों को स्थापित करना ही संत कबीर के जीवन दर्शन का मूल है।

महाकुंभ और गंगा स्नान के बारे में बताते हुए धर्मेंद्र दास जी का कहना है कि संत कबीर ने स्वयं गंगा तट पर काशी में जीवन व्यतीत किया। वो गंगा स्नान को तन से अधिक मन को पवित्र करने वाला मानते थे। उन्होंने बताया कि कबीर साहब ने अपनी एक साखी में गंगा जल को सबसे पावन और निर्मल मानते हुए, मानव मन को गंगा जल के समान निर्मल बनाने को ही ईश्वर प्राप्ति का सच्चा मार्ग बताया। धर्मेंद्र दास जी ने बताया कि कबीर साहेब कहते हैं कि अगर मानव मन में जो बैर भाव, कलुष, राग-द्वेष भरा हो उसे दूर कर, मन को गंगा जल के समान पवित्र और निर्मल बना ले तो हरि यानि ईश्वर स्वयं उसकी परवाह करने लगता है। उन्होंने बताया कि कबीर साहेब ने ईश्वर प्राप्ति का सबसे सरल और सच्चा मार्ग बताया है मन को निर्मल करना क्योकि ईश्वर का वास हमारे मन में ही है जब वो मन राग, द्वेष से मुक्त होता है तो मानव को स्वंय ईश्वर का साक्षात्कार हो जाता है। अन्यथा बार-बार गंगा स्नान को लेकर कबीर दास तीखा प्रहार करते हुए कहते हैं कि नहाये धोये क्या हुआ, जो मन मैल न जाए। मीन सदा जल में रहे, धोये बास न जाए।

धर्मेंद्र दास जी बताते हैं कि कबीर साहेब पाखण्ड का विरोध करते हैं और मन की सच्चाई पर जोर देते हुए कहते हैं कि आप कितना भी नहा लीजिए, लेकिन अगर मन का मैल दूर नहीं हुआ तो एसे नहाने का कोई लाभ नहीं। जैसे मछली हमेशा पानी में रहती है लेकिन फिर भी वो साफ़ नहीं होती, मछली से उसकी दुर्गंध और बदबू नहीं जाती है। धर्मेंद्र दास जी ने कहा कि गंगा स्नान कर हमें अपने मन को निर्मल बनाना चाहिए। गंगा स्नान कर हम अपने जीवन से कम से कम कोई एक दुर्व्यसन या बुराई का त्याग करें तो यही वास्तविक मोक्ष की ओर हमें ले जाएगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान, वैराग्य और भक्ति की त्रिवेणी में निर्मल मन से स्नान करना ही मानव जीवन का वास्तविक मोक्ष है।

महाकुंभ या प्रयागराज में कबीर दास के आगमन के बारे में बताते हुए धर्मेंद्र दास जी ने बताया कि कबीर दास जी के महाकुंभ में सम्मिलित होने का कोई प्रसंग तो नहीं मिलता पर प्रयाग के झूंसी में उनके आने के बारे में कुछ जिक्र मिलता है। उन्होंने उस काल में झूंसी में कुछ मुस्लिम संतों के पीरों की कब्र या मजार की पूजा का विरोध किया था। कबीर साहब सभी धर्मों में व्याप्त आडम्बर और पाखण्ड का विरोध करते थे। धर्मेंद्र दास जी ने कहा कि कबीर साहेब सभी मानवों में प्रेम, सहिष्णुता, बंधुत्व और एकता की बात करते थे। वो मानव मानव में विभेद करने वाले सभी समाजिक विकारों जाति, पंथ, संप्रदायवाद का विरोध करते थे। उनका कहना था कि हमें अपना संपूर्ण जीवन मानवता के उत्थान के प्रति समर्पित कर देना चाहिए।

संपादकीय

दिल्ली में घुसपैठिए वोटर

क्या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विधानसभा चुनाव में 20 लाख से अधिक घुसपैठिए मतदान करेंगे? क्या देश की राजधानी में इतने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं? यदि हैं, तो राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का दोषी और जवाबदेह कौन है? क्या लाखों अवैध शरणार्थियों को, सिर्फ चुनाव के मद्देनजर, राजनीतिक संरक्षण दिया जाना संभव है? क्या भारत सरकार और सीमाओं पर तैनात सुरक्षा बलों ने आंखें मूंद रखी हैं? ऐसे कई सवाल बेहद संवेदनशील हैं। दिल्ली को घुसपैठियों की धर्मशाला नहीं बनाया जा सकता। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 114 पन्नों की जो शोध-रपट जारी की है, बेशक उसे पूर्ण सत्य न माना जाए, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा तो पुराना है। इस रपट को नकारा भी नहीं जा सकता, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। चुनाव आयोग ने सभी दृष्टिकोण से सुनिश्चित करने और क्रॉस चेकिंग के बाद जो अंतिम मतदाता-सूची तैयार की है, क्या उसमें करीब 20 लाख घुसपैठियों के नाम भी दर्ज हैं? इस अवैध मतदान से न केवल हमारी चुनाव-प्रणाली प्रभावित होगी, बल्कि दिल्ली की जनसंख्या के समीकरण भी बदल रहे हैं। यहां की 84 फीसदी हिंदू आबादी घट कर 81.7 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 5.7 फीसदी थी, जो बढ़कर करीब 13 फीसदी हो गई है। यह खतरनाक बदलाव है। सवाल यह है कि घुसपैठिए मतदाता बने, उन्हें सभी सरकारी संसाधन और सुविधाएं भी हासिल हैं, उनके पास मतदाता पहचान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि सरकारी, वैध दस्तावेज भी हैं, तो उनकी छंटनी कर कैसे साबित किया जा सकता है कि वे अवैध घुसपैठिए हैं? वे बांग्लादेश, म्यांमार सरीखे पड़ोसी देशों से भारत में घुसे हैं? रपट में खुलासा किया गया है कि राजधानी दिल्ली में 20 लाख से अधिक घुसपैठिए मौजूद हैं और वे किन इलाकों में रहते हैं। पुलिस ने अधिकतर चेहरे चिह्नित भी कर रखे हैं। उन्हें उनके देश वापस भेजने का फैसला भी हो चुका है, लेकिन डिपोर्ट करने के 70 फीसदी मामले आज भी लंबित पड़े हैं, क्योंकि घुसपैठियों के मूल देश उन्हें अपने नागरिक मानने को तैयार नहीं हैं। यही नहीं, पुलिस को भी इनके इलाकों में जाने से रोका गया है। क्या घुसपैठिए इतना बड़ा खतरा हैं अथवा राजनीतिक संरक्षण के तहत ऐसा किया गया है? करीब 45 फीसदी घुसपैठिए झुग्गियों में रहते हैं। वहां उन्हें मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा सरीखी सरकारी सुविधाएं हासिल हैं। जिन इलाकों में घुसपैठिए रहते हैं, वहां आसपास के स्कूलों में 20-30 फीसदी बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। ये घुसपैठिए, असंगठित क्षेत्रों में काम या मजदूरी करते हैं और कम वेतन या दिहाड़ी पर भी काम करने को तैयार रहते हैं, लिहाजा कारोबारी उन्हें काम पर रखने को प्राथमिकता देते हैं और श्रम के कोई भी दस्तावेज नहीं देने पड़ते हैं। भाजपा ने इसे भी मुद्दा बनाया है कि जो काम पूर्वांचल या अन्य क्षेत्रों के लोगों को मिलने चाहिए थे, वे कम पैसे के कारण घुसपैठियों को मिल रहे हैं। यह भी बेरोजगारी का बड़ा कारण है। रपट में बताया गया है कि वैध दस्तावेज बनाने का भी एक गिरोह सक्रिय है, जो स्थानीय नेताओं के इशारे पर इन घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज तैयार करता है। बदले में ये अवैध अप्रवासी उन नेताओं को चुनाव में वोट देते हैं। किसी भी स्तर पर घुसपैठ स्वीकार्य न हो।

> दिल्ली को घुसपैठियों की धर्मशाला नहीं बनाया जा सकता। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 114 पन्नों की जो शोध-रपट जारी की है, बेशक उसे पूर्ण सत्य न माना जाए, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा तो पुराना है। इस रपट को नकारा भी नहीं जा सकता, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। चुनाव आयोग ने सभी दृष्टिकोण से सुनिश्चित करने और क्रॉस चेकिंग के बाद जो अंतिम मतदाता-सूची तैयार की है, क्या उसमें करीब 20 लाख घुसपैठियों के नाम भी दर्ज हैं? इस अवैध मतदान से न केवल हमारी चुनाव-प्रणाली प्रभावित होगी, बल्कि दिल्ली की जनसंख्या के समीकरण भी बदल रहे हैं। यहां की 84 फीसदी हिंदू आबादी घट कर 81.7 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 5.7 फीसदी थी, जो बढ़कर करीब 13 फीसदी हो गई है। यह खतरनाक बदलाव है। सवाल यह है कि घुसपैठिए मतदाता बने, उन्हें सभी सरकारी संसाधन और सुविधाएं भी हासिल हैं, उनके पास मतदाता पहचान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड आदि सरकारी, वैध दस्तावेज भी हैं, तो उनकी छंटनी कर कैसे साबित किया जा सकता है कि वे अवैध घुसपैठिए हैं? वे बांग्लादेश, म्यांमार सरीखे पड़ोसी देशों से भारत में घुसे हैं?

विपक्षी दल इस घटना को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार को घेर रहे हैं

कुंभ भगदड़ पर शर्मनाक राजनीति

राजेश कुमार पासी

> उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इसी को देखते हुए इस आयोजन की जबरदस्त तैयारी की थी। लगभग 25 दिनों से कुंभ चल रहा है और यहां आने वाले श्रद्धालु इस आयोजन की जबरदस्त तारीफ कर रहे हैं। सरकार द्वारा किये गये इंतजामों से बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। मौनी अमावस्या के दिन सबसे बड़ा अमृत स्नान था जिसमें लगभग 12 करोड़ लोगों ने स्नान किया। इस दिन एक भगदड़ में दर्जनों लोगों के घायल होने के अलावा 30 लोगों की जान चली गई। एक छोटे शहर के कुछ हिस्से में 10 करोड़ लोग इकट्ठे हो, इसलिए अगर वहां भगदड़ मच गई तो ये स्वाभाविक सी घटना है लेकिन यह नहीं होना चाहिए था।

12 साल में आयोजित होने वाले कुंभ का भारतीय धर्म और संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। इस बार का कुंभ तो 12 कुंभों के बाद होने वाला महाकुंभ है, इसलिए इसका विशेष महत्व है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इसी को देखते हुए इस आयोजन की जबरदस्त तैयारी की थी। लगभग 25 दिनों से कुंभ चल रहा है और यहां आने वाले श्रद्धालु इस आयोजन की जबरदस्त तारीफ कर रहे हैं। सरकार द्वारा किये गये इंतजामों से बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। मौनी अमावस्या के दिन सबसे बड़ा अमृत स्नान था जिसमें लगभग 12 करोड़ लोगों ने स्नान किया। इस दिन एक भगदड़ में दर्जनों लोगों के घायल होने के अलावा 30 लोगों की जान चली गई। एक छोटे शहर के कुछ हिस्से में 10 करोड़ लोग इकट्ठे थे, इसलिए अगर वहां भगदड़ मच गई तो ये स्वाभाविक सी घटना है लेकिन यह नहीं होना चाहिए था। इस भगदड़ के कारण सरकार के इंतजामों पर सवाल खड़ा हो गया है। यह सवाल इसलिए खड़ा हो गया है क्योंकि सरकार को पता था कि इस दिन इतने लोग वहां आ सकते हैं। सरकार को पता था इसलिए सरकार ने इंतजाम भी किये थे। भगदड़ होने का मतलब है कि सरकार के इंतजामों में कहीं कोई कमी थी। विपक्ष को यह अधिकार है कि वो इस सम्बन्ध में सरकार से सवाल करें और लोकतंत्र में ऐसा होता भी है। विपक्षी दल इस घटना को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार को घेर रहे हैं। संसद में भी यह मामला उठाया गया है। लोकतंत्र में यह एक सामान्य बात है कि ऐसी घटनाओं पर विपक्ष सरकार से सवाल-जवाब करे लेकिन विपक्ष इस मामले में जैसी राजनीति कर रहा है, वो बहुत ही शर्मनाक है। 29 जनवरी को इस मामले पर विपक्ष ने संसद में जबरदस्त हंगामा किया और सरकार पर आंकड़ों को छिपाने का आरोप लगाया। देखा जाये तो यह आरोप भी ज्यादातर विपक्ष ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर सरकार पर लगाया करता है लेकिन जैसा आरोप लगाया गया है, वो बेहद आपत्तिजनक है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद में कहा कि 29 जनवरी को महाकुंभ में हुई भगदड़ में मारे गये हजारों लोगों को मेरी श्रद्धांजलि है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें बयान वापिस लेने को कहा तो उन्होंने कहा कि यह मेरा अनुमान है। अगर आंकड़े सही नहीं है तो सरकार को बताना चाहिए। इसके अलावा लोकसभा में भी विपक्ष ने जबरदस्त हंगामा किया और सरकार को कहा कि वो कुंभ में हुई मौतों का आंकड़ा जारी करे। समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने कहा है कि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि भगदड़ में हजारों लोग मारे गये हैं। उनका कहना है कि लोगों को दफना दिया गया है, जो लोगों को बाद में मिलेंगे। उन्होंने कहा है कि हिन्दुओं को दबा दिया गया है। समाजवादी पार्टी की नेता और सांसद जया बच्चन ने कहा है कि इस मेले में गंगा का पानी सबसे दूषित है क्योंकि भगदड़ में मारे गये लोगों के शव नदी में फेंक दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि कुंभ में करोड़ों लोग आ ही नहीं सकते, सरकार झूठ बोल रही है। उनका कहना है कि इतने लोग एक जगह कैसे इकट्ठा हो सकते हैं। यही बात समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कही थी कि सभी रेलगाड़ियां खाली आ रही हैं, सरकार झूठ बोल रही है कि कुंभ में इतने लोग आ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री योगी पर तंज कसा है कि जो सच छुपाये वो योगी नहीं हो सकता। आरजेडी नेता मनोज झा ने कहा है कि कुंभ में ट्रक भरकर मोबाइल मिले हैं, इनके मालिक कहां है। इसके अलावा कई नेता ऐसी ही बातें कर रहे हैं और सरकार को सच बताने को कह रहे हैं। सोशल मीडिया में विपक्षी समर्थक अपने नेताओं की बातों को आगे बढ़ा रहे हैं। यह अफवाह फैलाई जा रही है कि कुंभ में हजारों लोग मर गये हैं। दूसरी तरफ सरकार ने घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन कर दिया है, जो मामले की जांच करके बता देगा कि सरकार की कहां कमी रही और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इसके अलावा योगी सरकार ने मामले की जांच के लिए एसटीएफ का भी गठन किया है क्योंकि सरकार को घटना में साजिश की बू आ रही है। कहा जा रहा है कि घटनास्थल पर घटना के समय 16000 सक्रिय मोबाइल फोन बंद हो गये है। घटनास्थल पर मौजूद इतने मोबाइल फोनों का अचानक बंद हो जाना सरकार को एक साजिश लगता है। इसके अलावा प्रत्यक्षदर्शियों ने बयान दिया है कि घटना से पहले वहां बसों में भरकर युवा आये थे और वो हुड़दंग कर रहे थे। कहा जा रहा है कि घटना इन लोगों के हुड़दंग के कारण ही हुई। मामले को सरकार ने गंभीरता से लिया है क्योंकि यह राज्य सरकार की प्रतिष्ठा का सवाल है। योगी सरकार कई महीनों से इस आयोजन की तैयारी कर रही थी और दुर्घटना से पहले आयोजन सफलतापूर्वक चल रहा था और घटना के बाद भी चल रहा है। मेरा मानना है कि जल्दी ही सरकार देश के सामने सच्चाई पेश कर देगी। आज हर हाथ में मोबाइल है और इसके अलावा घटनास्थल पर मौजूद सीसीटीवी भी अपराधियों को सामने लाने की सरकार की मदद करेंगे। आप सोचिए कि जब हर हाथ में मोबाइल है तो किसी भी सरकार के लिए लोगों की मौत छुपाना कैसे संभव हो सकता है। पूरी दुनिया में इतना बड़ा आयोजन नहीं होता है, इसलिए पुलिस और प्रशासन इस आयोजन को करने के लिए प्रशंसा के पात्र हैं। इसके बावजूद भगदड़ में हुई मौतों के लिए जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिये लेकिन महीनों से दिन-रात काम कर रहे पुलिस और प्रशासन के लोगों की मेहनत पर पानी फेरना ठीक नहीं है। खड़गे और अन्य विपक्षी नेता कह रहे हैं कि हजारों लोगों की मौत हो गई है तो सवाल उठता है कि उनकी लाशें कहाँ गयीं। वैसे देखा जाए तो इसका भी जवाब उन्होंने खुद दे दिया है। राजद नेता मनोज झा कह रहे हैं कि उनको दफना दिया गया है और जया बच्चन कह रही हैं कि लाशों को सीधा गंगा नदी में बहा दिया गया इसलिये गंगा प्रदूषित हो गई है। ऐसा लगता है कि विपक्ष ने लाशों को ठिकाने लगाने के बारे में बयान देने से पहले आपस में बात नहीं की है। सरकार को घेरने का अच्छा तरीका तो यह था कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की फौज गंगा नदी में उतरकर लाशों को बाहर निकाल देती और देश के सामने पूरी सच्चाई आ जाती। दूसरी तरफ राजद के कार्यकर्ता गंगा नदी किनारे दबाए गए लोगों को निकाल कर जनता के सामने ला सकते थे। खड़गे पहले कह रहे हैं कि हजारों लोग मारे गए हैं, उनकी पार्टी को इसमें मदद कर सकती थी। विपक्षी नेताओं की बुद्धि कहाँ चली गई है जो ऐसे अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। अगर उन्हें अपनी बात सिद्ध करनी है तो हजारों नहीं तो कुछ लोगों के शव तो ढूंढ ही सकते थे।

दृष्टि कोण

प्रशासन और प्रदेश का आम जनमानस

प्रदेश के आम जनमानस के समग्र उत्थान के लिए वर्तमान प्रदेश सरकार की शासन व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री का दो वर्ष का कार्यकाल विभिन्न राजनीतिक एवं प्रशासनिक कारणों से देश व प्रदेश में चर्चा का विषय रहा है। प्रदेश में राजस्व, शिक्षा, विद्युत, स्वास्थ्य जैसे मूल विभागों में विकासात्मक एवं सुधारात्मक प्रयोग एवं प्रयास, भविष्य में प्रदेश के विकास की गाथा में अवश्य ही अपनी अमिट छाप छोडने में सफल होंगे। विगत दो वर्षों की आर्थिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक अस्थिरता या उथल-पुथल वाली परिस्थितियों के समक्ष प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अत्यधिक सुदृढ़ होकर उभरी है, जिसमें विगत वर्ष अवसरवादिता से प्रेरित राजनीतिक घटनाक्रम में कांग्रेस के छह विधायकों व तीन निर्दलीय विधायकों का प्रदेश सरकार के विरुद्ध विद्रोह प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में अविस्मरणीय घटना के रूप में दर्ज हो चुका है। इसके उपरांत वर्तमान मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की दयनीय वित्तीय स्थिति, प्रशासनिक शिथिलता, प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार, विभिन्न विभागों में कार्य संस्कृति के अभाव से निपटने के सार्थक प्रयासों में अधिक स्पष्टता एवं दृढ़ता प्रकट हो रही है। इन सुधारात्मक कार्यों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभाव प्रदेश के आम जनमानस के दैनिक प्रशासनिक कार्यों में परिलक्षित होगा। देश व प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था आम नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षणकर्ता के रूप में कार्य करती है, परंतु वर्तमान परिस्तिथियों में यह भ्रष्टाचारी कारकों के संरक्षण प्रदान करने तक ही सीमित है। प्रदेश के उज्ज्वल एवं सुरक्षित भविष्य के दृष्टिगत, अल्पकालिक ही नहीं अपितु दीर्घकालिक आवश्यकताओं की संभावना को समक्ष रखते हुए, सरकार का आदर्श वाक्य 'व्यवस्था परिवर्तन' की व्यापकता को समक्ष रखते हुए, प्रदेश सरकार का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश के आम जनमानस की प्रशासनिक, सामाजिक एवं राजनीतिक आकांक्षाओं की पूर्ति करना है। परंतु प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता एवं नैतिकता जैसे कारकों का अभाव होने के परिणामस्वरूप, प्रदेश सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के मूल उद्देश्य की प्राप्ति में उपरोक्त कारकों का अभाव अवरोधक के रूप में कार्य कर रहा है। प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में इन तत्वों का अभाव दीर्घकालिक है, जिससे वर्तमान सरकार के लिए, इनका समाधान भी जटिल है। निःसंदेह दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे कारकों के परिणामस्वरूप वर्तमान सरकार इन परिस्थितियों से उबर सकती है या सफल हो सकती है। प्रदेशवासियों के समक्ष प्रशासनिक अकर्मण्यता एवं भ्रष्टाचार के अनेक ऐसे प्रत्यक्ष प्रमाण हैं, जिससे प्रदेश का आम नागरिक अत्यंत त्रस्त है। राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली सदैव ही संदेहास्पद एवं पक्षपातपूर्ण होने के कारण, आम नागरिक मानसिक एवं आर्थिक प्रताडऩा से त्रस्त है। प्रदेश सरकार इस दिशा में तत्परता के साथ कार्य भी कर रही है, परंतु इस विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों की भ्रष्ट प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना, प्रदेश सरकार के समक्ष सबसे बड़ी समस्या एवं चुनौती है। व्यवस्था परिवर्तन के लिए प्रशासनिक व्यवस्था की इच्छा शक्ति, संकल्पशक्ति एवं संसाधनशीलता की परम आवश्यकता है। अपने संवैधानिक कत्र्तव्यों के प्रति प्रशासनिक व्यवस्था एवं जनप्रतिनिधियों को सजगता, निष्ठा एवं तत्परता के साथ कार्य करने की चेष्टा करनी होगी। अपर्याप्त प्रशासनिक एवं राजनीतिक भागीदारी के कारण अधिकांश प्रदेशवासी व्यवस्थागत हिस्सेदारी से वंचित हैं, जो कि प्रदेश में व्याप्त भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार का मुख्य आधार भी है। प्रशासनिक कार्यों में यदि आम जनमानस का परोक्ष हस्तक्षेप हो तो निश्चित रूप प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सकता है। इस दिशा में प्रदेश सरकार की शिकायत निवारण हेतु, मुख्यमंत्री संकल्प योजना जैसे मंच के माध्यम से भ्रष्ट एवं पक्षपाती व्यवस्था से पीड़ित प्रदेश वासी प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं। इस संकल्प योजना से मिलने वाले न्यायपूर्ण एवं सार्थक परिणामों से पीड़ित पक्ष सुरक्षित महसूस करते हैं। परंतु विडंबना यह है कि प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था अपनी अकर्मण्यातापूर्ण एवं शिथिल कार्यसंस्कृति के कारण पीड़ित पक्ष को न्याय प्रदान करने में विफल प्रतीत हो रही है। इस संकल्प योजना की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं तत्परता से निर्णय करने की क्षमता, पीड़ित पक्ष की सरकार के साथ अपनी समस्या की प्रत्यक्ष भागीदारी को सुनिश्चित करती है, परंतु इसमें वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सुधार की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश जन शिकायतों में सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को ही प्रताड़ित किया जाता है। बिना निष्पक्ष जांच के, मामलों को समाप्त कर दिया जाता है, जोकि इस योजना के मूल मंतव्य के विपरीत है।

कुछ अलग

चोर जी का सुल्फिया बयान

देवियो और सज्जनो! मैं वह चोर हूं जिसका कोई धर्म नहीं होता, जिसकी कोई जात नहीं होती। वह हर धर्म का होता है, हर जात का होता है। अपने पूरे जोशो जवास में गर्व से स्वीकारता हूं कि मैं वही चोर हूं! समाज के एक से एक हाई लेबल आदरणियों को अपने को चोर कहने में आपत्ति हो तो होती रहे, पर मुझे अपने को अपने द्वारा चोर कहने में रंच भर आपत्ति नहीं। जैसे किसी को अपने को जेंटलमैन कहलवाने पर गर्व होता है, वैसे ही मुझे अपने को चोर कहलवाने पर गर्व होता है। सच कहूं तो समाज को बचाने, चलाने की जिम्मेदारी इन तथाकथित जेंटलमैंनों से अधिक चोरों के कंधों पर होती है। कारण, चोर के भीतर एक जेंटलमैन छिपा हो या न, पर एक थर्ड से थर्ड क्लास जेंटलमैन के भीतर एक चोर जरूर बसा होता है। चोरी करना कोई बुरी बात नहीं। ईमानदार से ईमानदार करते हैं। पर बुरी बात तब होती है जब चोरी करने के बाद भी अपनी चोरी को हम दूसरों के मत्थे मढ़ते हैं खुद को ईमानदार दिखाए रखने के लिए। मैं उनकी तरह नहीं जो कदम कदम पर अपने से छुपकर शिद्दत से चोरी करते हैं और ऊपर से अपनी छाती पर ईमानदारी के तमगे लगाए फिरते हैं। चेहरे पर सेहरे लगाकर चोरों के समाज में जीना मुझे कतई पसंद नहीं। भाई साहब! मैं इनकी उनकी तरह नहीं जो समाज में नंबर वन चोरियां करके अपने को कोर्ट कचहरियों में पाकसाफ घोषित करवाने को एड़ी चोटी का जोर लगाए रहते हैं। मुझसे बड़े चोर चोर होने के बाद भी भले ही वे कोर्ट कचहरियों से अपने पाकसाफ के कागज हवा में लहराते इज्जतदार बने फिरते रहें तो फिरते रहें। मैं तो चोर होने में ही खुश हूं। क्योंकि मुझे पता है कि मैं चोर हूं, सो मैं अपने को कानून को घुमा फिरा बेवजह सज्जन घोषित करवाने की कभी कोशिश नहीं करता। मैं तो इस सोच का प्रेक्टिकल चोर हूं कि चोरी करने के बाद पकड़े जाने पर जितना समय कोर्ट कचहरियों में अपने को बेचोर साबित करवाने में जाया किया जाए, उतना अपने चोरी के धंधे को और परिष्कृत करने में लगाया जाए ताकि चोरी करने में और महारत हासिल हो सके। जनाब! भगवान कण कण में व्याप्त हों या न, पर मैं कण कण में व्याप्त हूं। मैं घर घर में हूं। मैं सरकार सरकार में हूं। मैं दफ्तरों दफ्तरों में हूं। मैं कत्र्तव्यनिष्ठ से कत्र्तव्यनिष्ठ अफसरों अफसरों में हूं। कहीं मैं ए क्लास ऑनेस्ट ठेकदार बनकर चोरी करता हूं तो कहीं चौकीदार बनकर चोरी करता हूं। कहीं मैं ऑफिस से पर्दे चुराकर ले जाता हूं तो कहीं मैं ऑफिस से चेयर मेज चुराकर ले जाता हूं। कहीं मैं सरकारी सरिया सीमेंट चुराकर ले जाता हूं तो कहीं मैं ऑफिस से ऑफिस ही चुराकर ले जाता हूं। कहीं मैं जनता का बजट चुराता हूं तो कहीं मैं देश को चुराता हूं। घर से लेकर संसद तक जितने भी माननीय, सम्माननीय पद हैं, उन सब पर मैं शान से बैठा हूं। हर स्टोर में अजगर बन लेटा हूं।डांट माइंड! मैं जानता हूं या फिर मेरा खुदा! मेरी वजह से पता नहीं कितनों को रोजगार मिला है। मेरी वजह से पता नहीं कितनों का चेहरा कमल सा खिला है। मैं रोजगारदाता हूं। मैं नकाबपोश ईमानदारों का भाग्यविधाता हूं। डांट माइंड! मेरी वजह से ही ईमानदारी का बाजार चलता है। मेरी वजह से ही बड़ों बड़ों का अवैध कारोबार चलता है। मेरी वजह से ही आदमी अपना ईमान बदलता है। इतना सब होने के बावजूद हमें समाज में सम्मान की नजरों से क्यों नहीं देखा जाता रे मेरे प्रभु!

देश दुनिया से

अत्यंत वृहद है महाकुंभ का मर्म

कुंभ का शब्दार्थ है- घड़ा अर्थात कलश। कुंभ का जीवनार्थ है- काया व मन को पंचतत्त्वों के प्रत्यक्ष स्पर्श में लाकर आत्मसाधना की ओर अग्रसर होना। कुंभावधि में जल नामक तत्त्व गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर अमृतोन्मुखी हो उठता है। कुंभ के वृहद स्वरूप महाकुंभ में जलतत्त्व के अमृत संपर्क में आकर आत्ममुखी होने का अवसर है महाकुंभी आयोजन। गत तेरह जनवरी से प्रारंभ हुई यह आस्थायात्रा 26 फरवरी 2025 तक चलेगी। अ_ारह पुराणों से होते हुए चार वेदों तथा असंबद्ध रूप में 108 व मुख्यतः 13 उपनिषदों में समाहित पंचांग स्थिति (तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण/नभ, पृथ्वी, वायु, जल तथा अग्नि) द्वारा शुभाशुभ समय के निर्धारण के उपरांत नियत महाकुंभ आयोजन की पौराणिक कथा मूलतः विष्णु पुराण में पुरोल्लिखित हुई थी। इसके अनुसार, महर्षि दुर्वासा के श्राप द्वारा स्वर्ग ऐश्वर्य, धन, वैभव इत्यादि से रहित हो गया था। फलतः इन्द्रादि देवता शक्तिहीन हो गए। सहायतार्थ देवताओं ने भगवान विष्णु की शरणागति की। भगवान ने उन्हें असुरों के साथ मिलकर समुद्र मंथन का उपाय बताया। भगवान ने उन्हें बताया कि मंथन से अमृत प्राप्त होगा, जिसका पान करके वे सभी अमर हो जाएंगे। असुर राजा बलि को देवताओं ने यह युक्ति बताई। वह भी अमरत्व के लोभवश समुद्र मंथन हेतु तैयार हो गया। देवासुरों ने वासुकि नाग की रस्सी बनाकर मंदराचल पर्वत की सहायता से सागर मथना प्रारंभ किया। परिणामस्वरूप एक-एक कर 14 रत्न निकले। इनमें हलाहल विष, कामधेनु गाय, उच्चैःश्रवा अश्व, ऐरावत गज, कौस्तुभ मणि, कल्पवृक्ष, रंभा नामक अप्सरा, देवी लक्ष्मी, वारुणी अर्थात मदिरा, चन्द्रमा, पारिजात वृक्ष, पांचजन्य शंख, भगवान धन्वन्तरि तथा अमृतकुंभ सम्मिलित थे। इसी अमृत का पान करने दानव परस्पर छल-बल करने लगे। इस पारस्परिक संघर्ष में वे अमृतकुंभ लेकर यहां-वहां दौड़े। दौड़ाभागी में कुंभ से अमृत की बूंदें छलककर प्रयागराज, नासिक, उज्जैन एवं हरिद्वार में गिर पड़ीं। जिस क्रम में वे जहां गिरीं, वहीं उस स्थान पर समयक्रमानुसार छह वर्ष में अद्र्धकुंभ एवं बारह वर्षों में एक बार कुंभ का आयोजन होता है। तत्कालीन देवासुरों के विशाल अस्तित्व के अनुरूप सृजित अमृत की बूंदें आज के युग के मानवों हेतु नदी के समान ही हैं। प्रायः 12 वर्ष के समयचक्र में होने वाले कुंभ की समयावधि में बृहस्पति, सूर्य व चंद्रमा एक साथ एक दिशा एक स्थिति में विद्यमान होते हैं, किंतु बृहस्पति जब मकर राशि में तथा सूर्य व चंद्रमा अन्य शुभ स्थानों पर विराजित होते हैं, तब महाकुंभ का धरायण होता है। खगोलीय एवं ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 12 कुंभ घटियों के बाद 144 वर्ष का योग बनता है। इस बार यही संयोग है। कलियुग में एक व्यक्ति की दो पीढियों को ऐसा अवसर नहीं मिल पाता है। जिन व्यक्तियों की आयु इस समय तीस वर्ष से अधिक है, उनमें से अधिसंख्य के दादाओं और पिताओं के जीवनकाल में महाकुंभ की स्थिति उत्पन्न ही नहीं हुई। कुंभ के पौराणिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ असीमित हैं। इन अर्थों को व्यक्तिगत योग चेतना के माध्यम से ही अनुभव किया जा सकता है। कुंभ का मर्म पापमुक्ति एवं मोक्षप्राप्ति से भी गहन है। यदि व्यक्ति के अंदर प्राकृतिक उत्सव में संचित होकर जीवन के प्रति अंतर्दृष्टि खोलने की उत्कट इच्छा है तो उसके लिए महाकुंभ सर्वोत्तम अवसर है। प्रकृति के पंचतत्त्वों में से एक है नीर। प्रत्यक्ष दिखाई देतीं नीरवाहिनी नदियां गंगा, यमुना व अदृश्य रूप में विद्यमान सरस्वती के संगमस्थल के प्रति आस्था, कृतज्ञता एवं सम्मान प्रदर्शित करने का विशाल, भव्य व अद्भुत सम्मेलन संसार में कहां है! इस पावन समय में यह स्थल अलौकिक शोभा एवं सौंदर्य के साथ चमत्कृत है। इस शुभघड़ी में तीनों सरिताओं के अमृतमय नीर द्वारा क्षयमान शरीर को चेतना प्रदान कर, मंगल स्नान कर और निज क्षमता से ध्यान धर कर व्यक्ति के मन में मौन होने, आध्यात्मिक होने का जो विचारबल प्रस्फुटित होता है, वास्तव में वही महाकुंभ का वास्तविक प्रसाद है, जिसे प्राप्त करने करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन माहभर तक प्रयागराज में एकत्र होते रहेंगे। यह विचित्र एवं आश्चर्यचकित करने वाला अनुभव है कि दुनिया के कई देशों की कुल जनसंख्या एक करोड़ भी नहीं है, किंतु महाकुंभ में अब तक इस लेख के लिखे जाने तक पंद्रह करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम वारिप्रवाह में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ विशुद्ध धार्मिक, आध्यात्मिक, प्राकृतिक एवं दार्शनिक आयोजन है। इसमें किसी भी अनावश्यक बाह्य विचार की आवश्यकता है ही नहीं। यह आत्मज्ञान प्राप्ति का प्राकृतिक उत्स है। यह वही अनुभव कर सकता है, जो रिक्त मन से कुंभ का भागीदार बनता है। पूर्वाग्रह से मुक्त होकर तथा उदार हृदय के साथ इस उत्सव का आत्मसाक्षात्कार करने पर निश्चय ही स्वर्गसम अनुभूतियां प्राप्त होती हैं। करोड़ों-करोड़ देशी-विदेशी लोगों की विशुद्ध आस्था को उनके पवित्र आचरण, अप्रतिम हाव-भाव, पंचतत्त्वों के प्रति उनकी सर्वांगीण भंगिमा के माध्यम से भलीभांति अनुभूत किया जा सकता है। इस पौराणिक संयोजन द्वारा श्रद्धालुओं में इतना आत्मिक प्रभाव उत्पन्न होता है कि वे भौतिक व प्रकट जीवन के कष्टकंटकों को भी पुष्पस्पर्श समझने लगते हैं। महाकुंभ द्वारा प्रज्वलित आत्मदीप्ति में जीवन की वास्तविकता वही देख सकता है तथा इससे स्थायी मुक्ति की अभिलाषा भी वही वरण कर सकता है, जो आस्थावान होकर संगम तट के अंश-अंश को अंगीकार करता है। यह दुर्लभ गति अप्रतिम है। इस गति में प्रवाहित होने का आत्मभाव विराट है। यह अपरिभाषित है। यह केवल और केवल अनुभव के वशीभूत है। महाकुंभ के पौराणिक उपक्रमों- जैसे शाही स्नान, अखाड़ा स्नान, साधु-संतों के स्नान, मौनी अमावस्या एवं बसंत पंचमी के स्नान के सामानांतर इस मेले में उपस्थित होकर जो तटस्थ प्राकृतिक ऊर्जा सामान्य व्यक्ति को प्राप्त हो रही है।

आप का नजरिया

सियासत में वैमनस्य भाव

जिस खेत का बीज बंट जाए, उसकी फसल की कीमत क्या होगी। सरकार की हाजिरी में विपक्ष की नाराजगी का एक पक्ष तो समझ आता है, लेकिन यहां तो सरहदें मापी जा रही हैं ईमानदारी के दस्तूर से। एक मत किसी को सरकार, किसी को विपक्ष बना गया, लेकिन यह क्या कि आपने जनता को बांटने के हर्फ सीख लिए। भाजपा विधायकों ने डंके की चोट पर विधायक प्राथमिक बैठकों का विरोध चुना था, इसलिए ये कांग्रेस के लिए, कांग्रेस के पक्ष में एकतरफा खड़ी कर दी गईं। सरकार के दो वर्षों का फासला इतना बढ़ गया कि प्रदेश की छत के नीचे दो परस्पर विरोधी दीवारें टकरा रही हैं और ईंटें हिमाचल की हराम होने लगीं। भाजपा की घुटन का पैगाम सख्त है, इसलिए विधायक प्राथमिकताएं पांव रगड़ रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि बैठकें सजावटी हैं और चुने हुए विपक्षी विधायकों का अपमान सरकार की हर फाइल कर रही है। योजनाएं-परियोजनाएं बस छूकर चली जाती हैं या सरकार की कार्यशैली विपक्ष के प्रति ऐसा वैमनस्य भाव है कि बैठकों का बहिष्कार करना पड़ रहा है। यहां सवाल जनता की लोकतंत्र में भागीदारी तक उठता है। असल में विधायक प्राथमिकता बैठक है तो हलके की जनता की उम्मीदों की भागीदारी। जो भी गुण-दोष हैं, वे एकतरफा नहीं, बल्कि राजनीति के समंदर में मुद्दों की मछलियों का शिकार है। सारा ताना-बाना सत्ता की चमक और विपक्ष की धमक है, वरना प्रदेश को आगे बढ़ाने की ईमानदारी तो हर तरफ से कमजोर प्रतीत होती है। जो प्रदेश में विपक्ष है, वह केंद्र में सत्ता का शिखर है तो क्या वहां से निकली ईमानदारी हिमाचल पहुंच रही है। इधर हिमाचल में जिन्हें सत्ता मिली, क्या वो कांग्रेस सरकार ईमानदारी का परचम फैला रही है। बेशक दर्द के वाक्यात सत्ता के सीने में सुराख करके बैठे हैं और जिस घटनाक्रम में राज्यसभा की सीट कांग्रेस से खिसक गई, वह नींद हराम कर रही है। हम कहना यह चाहते हैं कि हमारे सामने स्वांग बदल कर दोनों पार्टियां अपने पैमानों में सियासत भर-भर कर जनता की लोकतांत्रिक भागीदारी को अभिशप्त करती रही हैं और यही मुकाबला आज विधायक प्राथमिक बैठकों तक पहुंच गया। विपक्षी विरोध की पीड़ा के आंकड़े और सबूत होंगे, लेकिन ऐसा भी क्या कि हर बार कोई विधानसभा क्षेत्र 'विपक्ष' की झोली में जाकर मजबूर हो जाता है। अचानक सत्ता की देखरेख में कुछ विधानसभा क्षेत्र चमक जाते हैं और अनेक अपाहिज हो जाते हैं। मसलन एक दशक की त्रासदी में केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर जितने दंश भुगत रहा है, उन्हें हम भाजपा और कांग्रेस के बीच बराबरी से बांट सकते हैं। होते हैं यहां बड़े-बड़े खेल मियां, ये सियासी बिसात की सौदेबाजी है। हर कोई दुकान सजा के बैठा है और हम हर बार अपना वोट भुना रहे हैं। किसी ने विधायक प्राथमिकता बैठक में जाकर हमारे मत को भुनाया और कोई विरोध में बहिष्कार करके जनता के सवाल भुना रहा है। यह साबित करता है कि हिमाचल अब सत्ता का कुनबा बनकर प्रदेश के संसाधनों का दोहन कर रहा है। तमाम पद और पदवियां, योजनाएं-परियोजनाएं, मंच और मचान तथा समस्या और समाधान, इस बात पर निर्भर करते हैं कि आपका विधानसभा क्षेत्र किस तरफ बैठा है।

मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता आगा खान का 88 वर्ष की आयु में निधन

लिस्बन (पुर्तगाल), 05 फरवरी (एजेंसियां)।

स्वैच्छिक संगठन आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क (एकेडीएन) के संस्थापक आगा खान (चतुर्थ) का निधन हो गया। महज 20 साल की उम्र में दुनिया के लाखों शिया इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता बनने वाले खान ने मंगलवार को यहां 88 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली।

आगा खान फाउंडेशन ने कहा कि उनके उत्तराधिकारी की घोषणा बाद में की जाएगी। वह अपने उत्तराधिकारी का नाम अपनी वसीयत में लिख गए हैं।

एकेडीएन की वेबसाइट के अनुसार, आगा खान फाउंडेशन और इस्माइली धार्मिक समुदाय ने घोषणा की कि हिज हाईनेस प्रिंस करीब अल-हुसैनी (आगा खान चतुर्थ) और शिया इस्माइली मुसलमानों के 49वें वंशानुगत इमाम का मंगलवार को पुर्तगाल में निधन हो गया।

उन्होंने इस्माइली मुसलमानों का आध्यात्मिक नेतृत्व करने के साथ ही अरबों डॉलर की मदद से विकासशील देशों में घरों, अस्पतालों और स्कूलों का निर्माण कराया।

आगा खान ने परिवार के बीच आखिरी सांस ली। उनकी वसीयत लिस्बन में उनके परिवार और धार्मिक नेताओं की उपस्थिति में पढ़ी जाएगी। उत्तराधिकारी को उनके पुरुष वंशजों या रिश्तेदारों में से ही चुना जाता है।

आगा खान के परिवार को इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद का प्रत्यक्ष वंशज माना जाता है। प्रिंस करीम आगा खान को उनके दादा ने अप्रत्याशित रूप से 1957 में अपने बेटे अली खान को दरकिनार करते हुए उत्तराधिकारी के रूप में नामित किया। अपनी नियुक्ति के समय वे हार्वर्ड ग्रेजुएट थे।

आगा खान चतुर्थ ने अपना सारा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क आज 96 हजार लोगों को रोजगार देता है। वह स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आवास और आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ताजिकिस्तान से लेकर कई देशों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

न्यूज ब्रीफ

जेयूआई-एफ की पाकिस्तान में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग

इस्लामाबाद। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 8 फरवरी, 2024 के आम चुनाव में हुई धांधली को कोई छुपा नहीं सकता। जेयूआई-एफ प्रमुख रहमान ने पीटीआई के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेशनल असेंबली स्पीकर असद कैसर के मंगलवार को रात्रिभोज में हिस्सा लेने के बाद यह टिप्पणी की। रात्रिभोज में उनसे अवाम पाकिस्तान पार्टी के नेता शाहिद खाकन अब्बासी सहित विपक्षी दलों के नेताओं ने मुलाकात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान फजल ने कहा कि पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार को इस्तीफा देकर नए आम चुनाव की घोषणा करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि मौलाना फजलुर रहमान वही नेता हैं, जिन्होंने अप्रैल 2023 में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पद से हटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त सिकंदर सुल्तान राजा का पांच साल का संवैधानिक कार्यकाल 26 जनवरी को समाप्त हो गया। सरकार ने अगले मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति तक राजा को बनाए रखने के लिए 26वां संवैधानिक संशोधन किया है। अवाम पाकिस्तान पार्टी के नेता शाहिद खाकन अब्बासी ने कहा कि रात्रिभोज में विपक्षी दलों की बैठक हुई। बैठक में देश की राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की गई। विपक्षी दलों ने अपना रुख दोहराया कि देश में नए चुनाव होने चाहिए।

इंडोनेशिया में आया 6.2 तीव्रता का भूकंप, डर से लोग घर से निकल कर भागे

जर्काता। इंडोनेशिया में बुधवार को जोरदार भूकंप आया। इस भूकंप के डर से लोग घर से बाहर निकल आए और जान बचाने भागने लगे। इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु में आया भूकंप 6.2 तीव्रता का था। अभी तक इस भूकंप से किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में बताया कि भूकंप बुधवार तड़के आया। भूकंप 81 किलोमीटर गहरा था। राहत की बात है कि इससे सुनामी का कोई खतरा नहीं है। अक्सर इंडोनेशिया में जब भूकंप आता है तो सुनामी का भी खतरा मंडराने लगता है। रिपोर्ट में इंडोनेशिया की आपदा कंट्रोल एजेंसी ने भूकंप से हुए नुकसान पर फिलहाल कोई अपडेट नहीं दिया है। इंडोनेशिया भूकंप के लिहाज से संवेदनशील इलाके में आता है, जिसे 'रिंग ऑफ फायर' कहते हैं। यहां धरती की अलग-अलग परतें मिलती हैं, जिसकी वजह से भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधि बहुत होती है। यहां अक्सर भूकंप के झटके आते रहते हैं। इससे पहले नेपाल और तिब्बत में भूकंप के झटके महसूस हुए थे।

बिल गेट्स ने नई प्रेमिका पाउला हर्ड के साथ रिश्ते का किया खुलासा, मलिंडा गेट्स से तलाक के बाद चढ़ा दोनों का प्यार परवान

वाशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट संस्थापक बिल गेट्स ने अपनी नई प्रेमिका पाउला हर्ड के साथ रिश्ते होने की पुष्टि की है। एक साक्षात्कार में बिल गेट्स ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उनकी एक गंभीर प्रेमिका है, पाउला। बता दें साल 2023 से ही बिल गेट्स के पाउला हर्ड के प्यार की चर्चाएं आम हैं और दोनों कई अवसरों पर साथ नजर भी आए हैं। गेट्स साल 2021 मलिंडा गेट्स से तलाक लिया था। उसके दो साल बाद ही वे पाउला के साथ रिलेशनशिप में आए। पाउला हर्ड, ओरेकल के दिवंगत सीईओ मार्क हर्ड की पत्नी हैं। साल 2019 में मार्क हर्ड की कैंसर से मृत्यु हो गई थी। पाउला की मार्क से दो बेटियां कैशरीन और कैली हैं। पाउला के पति उनके लिए करीब 500 मिलियन डॉलर की संपत्ति छोड़कर गए थे। पाउला ने टेक्सास यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री हासिल की है।

जाम्बिया : हैजा प्रभावित शहर में शुरू होगा टीकाकरण अभियान

लुसाका ,05 फरवरी। जाम्बिया में हैजा के प्रकोप से प्रभावित कॉपरबेल्ट प्रांत के चिलीलाबोम्बे शहर में टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्री एलिजा मुचिमा ने हैजा की स्थिति पर एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, सरकार ने प्रांत में हैजा के प्रकोप से निपटने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन, गावी और अन्य भागीदारों के साथ चर्चा शुरू की है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मुचिमा ने कहा कि जिले के लिए टीकों की लगभग 1,29,000 खुराकें निर्धारित की गई हैं और टीकाकरण अभियान 7 फरवरी से शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, टीकाकरण हमारी हैजा प्रतिक्रिया रणनीति की आधारशिला है।,

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि टीकाकरण के लिए तैयारियां और बीमारी के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण शुरू हो गया है। उनके अनुसार, हैजा प्रकोप को नियंत्रित करने और फैलने से रोकने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष से समुदाय-आधारित स्वयंसेवकों की संख्या मौजूदा 50 से बढ़ाकर 150 करने की उम्मीद है।

मुचिमा ने कहा कि अधिकांश मरीज चिललाबोम्ब्वे के निवासी नहीं हैं, बल्कि अन्य शहरों के व्यापारी हैं, जो बिना उचित पानी और स्वच्छता सुविधाओं के अस्थायी शेल्टर में रहते हैं।

मंत्री ने कहा कि चिलीलाबोम्बे ने पिछले 24 घंटों में हैजा का एक मामला दर्ज किया है, जबकि कॉपरबेल्ट प्रांत के एनडोला और चिंगोला कस्बों में दो-दो मामले सामने आए हैं, जिससे प्रांत में हैजा के भर्ती मामलों की कुल संख्या 15 हो गई है। सभी मरीजों की हालत स्थिर है। जल्द ही छुट्टी मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, देश के उत्तरी जिले नाकोंडे में दो मामले सामने आए हैं, जिससे देश भर में हैजा से भर्ती होने वालों की कुल संख्या 17 हो गई है।

ट्रंप ने दी धमकी कहा- मेरी हत्या की कोशिश की तो पूरा ईरान खत्म कर देंगे

वाशिंगटन, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बयान और आदेशों के लिए पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र बन गए हैं। अब उन्होंने ईरान को खुले तौर पर धमकी देते हुए कहा कि यदि मेरी हत्या की कोशिश हुई तो पूरा ईरान खत्म कर दूंगा।उन्होंने अपने सलाहकारों को कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं। मंगलवार को अमेरिका ने संकेत दिए हैं कि परमाणु हथियार तैयार करने के आरोपों को लेकर वह ईरान पर दबाव की नीति लागू करने की योजना बना रहे हैं।

ये धमकी के पीछे की वजह ये है कि मैनहेटन की अदालत में पेश हुए आपराधिक शिकायत के अनुसार, ईरान में रहने वाले शकेरी ने एफबीआई को बताया था कि ईरान के अर्धसैनिक बल रिवॉल्युशनरी गार्ड के एक शख्स ने उन्हें बीते सितंबर में दूसरे कामों को रोककर ट्रंप को 7 दिनों में मारने का प्लान बनाने के आदेश दिए थे।

तेहरान पर अधिक से अधिक दबाव डालने के आदेश पर ट्रंप ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा, अगर वो ऐसा करते हैं, तो वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगे...। कुछ भी नहीं बचेगा। खबर है कि साल 2020 में ट्रंप ने स्ट्राइक के निर्देश दिए थे, जिसमें ईरान के इस्लामिक रिवॉल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स के नेता कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी। अधिकारी लंबे समय से ट्रंप और अन्य के खिलाफ ईरान की धमकियों पर नजर रख रहे हैं।पेन्सिलवेनिया में हुई रैली से पहले ईरान की धमकी के चलते ट्रंप की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। उस रैली में ट्रंप के कान में गोली लगी थी।

हालांकि, अधिकारियों ने तब यह भी कहा था कि वह नहीं मानते कि इस हत्या के प्रयास में ईरान का हाथ है। नवंबर में भी न्याय विभाग ने ऐलान किया था कि राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप के मारने की ईरान की साजिश को फेल कर दिया था। विभाग ने ईरान के अधिकारियों पर 51 साल के फरहाद शकेरी को सितंबर में ट्रंप पर नजर रखने और हत्या के निर्देश दिए थे। तब ईरान के अधिकारियों ने आरोपों को खारिज कर दिया। विदेश प्रवक्ता इस्माइल बाघी ने दावा किया था कि यह इजरायल से जुड़े समूह की साजिश थी, ताकि ईरान और अमेरिका के रिश्तों को प्रभावित किया जा सके।

नेशनल लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों के हमला

कोलंबिया में नेशनल लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों के हमलों को देखते हुए मानवाधिकार संगठनों से जुड़े लोग और संगठन पहुंचे। इसमें सीनेटर भी शामिल थे।

बांग्लादेश हाईकोर्ट ने पूछा-चिन्मय दास को जमानत क्यों नहीं मिलनी चाहिए

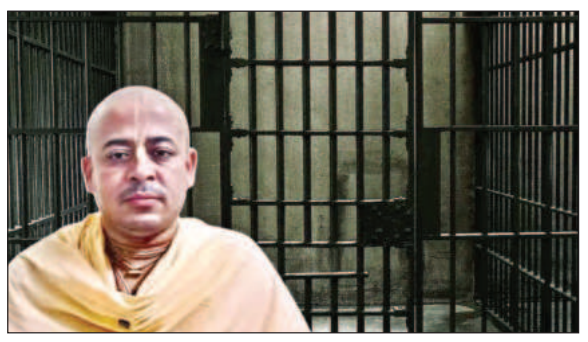

ढाका, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश हाईकोर्ट ने मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया और स्पष्टीकरण मांगा कि चिन्मय कृष्ण दास को जमानत क्यों नहीं दी जानी चाहिए। चिन्मय की तरफ से कोर्ट में पेश वकील ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक बयान में दास के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा, बांग्लादेश हाईकोर्ट ने सरकार से दो सप्ताह के भीतर फैसले पर जवाब देने को कहा है। चटगांव अदालत द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उनकी कानूनी टीम ने 12 जनवरी को हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी।

भट्टाचार्य ने कहा कि मामले की सुनवाई लंबित मामलों के क्रम के अनुसार आगे बढ़ेगी और उम्मीद जताई कि इसकी सुनवाई अगले सप्ताह होगी क्योंकि हाईकोर्ट केवल रविवार और सोमवार को मामलों की सुनवाई करता है। चटगांव में सुनवाई कड़ी सुरक्षा के बीच हुई, जिसमें सरकार की अगुवाई मेट्रोपॉलिटन पब्लिक प्रॉसिक्यूटर एडवोकेट मोफिजुर हक भुइयां ने किया। इस्कॉन के पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास कानूनी कार्यवाही जारी रहने के कारण हिरासत में हैं। बता दें कि इससे पहले 11 दिसंबर को एक बांग्लादेश की एक अदालत ने दास की प्रारंभिक जमानत याचिका को प्रक्रिया में खामी के कारण खारिज कर दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वैध पावर ऑफ अटॉर्नी और वकील की उपस्थिति की कमी के कारण याचिका खारिज की गई थी।

पाकिस्तान ने मनाया कश्मीर एकजुटता दिवस, भारत के खिलाफ उगला जहर

इस्लामाबाद, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर का राग अलापते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत पर दबाव डालने का आह्वान किया है। मुल्क के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि कश्मीर के लोगों को भी अपना भविष्य तय करने का अधिकार है।

प्रधानमंत्री शहबाज ने पाकिस्तान में मनाए जा रहे कश्मीर एकजुटता दिवस पर अपने संदेश में कहा कि स्थानीय लोगों की वास्तविक आकांक्षाओं को दबाकर स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती।

सरकारी रेडियो पाकिस्तान के हवाले से खबर दी है कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर एकजुटता दिवस पर जारी संदेश में कश्मीर पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने कहा कि आत्मनिर्णय का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून का मौलिक सिद्धांत है। हर साल, संयुक्त राष्ट्र महासभा एक प्रस्ताव अपनाती है जो लोगों के अपने भाग्य का फैसला करने के कानूनी अधिकार पर जोर देता है।

उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि 78 साल बीत जाने के बावजूद कश्मीरी लोगों को अभी तक इस अपरिहार्य अधिकार का प्रयोग नहीं करने दिया गया। शहबाज ने कहा कि भारत ने जम्मू और कश्मीर को दुनिया के सबसे सैन्यीकृत क्षेत्रों में से एक बना दिया है। वहां कश्मीरी भय के माहौल में रह रहे हैं। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि यह दिन वैश्विक समुदाय को उत्पीड़ित कश्मीरी लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। संयुक्त राष्ट्र को 78 साल पहले कश्मीरियों से किए गए वादों का सम्मान करना चाहिए।

स्पीकर चौधरी लतीफ अकबर ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद का दौरा करेंगे। वह मुजफ्फराबाद स्थित विधानसभा में सदस्यों को संबोधित भी करेंगे। शरीफ छतर चौक पर शहीद स्मारक का दौरा करेंगे। थल सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर भी शहीद स्मारक में फातेहा पेश करने में प्रधानमंत्री के साथ शामिल होंगे। इस बीच, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने कहा कि पाकिस्तान भारत के कश्मीर में रहने वाले लोगों का अटूट समर्थन करता रहेगा। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बयान में कहा कि भारतीय कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन निंदनीय है।

नारी शक्ति खेलों के माध्यम से भी भारत की अलग पहचान बना रही है : प्रिया अग्रवाल

मुरादाबाद, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ व ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के तत्वाधान में आयोजित अंडर-15 खेलो इंडिया विमेंस फुटबॉल लीग 2024-25 का आयोजन बुधवार को हुआ। प्रतियोगिता का शुभारम्भ भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने किया।

प्रिया अग्रवाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से नारी शक्ति दुनिया में भारत की अलग पहचान बना रही है।

इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि डीपीजीएस के निदेशक विंग कमाण्डर मंसूर सिद्दीक़ी, विशिष्ट अतिथि मेक गैस्ट्रो सर्जरी के डॉ. मुहम्मद रियाज़, ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन संभल के सचिव सैयद मुहम्मद शारिक़, ज़िला फुटबॉल एसोसिएशन अमरोहा के उपाध्यक्ष महताब आलम साहब, बहमन पब्लिक स्कूल सिरसी की निदेशक ताहिरा उज़्ज़मा, प्रधानाचार्य शोभित रस्तोगी, लिटिल एंजेल्स कान्वेंट स्कूल के निदेशक मुसरत हफ़ीज़, सरसय्यद अकेडमी की अध्यक्ष आबिदा बेगम मौजूद रहीं।

प्रतियोगिता का संचालन करते हुए एसोसिएशन के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता मे 6 टीमें प्रीतिभाग कर रहीं हैं। डीपीजीएस, एपीएस, जेडएफए, सरसैयद वेलफेयर सोसाइटी, मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज, बहमन पब्लिक स्कूल की टीमें शामिल रहीं।

पहला मैच डीपीजीएस व एपीएस के मध्य खेला गया। इसमें पहला गोल जेडएफए ने व दूसरा गोल आयेशा ने कर अपनी टीम को 2-0 से जिताया।

दूसरा जेडएफए व मेथोडीस्ट के मध्य खेला गया जिसमे पहला गोल जेडएफए की ओर से अलीना दूसरा गोल निक्की ने किया। तीसरा गोल फलक ने किया, मेथोडिस्ट की और से एक मात्र गोल एश्वर्या ने किया। जेडएफए ने ये मैच 3-1 से जीता, आजका तीसरा और आख़री मैच सरसैयद अकादमी व बहमन पब्लिक स्कूल के मध्य खेला गया जिसमे बहमन ने सरसैयद पर आसान जीत दर्ज कर मैच 4-0 से जीता।

न्यूज ब्रीफ

करण मिश्रा ने की धुआंधार बल्लेबाजी इंडियन क्रिकेट क्लब ने जीता मैच

लखनऊ। अंडर-25 करीम चिश्ती मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में इंडियन क्रिकेट क्लब ने लखनऊ हर्टज क्लब को 177 रन से हराकर बढ़त बना ली। इस मैच में इंडियन क्रिकेट क्लब के करण मिश्रा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 104 बाल खेलकर 166 रन बनाये। इंडियन क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट गवांकर 394 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आकर्ष गुप्ता 25 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं करण मिश्रा ने धुआंधार बल्लेबाजी की। उन्होंने 104 बाल खेलकर 21 चौका और नौ छक्का की मदद से 104 बाल पर 166 रन बनाये। आशीष तिवारी ने 12 चौका, पांच छक्का की मदद से 64 बाल पर 96 रन का योगदान दिया। जय वर्धन ने 36 रन बनाये। वहीं लखनऊ हर्टज क्लब की पूरी टीम 217 रन बनाकर आउट हो गयी और इंडियन क्रिकेट ने मैच को 177 रन से जीत लिया। लखनऊ हर्टज के सलामी बल्लेबाज कृष्णमित 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं मो. फैज ने अपनी टीम में सर्वाधिक 46 रन बनाया, जबकि ऋषभ ने 43 रन का योगदान दिया ।

छत्तीसगढ़ में छह फरवरी से शुरु होगा लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बलिदानी वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की मेजबानी में लीजेंड 90 लीग टूर्नामेंट का आगाज 6 फरवरी को होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट 18 फरवरी तक चलेगा। वहीं आज बुधवार को 6 टीमों के 60 से अधिक खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। आईपीएल की तर्ज पर दर्शकों को ओपनिंग सेरेमनी देखने को मिलेगी, जिसमें तमन्ना भाटिया, आयुष्मान खुराना और हार्डी संधू धमाकेदार परफॉर्मेंस करेंगे। लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग में देश-विदेश के दिग्गज क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। आज बुधवार 6 फरवरी से पहले इन टीमों के दिग्गज खिलाड़ी रायपुर पहुंचेंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा आकर्षण होगा। इस लीग में शामिल टीमों के नाम, उनके कप्तान और स्टार खिलाड़ी पहले ही चर्चा में आ चुके हैं, और सभी की नजरें इस रोमांचक टूर्नामेंट पर टिकी हुई हैं। वहींलीजेंड 90 लीग के लिए पिच को तैयार किया गया है। मैदान के चारों और लाइट सिस्टम लगाया जा रहा है। लीग टूर्नामेंट से पहले व्यवस्था को बेहतर कर लिया गया है। दर्शकों के बैठने के लिए कई हजार नई सीटें लगाई गई है। लीजेंड्स 90 क्रिकेट लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी बेहद खास होगी। इस आयोजन में फिल्म और संगीत जगत के मशहूर सितारे अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस देंगे। बॉलीवुड के स्टार अभिनेता आयुष्मान खुराना, खूबसूरत अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और पंजाबी सिंगर हार्डी संधू इस भव्य आयोजन में परफॉर्म करेंगे।

टी20 क्रिकेट में दुनिया के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बने राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान टी20 क्रिकेट में दुनिया के अग्रणी विकेट लेने वाले

गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि मंगलवार रात एसए 20 में एमआई केप टाउन की ओर से खेलते हुए पर्ल रॉयल्स के खिलाफ हासिल की। उन्होंने डुनिथ वेललेज को क्लीन बोल्ड किया और इतिहास में अपना नाम दर्ज करवा लिया। राशिद ने ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया, जिनके सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त होने पर इस प्रारूप में 631 विकेट थे। अब राशिद के नाम टी 20 क्रिकेट में 632 विकेट दर्ज हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर सुनील नरेन (574), चौथे पर इमरान ताहिर (531), पांचवें पर शाकिब अल हसन (492) और छठे पर आंद्रे रसल (466) हैं। राशिद ने मैच के बाद एक टेलीविजन साक्षात्कार में कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है। अगर आपने मुझसे 10 साल पहले पूछा होता तो मैंने कभी नहीं सोचा होता कि मैं ऐसा कर सकता हूं। जब आप अफगानिस्तान से हों तो तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना गर्व की बात है। शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि राशिद ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और द हंड्रेड सहित ब्रावो की तुलना (ब्रावो ने 30, राशिद ने 18) दो-तिहाई से भी कम टीमों के लिए खेला। मंगलवार को एसए 20 क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस की केपटाउन टीम के लिए खेलते हुए और कप्तानी करते हुए राशिद की टीम ने पार्ल रॉयल्स को 39 रनों से हरा दिया।

राष्ट्रीय खेल : लॉन बॉल स्पर्धा के पांचवें दिन झारखंड का दबदबा, दिल्ली और उत्तराखंड ने भी दर्ज की जीत

देहरादून, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

38वें राष्ट्रीय खेल में लॉन बॉल स्पर्धा के पांचवें दिन बुधवार को कई रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले गए। झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए, जबकि दिल्ली, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड ने भी खिताबी जीत दर्ज की।

झारखंड का दमदार प्रदर्शन

मेंस पेयर्स के फाइनल में झारखंड ने असम को एकतरफा मुकाबले में 25-04 के बड़े अंतर से हराया।

वहीं, वूमेन फोर्स के फाइनल में भी झारखंड ने पश्चिम बंगाल को 18-08 से मात दी।

इसके अलावा, अंडर-25 गर्ल्स के फाइनल में झारखंड ने असम को 21-20 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

अंडर 25 विमेंस में झारखंड के लिए मैच जीतने के बाद बसंती कुमारी ने कहा, मैच काफी मुश्किल था, लेकिन हमने अच्छा खेल दिखाया और गोल्ड मेडल जीता। उत्तराखंड आकर बहुत अच्छा लगा, हम फिर से यहां आना चाहेंगे।

दिल्ली और पश्चिम बंगाल की जीत

मेंस ट्रिपल्स के खिताबी मुकाबले में दिल्ली ने झारखंड को 25-08 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, वूमेन सिंगल्स के फाइनल में पश्चिम बंगाल की खिलाड़ी ने झारखंड को 21-08 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

उत्तराखंड ने अंडर-25 बॉयज फाइनल में मारी बाजी

अंडर-25 बॉयज कैटेगरी का फाइनल मुकाबला असम और उत्तराखंड के बीच बेहद रोमांचक रहा। उत्तराखंड ने 21-20 के नजदीकी अंतर से जीत हासिल कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

अंडर 25 मेंस में जीत के बाद उत्तराखंड के उत्कृष्ट द्विवेदी ने कहा, उत्तराखंड पहली बार नेशनल गेम्स में लॉन बॉल खेल रहा है। यह स्वर्ण पदक जीतकर बहुत खुशी महसूस हो रही है। मेरी जीत का पूरा श्रेय मेरे कोच, सेक्रेटरी जनरल और फेडरेशन के अध्यक्ष जी को जाता है।

राष्ट्रीय खेल: सुरुचि ने जीता स्वर्ण, 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स के फाइनलिस्ट तय

देहरादून। त्रिशूल शूटिंग रेंज में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों के शूटिंग मुकाबलों में देशभर के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। मंगलवार को हुए मुकाबलों में 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फ़ाइनल और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स पुरुष वर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड प्रमुख आकर्षण रहे। 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फ़ाइनल: हरियाणा की सुरुचि बनीं चैंपियन इस स्पर्धा में हरियाणा की सुरुचि ने 245.7 अंकों के शानदार स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके राज्य की ही पलक ने 243.6 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि पंजाब की सिमरनप्रीत कौर ब्रार ने 218.8 अंकों के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स पुरुष वर्ग: फाइनल में पहुंचे ये निशानेबाज इस प्रतियोगिता में 33 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया, जिनमें से शीर्ष आठ खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई। मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 598 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में पहला स्थान हासिल किया। उनके अलावा सर्विसेज के चैन सिंह (594), नीरज कुमार (591), निशान बुढ़ा (589), महाराष्ट्र के स्वप्निल सुरेश कुसाले (588), उत्तर प्रदेश के अखिल श्योराण (587), मध्य प्रदेश के गोल्डी गुर्जर (587) और सर्विसेज के गंगा सिंह (587) भी फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।

महिला प्रीमियर लीग 2025: गुजरात जायंट्स की कप्तान नियुक्त हुईं एशले गार्डनर

अहमदाबाद, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सीज़न के लिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एशले गार्डनर को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की एक प्रमुख शख्सियत गार्डनर ने 2017 में पदार्पण किया था।

गार्डनर दो बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार विजेता हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थीं।

लीग की शुरुआत से ही गार्डनर गुजरात जायंट्स का अभिन्न हिस्सा रही हैं। डब्ल्यूपीएल के पिछले दो सीज़न में, उन्होंने 324 रन बनाए हैं और 17 विकेट हासिल किए हैं।

गार्डनर ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा,

गुजरात जाइंट्स का कप्तान बनाया जाना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मुझे इस टीम का हिस्सा बनना बहुत पसंद है और मैं आगामी सीज़न में इस शानदार समूह का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं। हमारी टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों और भरपूर भारतीय प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण है। मैं टीम के साथ काम करने और अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं।

टीम के मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने गार्डनर के नेतृत्व पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, वह एक शानदार प्रतिस्पर्धी हैं। उनकी

खेल जागरूकता, सामरिक कौशल और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें गुजरात जाइंट्स की कप्तानी के लिए आदर्श विकल्प बनाती है। हमें विश्वास है कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करेंगी और टीम को एक सफल अभियान की दिशा में मार्गदर्शन करेंगी।

पिछले सीज़न में टीम का नेतृत्व बेथ मूनी ने किया था। पूर्व कप्तान के बारे में बोलते हुए, क्लिंगर ने कहा, मैं मूनी को उनके अत्यधिक मूल्यवान नेतृत्व के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। अब वह विकेटकीपिंग और ओपनिंग बैटिंग लाइनअप पर फोकस कर सकेंगी। वह हमारे समूह की एक प्रमुख लीडर बनी हुई हैं। अदानी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, संजय अडेसरा ने कहा, गार्डनर अपने समर्पण, कौशल और नेतृत्व के साथ गुजरात के दिग्गजों की भावना का प्रतीक हैं। कप्तान के रूप में उनकी नियुक्ति उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली विश्व स्तरीय टीम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराती है। हमें विश्वास है कि उनकी कप्तानी में टीम डब्ल्यूपीएल में शानदार प्रदर्शन करेगी।

अटलांट और बोलोंगा के बीच हुए फुटबॉल मैच

इटली में अटलांट और बोलोंगा के बीच हुए फुटबॉल मैच में जीत के बाद जश्न मनाती हुई बोलोंगा की टीम।

हरियाणा स्टीलर्स ने कबड्डी खिलाड़ियों के लिए की ओपन ट्रायल की घोषणा, 8 फरवरी को होगा आयोजन

हिसार, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 की चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स ने युवा और महत्वाकांक्षी कबड्डी खिलाड़ियों के लिए ओपन ट्रायल की घोषणा की है। यह ट्रायल 8 फरवरी 2025 को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के मल्टीपर्पज हॉल में सुबह 8:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य राज्य में कबड्डी प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें पेशेवर स्तर तक पहुंचने का अवसर प्रदान करना है।

युवाओं को मिलेगा सुनहरा मौका

हरियाणा स्टीलर्स की टीम आगामी सीजन के लिए मजबूत और प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों की तलाश में है। इसी उद्देश्य से यह ओपन ट्रायल आयोजित किया जा रहा है, ताकि युवा और होनहार खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह ने इस पहल पर कहा, यह ट्रायल हर उस खिलाड़ी के लिए अवसर है जो हमारे अकादमी और युवा खिलाड़ी

कार्यक्रम का हिस्सा बनना चाहता है। हम चाहते हैं कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष हो, जिससे हर योग्य खिलाड़ी को प्रतिभा के आधार पर मौका मिले। हमारा लक्ष्य कबड्डी को बढ़ावा देना और राज्य में एक मजबूत खेल संस्कृति विकसित करना है।

कोच मनप्रीत सिंह ने भी इस अवसर को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हम देश के युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए उत्सुक हैं। हमारा उद्देश्य ऐसी टीम बनाना है जो भविष्य में कबड्डी में नए कीर्तिमान स्थापित करे।

कबड्डी खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर

हरियाणा स्टीलर्स द्वारा आयोजित यह ओपन ट्रायल उन खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मौका है, जो प्रोफेशनल कबड्डी में अपना करियर बनाना चाहते हैं। यह पहल राज्य में कबड्डी के विकास और युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

दुबई, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान में कराची, लाहौर और रावलपिंडी तथा संयुक्त अरब अमीरात में दुबई में खेले जाने वाले 8 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए 12 अंपायर एवं तीन मैच रैफरी के नाम की लिस्ट जारी की गई है।

आईसीसी के अनुसार रिचर्ड केटलबोरो, जो 108 पुरुष एकदिवसीय मैचों के अनुभवी हैं और 2017 में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में अंपायर थे, उन छह अंपायरों में शामिल हैं जो एक बार फिर चैंपियंस ट्रॉफी के

लिए वापसी कर रहे हैं। केटलबोरो के अलावा क्रिस गैफनी, कुमार धर्मसेना, रिचर्ड इलिंगवर्थ, पॉल रीफेल और रॉड टकर, वे अन्य हैं जो 2017 में भी शामिल थे।

केटलबोरो और इलिंगवर्थ ने अहमदाबाद में खेले गए आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में भी अंपायरिंग की थी। इनके साथ माइकल गफ, एड्रियन होल्डस्टॉक, अहसान रजा, शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, एलेक्स व्हार्फ और जोएल विल्सन भी हैं, जिन्होंने भारत में विश्व कप में अंपायरिंग की थी। डेविड बून, रंजन मदुगले और एंड्रयू पाइक्रॉफ्ट रेफरी की तीन सदस्यीय टीम में शामिल हैं। बून 2017 के फाइनल में रेफरी थे जबकि पाइक्रॉफ्ट ने भी टूर्नामेंट में रेफरी की भूमिका निभाई थी।

सीन ईजी (आईसीसी वरिष्ठ प्रबंधक-अंपायर्स एंड रेफरीज) ने कहा कि हमें आगामी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मैच अधिकारियों के अपने पैनल की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह एक प्रतिष्ठित टीम है, जिसकी विशेषज्ञता इस हाई-प्रोफाइल टूर्नामेंट में मूल्यवान होगी। हम हमेशा किसी भी आयोजन के लिए सबसे उपयुक्त और योग्य अधिकारियों के नाम की कोशिश करते हैं और हमें विश्वास है कि यह समूह पाकिस्तान और यूएई में होने वाले मैचों में अच्छा काम करेगा। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि उनका टूर्नामेंट यादगार रहेगा।

अंपायर : कुमार धर्मसेना, क्रिस गफफनी, माइकल गफ, एड्रियन होल्डस्टॉक, रिचर्ड इलिंगवर्थ, रिचर्ड केटलबोरो, अहसान रजा, पॉल रीफेल, शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, रॉडनी टकर, एलेक्स व्हार्फ, जोएल विल्सन।

मैच रेफरी : डेविड बून, रंजन मदुगले, एंड्रयू पाइक्रॉफ्ट।

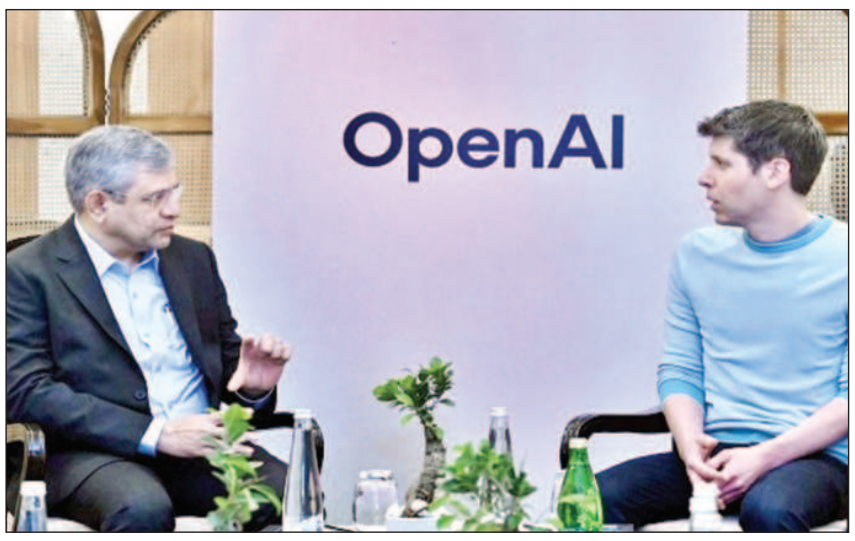

भारत एआई और ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार : ऑल्टमैन

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत कृत्रिम मेधा (एआई) और ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने बुधवार को यहां केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही।

भारत की यात्रा पर आए ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत सामान्य रूप से एआई के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, विशेष रूप से 'ओपन' एआई के लिए यह हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत को अपने पूर्ण मॉडल के साथ एआई क्रांति के अगुआ देशों में शामिल होना चाहिए।

अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान सैम ऑल्टमैन ने कहा कि देश में पिछले साल ओपनएआई के उपयोगकर्ताओं की संख्या तीन गुना बढ़ी है। उन्होंने स्टैक, चिप्स, मॉडल और ''अविश्वसनीय अनुप्रयोगों'' के सभी स्तरों पर एआई के निर्माण में भारत के प्रयासों की जोरदार सराहना की। उन्होंने भारत को एआई के क्षेत्र में पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। इस अवसर पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमें प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। सैम ने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की सराहना की है। वैष्णव ने इस बातचीत के दौरान कहा कि नवाचार दुनिया में कहीं भी हो सकता है तो ''यह भारत में क्यों नहीं होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि ऑल्टमैन की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब ओपनएआई और एआई के प्रभुत्व को अचानक चीनी कंपनी डीपसीक द्वारा चुनौती मिल रही है। डीपसीक अपने कम लागत वाले एआई मॉडल आर1 के साथ लोगों का का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है, जिसे 60 लाख अमेरिकी डॉलर से भी कम लागत में बनाया गया है। डीपसीक, चैटजीपीटी को पीछे छोड़ते हुए एप्पल के ऐप स्टोर पर शीर्ष रैंक वाला मुफ्त ऐप भी बन गया है।

न्यूज ब्रीफ

नया इनकम टैक्स कानून करदाताओं की जिंदगी आसाना बनाएगा : अग्रवाल

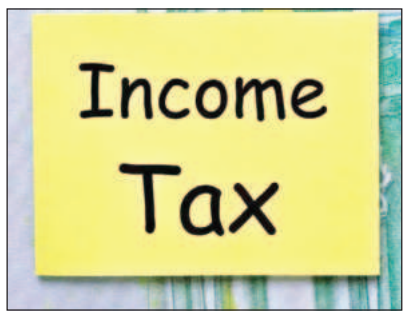

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में नया इनकम टैक्स कानून लाने की बात कही थी। इस घोषणा के बाद से ही टैक्सपेयर्स के बीच यह कयास शुरू हुआ है कि आखिर नया इनकम टैक्स कानून कैसा होगा और इसका उन पर क्या असर होगा। टैक्सपेयर्स की दुविधा और शंका को शांत कर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने बताया कि नया इनकम टैक्स कानून प्रत्यक्ष कर को काफी आसान करेगा और करदाता की जिंदगी भी आसान होगी। रिपोर्ट के अनुसार सीबीडीटी चेयरमैन ने बताया कि यह बहुत संतोष की बात है कि इस बार बजट को इतनी सकारात्मकता से लिया गया है और इतना ही नहीं हमारे करोड़ करदाता खुश हैं। टैक्स में दिया गया पूरा लाभ करीब 1 लाख करोड़ रुपये का है और इस साल का बजट लक्ष्य 22.37 लाख करोड़ रुपये है, तब यह कुल करों का 5 प्रतिशत बनता है। लोगों के हाथ में यह 1 लाख करोड़ रुपये होने का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव दिखेगा। व्यापार विकसित होगा। सीबीडीटी चेयरमैन अग्रवाल के मुताबिक, टैक्स छूट के रूप में हमारी ओर से दिया गया पैसा वापस लौटेगा। यह कंपनियों के माध्यम से आएगा, यह व्यापार आय के माध्यम से आएगा, यह वेतन के माध्यम से भी आ सकता है, क्योंकि अगर कंपनियां बढ़ती हैं, तब वेतन भी बढ़ेगा। इस 1 लाख करोड़ रुपये की राहत का सकारात्मक प्रभाव देश की इकानामी पर दिखाई देगा। हम इस साल 15 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं, क्योंकि इस राहत के कारण बजट लक्ष्य 12.46 प्रतिशत रखा गया है।

दालों में आत्मनिर्भर बनेगा भारत 2029 तक आयात खत्म करने के लिए 1 हजार करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली। भारत को दालों की आपूर्ती के लिए किसी देश की तरफ नहीं देखना पड़ेगा। 2029 तक दालों के मामले में भारत आत्म निर्भर हो जाएगा। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक हजार करोड़ का प्रावधान किया है। निर्मला सीतारमण ने कहा, हमारी सरकार अब दलहन में आत्मनिर्भरता के लिए छह साल का मिशन शुरू करेगी। जिसमें तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की दाल की पैदावार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत मुख्य रूप से कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, म्यांमार, मोजाम्बिक, तंजानिया, सूडान और मलावी से दालों का आयात करता है। इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य यह है कि साल 2029 तक देश में दालों की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर भारत की निर्भरता को खत्म करना है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में इस योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

अब एटीएम से बार-बार कैश निकालने वालों को देनी होगी ज्यादा फीस

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) एटीएम से कैश निकालने वाले लोगों के लिए बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। अब एटीएम से कैश निकालना महंगा हो सकता है क्योंकि आरबीआई एटीएम इंटरचेंज फीस और मुफ्त निकासी की सीमा के बाद लगने वाले चार्ज बढ़ाने पर विचार कर रहा है। रिजर्व बैंक मौजूदा समय में महीने में 5 कैश विथड्रावल फ्री देता था लेकिन अब आरबीआई इन 5 लेनदेन की लिमिट से ज्यादा पर लगने वाले चार्ज और एटीएम इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की प्लानिंग कर रहा है। एक रिपोर्ट में जानकारी रखने वाले लोगों का हवाला देते हुए बताया गया कि एनपीसीआई ने पांच बार फ्री लिमिट पूरी होने के बाद कैश निकालने के चार्ज को मौजूदा चार्ज 21 रुपए से बढ़ाकर 22 रुपए करने की सिफारिश की है। इसके अलावा एनपीसीआई ने कैश लेनदेन के लिए एटीएम इंटरचेंज फीस को 17 रुपए से बढ़ाकर 19 रुपए करने की भी सिफारिश की गई है। इंटरचेंज फीस दूसरे बैंक के एटीएम से एक लिमिट के बाद पैसे निकालने पर लगाई जाती है यानी कि यह एटीएम सर्विस इस्तेमाल करने के बदले एक बैंक की तरफ से दूसरे बैंक को दी जाने वाली फीस है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिंदू एक...

संगठनों और कुछ जाति-आधारित संगठनों को 4 फरवरी को थिरुपरनकुंद्रम हिल पर इकट्ठा होने से रोकने के लिए अपने पिटारे में मौजूद हर चाल और हथकंडे का का इस्तेमाल किया। लेकिन कोई हथकंडा काम नहीं आया। थिरुपरनकुंद्रम स्थित पहाड़ी भगवान मुरुगन के छह निवासों में से एक है। इस पवित्र पहाड़ी को अपवित्र करने की इस्लामिक हरकतें प्रतिबंधत आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े एसडीपीआई और अन्य कट्टरपंथी संगठनों द्वारा पहाड़ी के ऊपर बकरा और मुर्गा काटने और सिकंदर की फर्जी दरगाह पर बिरयानी पकाने और नमाज अदा करने की घोषणा की गई थी। इसके बाद धृष्टता और दुष्टता की हद तब हुई जब रामनाथपुरम के मुस्लिम लीग सांसद नवाज कानी ने पवित्र पहाड़ी के ऊपर बिरयानी खाई। डीएमके और उसके सहयोगी जिनमें वीसीके, वामपंथी दल, एमडीएमके, अभिनेता विजय की टीवीके, सीमन की एनटीके और एआईएडीएमके शामिल हैं, सबने निर्लज्जतापूर्वक कट्टरपंथी मुस्लिम समूहों का समर्थन किया और कहा कि उन्हें दरगाह पर बकरा काटने, मांस पकाने और नमाज अदा करने की अनुमति दी जानी चाहिए।हिंदू मुन्नानी ने इसे हिंदुओं से पहाड़ी को छीनने का षडयंत्र करार दिया। ऐसा ही मुगल आक्रमणकारियों ने किया था। पहाड़ी पर प्रसिद्ध और पूजनीय भगवान मुरुगन मंदिर के अलावा एक दर्जन हिंदू मंदिर हैं। जवाबी कार्रवाई के तौर पर, हिंदू मुन्नानी ने 4 फरवरी को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की और इसके लिए बाकायदा पुलिस से अनुमति मांगी। उच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद पुलिस अधिकारियों ने आखिरी समय तक फाइलों को लंबित रखा और मामले को टालने की कोशिश की। पुलिस ने फिर दो दिनों के लिए शहर में धारा 144 भी लगा दी। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि मदुरै में प्रवेश करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निजी वाहन मालिकों को धमकी दी गई कि अगर वे विरोध प्रदर्शन के लिए लोगों को मदुरै ले जाते हुए पाए गए तो उनके वाहन जब्त कर लिए जाएंगे और परमिट रद्द कर दिया जाएगा। हिंदू मुन्नानी, भाजपा और अन्य संगठन के पदाधिकारियों को नजरबंद कर दिया गया या उन्हें हिरासत में ले लिया गया।इन सारी प्रताड़नाओं और घेरेबंदियों के बावजूद अडिग हिंदू मुन्नानी ने द्रविड़ मॉडल डीएमके सरकार के ऐसे कठोर उपायों को नाकाम कर दिया। हिंदू मुन्नानी ने ऐलान किया कि वे अपने घोषित कार्यक्रम से पीछे नहीं हटेंगे और चाहे कुछ भी हो अपनी योजना पर आगे बढ़ेंगे। पुलिस की कार्रवाई का मुकाबला करने के लिए संगठन ने अपने कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार की बसों और ट्रेनों का उपयोग करने की सलाह दी ताकि यात्रा के बीच में या मदुरै के पास रोके जाने से बचा जा सके। डीएमके-नियंत्रित पुलिस ने भगवान मुरुगन के दर्शन के लिए कावड़, बेल और अन्य अनुष्ठान सामग्री ले जा रहे भक्तों को बड़ी तादाद में गिरफ्तार किया। उन्हें थिरुपरनकुंद्रम जाने की अनुमति नहीं दी गई और उन्हें उनके संबंधित शहरों में ही रोक दिया गया। जवाब में, हिंदू मुन्नानी और भाजपा ने थिरुपरनकुंद्रम मंदिर बचाओ के बैनर तले मदुरै को छोड़कर सभी जिला मुख्यालयों और महत्वपूर्ण शहरों में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की।विवाद तब और बढ़ गया जब पूर्व सीएम अन्नादुरई की पुण्यतिथि मनाने के लिए मदुरै में धारा 144 के बावजूद डीएमके को जुलूस निकालने की अनुमति दी गई। हिंदू मुन्नानी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और सवाल किया कि डीएमके के जुलूस को अनुमति क्यों दी गई जबकि उनके धार्मिक आयोजन को अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने जोर देकर कहा कि मंदिर में जाना और भगवान मुरुगन के दर्शन करना उनका मौलिक अधिकार है। यह पहली बार नहीं है जब हिंदुओं ने पहाड़ी पर स्थित मंदिर पर अधिकार का दावा किया है, यह संघर्ष 1923 से चल रहा है। कई कानूनी मामले लंबित हैं और कुछ मामलों में अदालतों ने हिंदुओं के दावों को बरकरार रखा है और पुष्टि की है कि मंदिर मुरुगन भक्तों का है। यहां तक कि तमिलनाडु के आधिकारिक पर्यटन साहित्य में भी कहा गया है कि सिकंदर दरगाह मदुरै शहर के गोरीपलायम में है।जैसा कि अनुमान था, उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने विरोध प्रदर्शन की अनुमति दे दी और पुलिस को निर्देश दिया कि शहर भर में हिरासत में लिए गए सभी लोगों को रिहा किया जाए ताकि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन में भाग ले सकें। इस आदेश से लैस होकर, लाखों हिंदू अपने मंदिर को पुनः प्राप्त करने और इस्लामीकरण के प्रयास को रोकने के लिए एकजुट हुए। प्रदर्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। लोगों ने कहा, यह तस्वीरें हिंदू मुन्नानी की एकता का जीवंत और ज्वलंत प्रमाण हैं। पझंगनाथम में पूरा विरोध स्थल भक्तों के समुद्र में बदल गया, जो वेत्री वेल वीरा वेल और कंदनुक्कु अरोहरा का नारा लगा रहे थे। पूरा क्षेत्र इन नारों से गूंजायमान था।हिंदू मुन्नानी के पदाधिकारी राजेश ने कहा, डीएमके सरकार ने मुस्लिम लीग के सांसद नवाज कानी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जिन्होंने पहाड़ी के ऊपर बिरयानी खाई थी। न ही डीएमके विधायक के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई, जिन्होंने दावा किया कि यह वक्फ की सम्पत्ति है। पुलिस ने हिंदुओं को अनुमति देने से इन्कार करते हुए और धारा 144 लगा दी। इस तरह के कठोर उपायों को कब तक लागू किया जा सकता है? जल्द ही, मुरुगन भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण त्यौहार थाई पूसम मनाया जाएगा। क्या वे तब भी भक्तों को रोकेंगे? यह सही समय है कि सरकार निर्णायक रूप से कार्रवाई करे और मंदिर पर हिंदुओं के अधिकारों का दावा करे।

वरिष्ठ भाजपा नेता एच. राजा ने विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने वाले उच्च न्यायालय के आदेश की सराहना की। उन्होंने कहा कि अदालत ने न केवल हिंदू मुन्नानी के विशाल धार्मिक प्रदर्शन की अनुमति दी है, बल्कि गिरफ्तार किए गए या निवारक हिरासत में रखे गए सभी लोगों को रिहा करने का भी आदेश दिया है। भाजपा तमिलनाडु ने भगवान मुरुगन के छह पवित्र निवासों में से एक थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर कब्जा करने के प्रयासों की कड़ी निंदा की और हिंदू भक्तों के प्रति अपने अटूट समर्थन को दोहराया। पार्टी ने कहा कि पहाड़ी पर कब्जा करने की कोशिश करने वालों के लिए किसी भी तरह का उत्पीड़न या समर्थन सफल नहीं होगा, क्योंकि अंतिम जीत हिंदुओं की ही होगी। भाजपा नेता ने कहा कि भक्तों की भावना अपनी पवित्र विरासत की रक्षा के संकल्प में अडिग है।

गाजा...

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि गाजा के पुनर्निर्माण में अगर अमेरिकी सेना की जरूरत पड़ी तो वे सेना को भी गाजा में तैनात करने पर विचार कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा, अगर यह जरूरी हुआ तो हम ऐसा करेंगे। वहीं इज़राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भी ट्रंप की इस योजना का समर्थन किया और इस पर खुशी जाहिर की। नेतन्याहू ने कहा, हम चाहते हैं कि गाजा भविष्य में अब कभी भी इज़राइल के लिए खतरा न बने, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप इसे एक नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। ट्रंप का विचार अलग है और इससे गाजा का भविष्य बदल जाएगा। इस विचार पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो इससे इतिहास बदल सकता है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक और अहम बात कही। उन्होंने सुझाव दिया कि गाजा से विस्थापित हुए फलस्तीनियों को युद्धग्रस्त गाजा के बाहर स्थायी तौर पर बसाया जाना चाहिए। ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं लगता कि लोगों को गाजा में वापस जाना चाहिए। आप अभी गाजा में नहीं रह सकते। हमें दूसरी जगह तलाशने की जरूरत है और यह ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां लोग खुशी से रह सकें। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि बीते एक दशक से देखें तो गाजा में सिर्फ लोगों की जान गई है। यह वर्षों से हो रहा है। अगर हम लोगों को किसी अच्छी जगह फिर से बसा सकें और उन्हें अच्छे घर दे सकें तो इससे लोग भी खुश होंगे और फिर किसी की जान नहीं जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल गाजा पट्टी पर मिलकर काम करेंगे। दोनों देश गाजा पट्टी के भविष्य के लिए जिम्मेदार होंगे। सभी खतरनाक गैर-विस्फोटित बमों और अन्य हथियारों को नष्ट किया जाएगा। जमीन को समतल कर नई इमारतों का निर्माण कराया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि वह दीर्घकालिक स्वामित्व की स्थिति महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में बहुत लोगों से बातचीत की है। सबका विचार है कि गाजा में संयुक्त राज्य अमेरिका का नियंत्रण होनी चाहिए। वहां रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। नए गाजा के विकास में फिलिस्तीनी शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने कहा कि वह गाजा में शेष बंधकों को मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप के प्रस्ताव की तारीफ की। उन्होंने कहा, लगता है राष्ट्रपति ट्रंप ने इस प्रयास में बड़ी ताकत और शक्तिशाली नेतृत्व को जोड़ा है। संघर्ष विराम और बंधक रिहाई समझौते पर हस्ताक्षर करने के अपने सभी प्रयासों के लिए ट्रंप को अभी भी तीन चरण की योजना के शेष दो चरणों की देखरेख करने की आवश्यकता होगी। नेतन्याहू के वाशिंगटन आने से पहले ट्रंप ने ईरान के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए एक निर्देश पर हस्ताक्षर किए हैं। नेतन्याहू रविवार देर रात राष्ट्रपति ट्रंप के अतिथि निवास ब्लेयर हाउस पहुंचे। उनके अमेरिका में सप्ताह के अंत तक रुकने की उम्मीद है।

अमेरिकी सेना के...

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग हैं। इनमें 33 गुजरात के हैं, 30 पंजाब के हैं जबकि दो-दो निर्वासित उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ से हैं और तीन लोग महाराष्ट्र से हैं। अमेरिका से डिपोर्ट कर लाए गए भारतीयों को मेक्सिको-अमेरिकी सीमा से पकड़ा गया था। ये भारत से वैध तरीके से रवाना हुए थे लेकिन इन्होंने डंकी रूट के जरिए अमेरिका में घुसने की कोशिश की थी।पंजाब पुलिस ने एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी है। पंजाब सरकार ने लोगों को उनके राज्य में वापस पहुंचाने के लिए मिनी बसों का इंतजाम किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बैठक में यह फैसला लिया गया कि निर्वासितों की सहायता के लिए एयरपोर्ट पर काउंटर लगाए जाएंगे। राज्य पुलिस लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है और निर्वासितों के पिछले आपराधिक रिकॉर्ड को मौके पर ही खंगाला जा रहा है। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिका से भेजे गए 30 पंजाबियों में से अधिकतर गुरदासपुर, अमृतसर और तरनतारन सहित माझा क्षेत्र से हैं। जबकि कुछ लोग जालंधर, नवांशहर, पटियाला, मोहाली और संगरूर से हैं।

पंजाब के एसोसिएशन ऑफ कंसल्टेंट्स फॉर ओवरसीज स्टडीज के कार्यकारी सदस्य नितिन चावला ने कहा, पहले कनाडा ने भारतीयों को निर्वासित किया था और अब अमेरिका ऐसा कर रहा है। उन्होंने 20,000 से ज्यादा लोगों की सूची बताई है। चावला ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम उनका घर वापसी पर स्वागत कर रहे हैं लेकिन यह आत्म-निरीक्षण का विषय है। जो लोग वापस आ रहे हैं, उनसे उन लोगों के बारे में पूछा जाना चाहिए जिन्होंने उन्हें अवैध रूप से भेजा था ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा जो लोग गए थे वे भी जानबूझकर अवैध तरीकों से जा रहे थे इसलिए विक्टिम कार्ड खेलना भी सही नहीं है। इस अवैध इमिग्रेशन के पीछे माफिया का पता लगाने के लिए जांच की जानी चाहिए। चूंकि ट्रैवल एजेंटों के पास हमेशा लाइसेंस होता है और वे हमेशा कानूनी तरीके अपनाते हैं। जो लोग डंकी रूट या अन्य अवैध तरीकों से लोगों को भेजने के लिए पैसे कमाते हैं, वे कभी रजिस्टर्ड ट्रैवल एजेंट नहीं होते। वे कुछ दिनों के बाद अपने फोन नंबर बदल देते हैं।

अमेरिका से डिपोर्ट होकर भारत लौटे 104 लोगों को लेकर अमेरिकी सेना का विमान आज दोपहर अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचा। अमृतसर में विमान उतारने की कई वजहें रही हैं। मुख्य कारण यह रहा कि अमेरिका से डिपोर्ट हुए भारतीय नागरिकों में पंजाब और हरियाणा के लोग ज्यादा थे। इसके अलावा दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमान को इस वजह से भी नहीं उतारा गया क्योंकि बुधवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो रहा था। एक यह वजह भी है कि दिल्ली में इस मसले को ज्यादा हवा मिल सकती थी।

एग्जिट पोल्स ...

पी-मार्क पोलिंग एजेंसी के आंकड़ों की मानें तो भाजपा आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार कर सकती है। पार्टी यहां 39-49 सीटें पा सकती है। दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी को 21 से 31 सीटें मिलती दिख रही हैं। कांग्रेस को इसमें 0-1 सीट मिल सकती है।

वी-प्रीसाइड पहला एग्जिट पोल है, जिसमें आम आदमी पार्टी की सरकार बचती दिख रही है। वी प्रीसाइड ने आम आदमी पार्टी को 46-52 सीटें दी हैं। वहीं, भाजपा को 18-23 सीट जीतते हुए दिखाया गया है। इस एग्जिट पोल में भी कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा माइंड ब्रिक ने आम आदमी पार्टी को 44-49 सीट के अनुमान के साथ सरकार बचती हुई दिखाया है। भाजपा को 21-25 सीट और कांग्रेस को 0-1 सीट का अनुमान लगाया गया है। डीवी रिसर्च ने भाजपा के 36-44 सीट जीतकर सरकार में आने की संभावना जताई है। इस एग्जिट पोल में आप को 26-34 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। वहीं कांग्रेस का खाता नहीं खुलने का अनुमान है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए 699 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां आज यानी 5 फरवरी 2025 को सभी सीटों पर एक ही चरण में मतदान कराया गया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के संदीप दीक्षित और भाजपा के प्रवेश वर्मा भी इसी सीट से उम्मीदवार हैं। दूसरी तरफ मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना पिछली बार की तरह ही इस बार भी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ रही हैं। इसी सीट पर भाजपा से उन्हें रमेश बिधूड़ी टक्कर दे रहे हैं।

कोयला लेवी ...

के समक्ष तीन अभियोजन शिकायतें दर्ज की हैं, जिसने दायर शिकायतों का संज्ञान लिया है। एजेंसी द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है।

ईडी ने अक्टूबर 2022 में मामले की जांच शुरू की थी और करोड़ों (540 करोड़ रुपए) के कोयला लेवी घोटाले का पर्दाफाश करने का दावा किया था, जिसमें वरिष्ठ नौकरशाहों, कोयला कारोबारियों, राजनेताओं और बिचौलियों के एक गिरोह द्वारा राज्य में परिवहन किए जाने वाले प्रत्येक टन कोयले पर 25 रुपए की अवैध उगाही की गई थी। ईडी ने आरोप लगाया कि कोयला ट्रांसपोर्टरों के लिए जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) को लागू करने के लिए किए गए संशोधनों ने मुख्य सरगना सूर्यकांत तिवारी को जबरन वसूली के रैकेट को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रेरित किया, जिसके तहत ट्रांसपोर्टरों और कोयला कारोबारियों को उक्त प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए 25 रुपए प्रति मीट्रिक टन की जबरन वसूली तय की गई थी।

ईडी की जांच के आधार पर आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पिछले साल जनवरी में इस मामले में सौम्या चौरसिया, आईएएस रानू साहू, समीर विश्नोई, सूर्यकांत तिवारी, पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता अमरजीत भगत, कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक चंद्रिका प्रसाद राय और अन्य सहित 35 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

भारत सरकार ने ...

इटली और ऑस्ट्रेलिया ने भी चाइनीज एआई टूल डीपसीक को बैन किया है।

सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाने की वजह है, डेटा लीक का खतरा। चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे एआई मॉडल उपयोगकर्ता द्वारा डाले गए डेटा को बाहरी सर्वरों पर प्रोसेस करते हैं। इसका मतलब है कि यदि सरकारी कर्मचारी गोपनीय जानकारी इन टूल्स में दर्ज करते हैं, तो वह डेटा संग्रहीत, एक्सेस या दुरुपयोग हो सकता है। सरकारी विभागों में वित्तीय डेटा, नीतिगत मसौदे और आंतरिक संचार जैसे संवेदनशील डेटा होते हैं। यदि यह डेटा लीक होता है, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक नीति के लिए गंभीर खतरा हो सकता है।

एआई मॉडल पर सरकारी नियंत्रण की कमी है। सरकारी कार्यालयों में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक सॉफ्टवेयर के विपरीत, एआई टूल्स क्लाउड-आधारित होते हैं और निजी कंपनियों के स्वामित्व में होते हैं। उदाहरण के लिए, चैटजीपीटी का स्वामित्व ओपेनएआई के पास है, और सरकार के पास यह नियंत्रित करने का कोई तरीका नहीं है कि ये टूल्स जानकारी को कैसे संग्रहीत या प्रोसेस करते हैं। यह विदेशी हस्तक्षेप और साइबर हमलों के लिए एक संभावित खतरा बन सकता है।

भारत सरकार डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीटीपी) अधिनियम-2023 जैसे कड़े डेटा सुरक्षा कानूनों पर काम कर रही है। यदि सरकारी कर्मचारियों को बिना स्पष्ट नियमों के एआई टूल्स का उपयोग करने की अनुमति दी जाती है, तो इससे डेटा सुरक्षा नीतियों का उल्लंघन हो सकता है और सरकारी सिस्टम को साइबर हमलों के प्रति असुरक्षित बना सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी...

सुविधाओं के विषय में सीएम योगी से जानकारी भी ली। बोट से भ्रमण के दौरान पीएम मोदी ने त्रिवेणी संगम में मौजूद श्रद्धालुओं का भी अभिवादन स्वीकार किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब त्रिवेणी संगम पहुंचे तब आम श्रद्धालु भी संगम स्नान कर रहे थे। पीएम मोदी के आगमन के बावजूद लोगों को स्नान करने से रोका नहीं गया था। वीवीआईपी मूवमेंट के बाद भी कहीं कोई गतिरोध उत्पन्न नहीं हुआ और एक तरह से पीएम मोदी और अन्य श्रद्धालुओं ने एक साथ ही त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। इससे श्रद्धालु भी प्रसन्न नजर आए और संगम तट पर लाखों लोगों की मौजूदगी में हर हर गंगे और मोदी-मोदी के जयकारे गुंजायमान होते रहे। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से प्रारंभ हुए महाकुंभ में अब तक वीवीआईपी मूवमेंट के बावजूद श्रद्धालुओं को संगम स्नान में कहीं कोई दिक्कत नहीं आ रही है। इसी का नतीजा है कि मात्र 24 दिनों में अब तक 39 करोड़ श्रद्धालु संगम में पावन डुबकी लगा चुके हैं।

इससे पूर्व पीएम मोदी ने महाकुंभ की शुरुआत से एक माह पूर्व 13 दिसंबर को प्रयागराज का दौरा किया था और 5500 करोड़ रुपए की 167 परियोजनाओं की सौगात दी थी। इसमें यात्री सुविधाओं के लिए रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन और डेवलपमेंट के साथ-साथ आरओबी फ्लाईओवर, सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण की प्रमुख परियोजनाएं सम्मिलित थीं।

सऊदी अरब ने...

उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आज फलस्तीनियों की गंभीर मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए काम करना चाहिए। फलस्तीनी अपनी जमीन के लिए प्रतिबद्ध हैं और इससे पीछे नहीं हटेंगे। हमारा अलग फलस्तीनी राज्य को लेकर रुख किसी बातचीत के अधीन नहीं है। हालांकि सऊदी अरब सुरक्षा समझौते और अन्य शर्तों के बदले इज़राइल को राजनयिक मान्यता देने को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है।दूसरी तरफ, हमास ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। हमास ने कहा कि गाजा में नरसंहार और विस्थापन के अपराध के लिए इज़राइल जिम्मेदार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप उसे दंडित करने के बजाय पुरस्कृत कर रहे हैं। हम ट्रंप के उन बयानों को खारिज करते हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि गाजा पट्टी के निवासियों के पास छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हम उन्हें क्षेत्र में अराजकता और तनाव पैदा करने की वजह मानते हैं।

सुंदरकांड का पाठ करने से पहले जान लें यह नियम

सुंदरकांड का पाठ करने से साधक को कई तरह के लाभ मिलते हैं, लेकिन आपको ये लाभ तभी नजर आएंगे, जब आप पाठ के दौरान इन नियमों का ध्यान रखेंगे। तो चलिए जानते हैं सुंदरकांड के पाठ से संबंधित कुछ नियम।

समय का रखें ध्यान

सुंदरकांड का पाठ करने के लिए मंगलवार, रविवार और शनिवार का दिन उत्तम माना गया है। साथ ही अमावस्या के दिन सुंदरकांड का पाठ करना वर्जित माना गया है। इस बात का भी खास तौर से ध्यान रखें कि कभी भी रात में सुंदरकांड का पाठ नहीं करना चाहिए, वरना इससे आपको पाठ का पूरा लाभ नहीं मिलता।

इन बातों का रखें ख्याल

हमेशा स्नान करने के बाद ही सुंदरकांड का पाठ शुरू करें। साफ-सुथरे कपड़े पहने और स्वच्छता व पवित्रता का ध्यान रखें। इसके बाद हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर के सामने बैठकर सुंदरकांड का पाठ करें। मूर्ति या तस्वीर इस प्रकार की होनी चाहिए, जिसमें प्रभु श्री राम, माता सीता व लक्ष्मण भी हों।

तभी मिलेगा पूर्ण फल

समूह में भी सुंदरकांड का पाठ किया जा सकता है। इसी के साथ अगर आप 11, 21, 31, 41 दिन तक ये पाठ करते हैं, तो इससे आपको जीवन में अद्भुत परिणाम देखने को मिलते हैं। वहीं ब्रह्म मुहूर्त में सुंदरकांड का पाठ करना अधिक लाभदायक माना जाता है।

मिलते हैं कई लाभ

नियमानुसार पाठ करने से साधक को बजरंगबली का आशीर्वाद तो प्राप्त होता ही है, साथ ही जीवन में आ रही सभी प्रकार की बाधाएं दूर होने लगती हैं। इसी के साथ साधक को श्री हनुमान जी से बल, बुद्धि और विद्या का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही इससे व्यक्ति का मनचाहा काम भी जल्द पूरा होने के योग बनने लगते हैं।

काले हनुमान जी का रहस्य कर देगा हैरान एक बार दर्शन से कट जाएंगे सभी पाप

भारत में ऐसे कई मंदिर हैं, जिनसे जुड़ी अलग-अलग मान्यताएं और पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। इन्हीं में से एक यूपी के भरतपुर शहर में स्थित गंगा मंदिर के पीछे प्राचीन श्री काले हनुमान जी मंदिर विराजमान है। यह एक ऐसा अनोखा मंदिर है, जहां पर हर रोज भक्तों की भारी मात्रा में भीड़ उमड़ती है। इस धाम में दर्शन करने के लिए लोग देश नहीं बल्कि विदेश से भी आते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि यहां एक बार दर्शन मात्र से व्यक्ति की सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं, तो चलिए वीर हनुमान जी के इस दिव्य मंदिर से जुड़ी कुछ प्रमुख बातों को जानते हैं।

कैसे भरतपुर में विराजमान हुए काले हनुमान जी?

इस मंदिर को लेकर माना जाता है कि जब नागा साधुओं का एक समूह हनुमान जी की काली मूर्ति को लेकर उनकी स्थापना के लिए जा रहे थे, तभी उनकी गाड़ी भरतपुर क्षेत्र से गुजरी। इसके बाद उनकी गाड़ी आगे ही नहीं बढ़ पाई। लाख प्रयास के बावजूद कोई कुछ नहीं कर पाया।

सभी प्रयास असफल होने के बाद नागा साधुओं ने थक हार कर उस मूर्ति को वहीं स्थापित कर दिया। तभी से दिन बीतने के साथ इस मंदिर की महिमा बढ़ती जा रही है।

यहां क्यों है हनुमान जी की प्रतिमा काली?

आपको बता दें कि इस धाम का इतिहास करीब 150 साल पुराना है। वहीं, हनुमान जी की काली प्रतिमा को लेकर इस मंदिर के पुजारियों का कहना है कि जब हनुमान जी ने लंका दहन किया था। उस दौरान उनका पूरा शरीर काला पड़ गया था और हनुमान जी की ये मूर्ति उसी समय का स्वरूप है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहां पर आने वाले श्रद्धालु राम भक्त को लाल चोला की जगह काला चोला चढ़ाते हैं और उनके मुख पर केसरिया रंग लगाते हैं।

रवि प्रदोष व्रत पर ध्यान रखें ये बातें ताकि आपको मिले पूजा का पूरा फल

प्रदोष व्रत की पूजा प्रदोष काल में करना शुभ माना गया है। माघ का दूसरा प्रदोष व्रत रविवार के दिन पड़ है। ऐसे में इसे रवि प्रदोष व्रत भी कहा जाएगा। इस दिन पर अगर आप व्रत से संबंधित कुछ बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको भोलेनाथ की असीम कृपा प्राप्त हो सकती है।

रवि प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

माघ माह के शुक्ल पक्ष त्रयोदशी तिथि 09 फरवरी को शाम 07 बजकर 25 मिनट पर शुरू होने जा रही है। वहीं इस तिथि के समापन की बात करें, तो यह तिथि 10 फरवरी को शाम 06 बजकर 57 मिनट तक रहने वाली है। इस प्रकार रवि प्रदोष व्रत रविवार, 09 फरवरी 2025 को जाएगा। इस दिन पूजा का मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहने वाला है।

शिव जी की पूजा का मुहूर्त - शाम 07 बजकर से मिनट से 08 बजकर 42 मिनट तक

इस तरह करें पूजा

प्रदोष व्रत की पूजा के दौरान शिवलिंग का पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, और से अभिषेक करें। इसके बाद साफ जल में गंगाजल मिलाकर अभिषेक करें। अब शिव जी को बेलपत्र, फल, फूल, धूप-दीप और नैवेद्य चढ़ाएं। पूजा के बाद शिवजी के 'ऊँ नमः शिवाय' मंत्र का रुद्राक्ष की माला से जप करें और अंत में शिव जी की आरती करें। इसी के आप शिव तांडव स्तोत्र और शिव चालीसा का पाठ भी कर सकते हैं।

भूल से भी न करें ये काम

प्रदोष व्रत के दिन तामसिक चीजों के सेवन से बचना चाहिए। साथ ही इस दिन मन में किसी तरह के गलत विचार न लाएं। इसी के साथ व्रत करने साधक को नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके स्थान पर केवल फल और जल का सेवन करें। साथ ही इस दिन व्रत करने वाले साधक को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इन सभी बातों का ध्यान रखने पर ही आपका व्रत पूर्ण माना जाता है।

मार्च महीने में दो बार लगेगा ग्रहण

14 को चंद्र ग्रहण और 29 मार्च को सूर्य ग्रहण लगेगा

ज्योतिष शास्त्र में राहु और केतु को मायावी ग्रह कहा जाता है। राहु और केतु आत्मा के कारक सूर्य देव एवं मन के कारक चंद्र देव को अपना शत्रु मानते हैं। अमृत पान के समय सूर्य और चंद्र ने स्वरभानु को पहचान लिया था। यह बात उन्होंने भगवान विष्णु को बता दी थी। उस समय भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से स्वरभानु का वध कर दिया। हालांकि, स्वरभानु तब तक अमृत पान कर चुका था। इसके लिए स्वरभानु की मृत्यु नहीं हुई। तब भगवान विष्णु ने स्वरभानु के सर और धड़ को दो अलग दिशाओं में फेंक दिया। इसके चलते स्वरभानु वक्री चाल चलते हैं। राहु के द्वारा सूर्य या चंद्रमा का ग्रास करने से ग्रहण लगता है।

चंद्र ग्रहण – ज्योतिषियों की मानें तो 14 मार्च को साल का पहला ग्रहण लगेगा। इस शुभ अवसर पर होली भी है। होली का त्योहार फाल्गुन पूर्णिमा पर मनाया जाता है। इसके लिए 14 मार्च को चंद्र ग्रहण लगने वाला है। चंद्र ग्रहण का समय सुबह 09 बजकर 29 मिनट से लेकर दोपहर 03 बजकर 29 मिनट तक है। हालांकि, चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसके लिए सूतक भी मान्य नहीं होगा।

सूर्य ग्रहण – ज्योतिषियों की मानें तो साल 29 मार्च को सूर्य ग्रहण लगेगा। इस शुभ अवसर पर न्याय के देवता शनिदेव राशि परिवर्तन करेंगे शनिदेव 29 मार्च के दिन कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। वैदिक पंचांग के अनुसार, 29 मार्च को चैत्र अमावस्या भी है। इस दिन ही सूर्य ग्रहण लगेगा। यह साल का पहला सूर्य ग्रहण होगा। चंद्र ग्रहण की भांति सूर्य ग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा।

क्या करें और क्या न करें

ज्योतिषियों की मानें तो ग्रहण के दौरान कोई भी शुभ काम नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही खानपान से भी परहेज करना चाहिए। नकारात्मक जगहों पर जाने से बचें। ग्रहण के दौरान भगवान विष्णु के नामों का मंत्र जप करें। साथ ही महामृत्युंजय मंत्र का जप करें। इन उपायों को करने से साधक पर भगवान विष्णु की कृपा बरसती है।

मूलांक 2 पर बरसेगी चंद्र देव की कृपा, बनेंगे बिगड़े काम

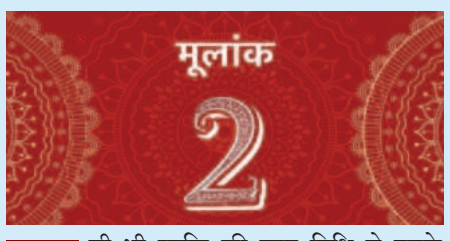

किसी भी व्यक्ति की जन्म तिथि से उसके मूलांक का पता लगाया जाता है। उदाहरण के लिए अगर किसी व्यक्ति का जन्म किसी भी महीने की 10 तारीख को हुआ है, तो उसका मूलांक 01 होगा, क्योंकि 0 और 1 को जोड़ने पर 1 प्राप्त होता है। ऐसे में आज हम आपको एक खास मूलांक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके लिए फरवरी का महीना काफी खास रहने वाला है।

ये है वो मूलांक

हम बात कर रहे हैं मूलांक 2 की। जिस किसी जातक का जन्म किसी भी महीने की 2, 11, 20 या 29 तारीख को होता है, उनका मूलांक 02 माना जाता है। इस मूलांक के ग्रह स्वामी चंद्र देव होते हैं। यही कारण है कि इस मूलांक पर चंद्र देव की विशेष कृपा बरसती है। चंद्र देव को मन का कारक माना गया है। माना जाता है कि मूलांक 02 के जातक बहुत ही शांत स्वभाव के होते हैं। इसी के साथ चंद्रमा के प्रभाव से इनके स्वभाव में चंचलता भी पाई जाती है।

मिलेंगे ये फायदे

चंद्र देव की कृपा से इस मूलांक के जातकों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिल सकती है। इसी के साथ जिस कार्य के लिए आप कड़ी मेहनत कर रहे हैं, फरवरी के महीने में आपका वह काम सफल होगा। इसी के साथ जो लोग किसी क्रिएटिव काम से जुड़े हुए हैं, उन्हें भी लाभ मिलने वाला है। इस महीने आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार देखने को मिलने वाला है।

करें ये उपाय

मूलांक 2 के जातकों को चंद्र देव की कृपा प्राप्ति के लिए महादेव की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने की सलाह दी जाती है। इससे आपको काफी लाभ देखने को मिल सकता है। इसी के साथ जिन जातकों के विवाह आदि में बाधा आ रही है, उन्हें भी भगवान शिव की उपासना करनी चाहिए, क्योंकि इससे कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है।

राजयोग से इन राशियों के जीवन में नहीं होगी धन की कमी, गुरु-शुक्र दिलाएंगे अच्छा लाभ

गुरु और शुक्र दोनों ही ग्रह इस समय एक दूसरे की राशि में विराजमान हैं। गुरु शुक्र की राशि वृषभ में है जबकि शुक्र गुरु का राशि मीन में हैं। इससे राशि परिवर्तन का निर्माण हुआ है। जिस कारण से कुछ राशि वालों को अच्छा खासा लाभ मिलने के योग हैं।

ग्रहों के राशि परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों के जातकों के ऊपर अवश्य ही पड़ता है। ग्रह राशि परिवर्तन के साथ-साथ अन्य दूसरे ग्रहों के साथ युति भी करते हैं जिससे तरह के योगों का निर्माण होता है। आपको बता दें कि दो प्रमुख ग्रह शुक्र और गुरु की युति होने से परिवर्तन योग का निर्माण हुआ है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को प्रेम, सौंदर्य, सुख, ऐश्वर्य, धन और विवाह का कारक ग्रह माना जाता है। दरअसल शुक्र समय अपनी उच्च राशि मीन में विराजमान हैं और मीन राशि के स्वामी ग्रह गुरु होते हैं। शुक्र और गुरु की आपस में शत्रुता का भाव रखते हैं। वहीं दूसरी तरफ देवगुरु बृहस्पति अपनी शत्रु शुक्र की राशि वृषभ में मौजूद है। इस तरह से शुक्र और गुरु के के एक दूसरे की राशि में होने से परिवर्तन योग का निर्माण हुआ है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब दो शत्रु ग्रह एक दूसरे के घरों में रहते हैं तो वे नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। बल्कि शुभ फलों में बढ़ोतरी करते है।

मेष राशि –मेष राशि के जातकों लिए गुरु-शुक्र का राशि परिवर्तन योग बहुत ही शुभ साबित हो सकता है। शुक्र का गोचर आपकी कुंडी के ग्यारहवें भाव में है। गुरु जहां वृषभ राशि में हैं वहीं शुक्र अपनी उच्च राशि में हैं। शुक्र का ग्यारहवें भाव में होना बहुत ही लाभकारी है। ऐसे में मेष के जातकों को अचानक धन लाभ के योग बना रहा है। इस राशि के जातकों को अच्छा खासा धन के मिलने की संभावना है। आप अपने शत्रुओं पर हावी होंगे। कार्यों में सफलता मिलने के अच्छे योग बन रहे हैं। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आने वाली तरह की बाधाएं दूर होंगी। जो लोग बेरोजगार उन्हें नौकरी मिल सकती है। परिवार संग अच्छा समय बीतेगा।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए शुक्र और गुरु के संयोग से परिवर्तन राजयोग बहुत ही शुभ साबित होगा। कन्या राशि के जातकों के लिए शुक्र सातवें भाव में हैं। ऐसे में शुक्र का गोचर आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यहां धन भाव के स्वामी होकर आपके सप्तम भाव में गोचर कर रहे हैं। शुक्र के अपनी उच्च राशि में होने से मालव्य राजयोग का भी निर्माण हो रहा है। दांपत्य जीवन में मधुरता और रहेगी। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। जो लोग नौकरीपेशा हैं उनको लाभ मिल सकता है और जिन लोगों को नौकरी में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था अब वह खत्म हो जाएगा। मनमुताबिक नौकरी के अवसरों में वृद्धि होगी। वहीं जो लोग व्यापार से संबंधित हैं उन्हें अच्छा मिल सकता है। व्यापार में कोई नई डील मिल सकती है। साझेदारी में आपको अच्छा अवसर मिल सकता है। वाहन और मकान का सुख भी मिल सकता है। लाभ के अवसरों में वृद्धि के योग हैं।

मीन राशि –मीन राशि के जातकों के लिए शुक्र और गुरु का राशि बहुत ही अच्छा साबित हो सकता है। आपकी कुंडली के तीसरे भाव में शुक्र गोचर गोचर कर रहे हैं। ऐसे में परिवर्तन राजयोग का फायदा मीन राशि के जातकों को मिलेगा। इस राशि के जातकों को बंपर लाभ के योग हैं। भाग्य का अच्छा साथ और धन लाभ के में पहले के मुकाबले ज्यादा वृद्धि देखने को मिलेगी। कार्यक्षेत्र में उन्नति के अवसरों में वृद्धि होगी। धन की कमी से जूझना नहीं पड़ेगा। नौकरीपेशा जातकों को वेतन में वृद्धि और मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

पृथ्वी से भारी और आकाश से ऊंचा क्या है? इन सवालों का जबाव देकर युधिष्ठिर ने बचाई थी भाइयों की जान

महर्षि व्यास द्वारा रचित महाभारत ग्रंथ में कौरवों और पांडवों के बीच हुए संघर्ष का वर्णन मिलता है। इसमें एक प्रसंग भी मिलता है, जिसमें यक्ष और युधिष्ठिर के बीच हुए संवाद का वर्णन है। यक्ष और युधिष्ठिर के बीच हुए सवाल-जवाब ज्ञान से परिपूर्ण हैं।

प्यास से व्याकुल हुए पांडव

कथा के अनुसार, जब पांडव वनवास काट रहे थे, तो इस बीच तब एक दिन युधिष्ठिर ने नकुल को पानी लेने के लिए भेजा। नकुल को तलाब ढूंढने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जब तक नकुल तालाब के पास पहुंचा, तब तक बह बुरी तरह से थक चुका था और प्यास से व्याकुल हो रहा था।

जब नकुल पानी पीने लगा, तो उस तालाब में रहने वाले एक यक्ष की आवाज आई और उसने कहा कि तुम तभी इस तालाब का पानी पी सकते हो, जब मेरे सवालों का जवाब दोगे। नकुल ने इस चेतावनी को अनसुना कर दिया और तालाब से पानी पीने लगा। पानी पीते ही नकुल अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। जब कई देर तक नकुल वापस नहीं आया, तब युधिष्ठिर ने सहदेव को भेजा। लेकिन सहदेव ने भी यही गलती की और वह भी अचेत होकर गिर गया।

सभी भाईयों ने दोहराई गलती

सी तरह भीम और अर्जुन भी उन दोनों की खोज पर निकले और तालाब के पास उन्हें अचेत पाया। उन दोनों ने भी यक्ष की बातों को अनसुना कर दिया, जिस कारण उन्हें भी मृत्यु का सामना करना पड़ा। अंत में जब युधिष्ठिर उन सभी की खोज में निकले, तो तालाब के पास सभी को मृत अवस्था में पाया। तब युधिष्ठिर ने यक्ष की बातों का ध्यान से सुना और प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हो गए।

यक्ष और युधिष्ठिर के बीच संवाद –

यक्ष ने धर्मराज युधिष्ठिर से कई सवाल पूछे थे, इनका जवाब युधिष्ठिर ने कुछ इस प्रकार दिया था।

यक्ष का सवाल – मैं कौन हूं?

युधिष्ठिर का जवाब – तुम न तो शरीर हो, न ही इंद्रियां, न मन और न ही बुद्धि। तुम शुद्ध चेतना हो, जो सर्वसाक्षी है।

यक्ष का सवाल – पृथ्वी से भारी क्या है?

युधिष्ठिर का जवाब – पृथ्वी से भारी मां है, अर्थात मां पृथ्वी से भी बढ़कर है।

यक्ष का सवाल – आकाश से ऊंचा क्या है?

युधिष्ठिर का जवाब – पिता का कद आकाश से भी ऊंचा होता है।

यक्ष का सवाल – वायु से तेज कौन है?

युधिष्ठिर का जवाब – मन की गति वायु से भी तेज है।

यक्ष का सवाल – तिनकों से अधिक संख्या किसकी है

युधिष्ठिर का जवाब – व्यक्ति की चिंताओं की संख्या तिनकों से कई है।

यक्ष का सवाल – जीवन का उद्देश्य क्या है?

युधिष्ठिर का उत्तर – जीवन का उद्देश्य उसी चेतना को जानना है, जो जन्म और मरण के बंधन से मुक्त है। उसे जानना ही मोक्ष है।

यक्ष का सवाल – जन्म का कारण क्या है?

युधिष्ठिर का उत्तर – अतृप्त वासनाएं, कामनाएं और कर्मफल, जन्म का कारण बनते हैं।

यक्ष का सवाल – वह कौन है, जो जन्म और मरण के बंधन से मुक्त है?

युधिष्ठिर का उत्तर – जिसने स्वयं और आत्मा को जान लिया है, वही जन्म-मरण के बंधन से मुक्त है।

इस प्रकार युधिष्ठिर ने यक्ष के सभी सवालों का सही जवाब दिया। इससे प्रसन्न होकर यक्ष ने ने युधिष्ठिर के सभी भाइयों को पुनर्जीवित कर दिया और पानी भी पीने दिया।

भानुप्रिया ने घरवालों के खिलाफ जाकर एनआरआई से की शादी, तलाक के बाद पति की मौत

भानुप्रिया ने 80 -90 के दशक में बॉलीवुड में कई स्टार्स के साथ काम किया और स्क्रीन पर अपनी शानदार प्रेजेंस के कारण आज भी फैंस याद करते हैं। भानुप्रिया 80 और 90 के दशक में फिल्मों में नजर आईं और अपने लुक और एक्टिंग के कारण बेहद पसंद की गईं। साउथ में खुद स्थापित करने के बाद उन्होंने बॉलीवुड का रूख किया और कई फिल्मों में काम किया। आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में जन्मीं ने 17 साल की उम्र में ही फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर लिया। उनकी पहली फिल्म 'मेल्ला पेसुन्गल' थी जो 1983 में रिलीज हुई थी।

कम ही लोग जानते हैं कि भानुप्रिया का असली नाम मंगा भामा है। उनका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था, जब वो स्कूल में पढ़ाई रहीं थीं, तब एक दिन भाग्यराजा गुरु वहां आए। वो अपनी फिल्म के लिए नए चेहरे की तलाश में थे। एक ऐसी लड़की जो खूबसूरत होने के साथ ही डांसिंग में परफेक्ट हो। उन्हें भानु पसंद आई, लेकिन उन्हें लगा वह इस रोल के लिए छोटी है। ऐसे में फिल्म में नहीं लिया गया।

भानुप्रिया ने 1986 में फिल्म 'दोस्ती दुश्मनी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। 'इंसाफ की पुकार' (1987), 'खुदगर्ज़' (1987), 'मर मिटेंगे'(1988), 'तमंचा' (1988), 'सूर्या' (एन अवेकनिंग) (1989), 'दाव पेंच' (1989), 'ग़रीबों का दाता' (1989), 'कसम वर्दी की' (1989), 'जहरीले' (1990) और 'भाभी' (1991) जैसी कई उन्होंने की। उन्होंने उस दौर के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया। उन्होंने हिंदी फिल्म भाभी में गोविंदा के साथ काम किया था।

भानुप्रिया का करियर दशकों तक चला और काफी शानदार रहा है। 54 वर्षीय भानुप्रिया एक प्रतिभाशाली कुचिपुड़ी डांसर भी हैं और उन्हें इस कला से लगाव है। भानुप्रिया ने खुद डांस के प्रति अपने रुझान को बताया। उन्होंने कहा था, मैंने बचपन में ही डांस सीखना शुरू कर दिया था। स्कूल के बाद मैंने होमवर्क से ज़्यादा डांस को प्राथमिकता दी। मैं रेडियो पर सुने जाने वाले गानों पर कोरियोग्राफी करती थी। फिर मेरे ने मुझे फॉर्मल ट्रेनिंग के लिए दाखिला दिलाया। यह हुनर बाद में सिनेमा में काफी काम आया।।

लेकिन टैलेंटेड एक्ट्रेस ने चमक-दमक की दुनिया से दूरी बना ली है और अब वह अपनी मां और भाई के साथ रहती हैं। एक बातचीत में एक्ट्रेस ने अपने स्वास्थ्य के बारे खुलकर बात की। भानुप्रिया ने बताया कि वह अपने पति के निधन के बाद से ही याददाश्त खोने की समस्या से जूझ रही हैं।अपनी याददाश्त खोने के कारण आने वाली चुनौतियों के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं उन चीजों को याद नहीं रख पाती हूं मुझे करनी चाहिए। शूटिंग शुरू होने के बाद एक बार मैं अपनी लाइनें भूल गई। ऐसा लगभग दो साल से हो रहा है।

बता दें कि 1998 में भानुप्रिया की शादी आदर्श कौशल से हुई थी। वह 2005 से अपने पति से अलग रह रही थीं। 2018 में अपने हार्ट अटैक से मौत के बाद उन्हें चीजों को याद रखना काफी मुश्किल हो रहा था, पिछले दो सालों में उनके लिए हालात और भी बदतर हो गया है।

उन्होंने कहा कि वह ग्लैमर वर्ल्ड से दूर जीवन का आनंद लेती हैं। वह घर पर रहना, किताबें पढ़ना और दैनिक कामों का ध्यान रखना पसंद करती हैं। भानुप्रिया की एक बेटी है, जिसका नाम अभिन्या है। भानुप्रिया को आखिरी बार निर्देशक संध्या राजू की रोमांटिक ड्रामा नाट्यम में देखा गया था, जहां उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी।

डेलबर आर्या ने शाहरुख खान के साथ काम करने की इच्छा जताई

अभिनेत्री डेलबर आर्या, जो फिल्मों और कई बॉलीवुड म्यूजिक वीडियो में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं, अब बॉलीवुड के किंग खान, शाहरुख खान के साथ काम करने का सपना देख रही हैं। हाल ही में, उन्होंने अपनी इस इच्छा को जाहिर किया और एक नए प्रोजेक्ट को लेकर संकेत भी अपनी बेहतरीन प्रतिभा, कड़ी मेहनत और विश्वास की ताकत से डेलबार आर्या निश्चित रूप से एक उभरती हुई स्टार हैं। डेलबरआर्या ने कहा, मैं हमेशा से शाहरुख खान की प्रशंसा करती आई हूँ, न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि उनकी शानदार जर्नी के लिए भी, जो उनकी मेहनत का प्रमाण है। मैं हमेशा से बड़े सपने देखती हूँ और मुझे अपने लक्ष्यों को पाने की शक्ति पर विश्वास है। शाहरुख खान के साथ काम करना मेरी सबसे बड़ी ख्वाहिशों में से एक है। उनकी पर्सनालिटी, प्रोफेशनलिज्म और लोगों से जुड़ने की क्षमता उन्हें एक ड्रीम को-स्टार है। मैं सच में उनकी उस मशहूर लाइन पर विश्वास करती हूँ - अगर किसी चीज़ को शिद्दत से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की कोशिश में लग जाती है। और मैं महसूस कर सकती हूँ कि यह जल्द ही सच होने वाला है। डेलबर आर्या के बयान ने उनके फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अगर यह प्रोजेक्ट सच होता है, तो यह उनके करियर का एक बड़ा मुकाम होगा। डेलबर अपने सपनों को पूरा करने और सीमाओं को पार करने में विश्वास रखती हैं, और उनके फैंस इस संभावित कोलैबोरेशन की आधिकारिक घोषणा बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह सिर्फ एक ख्वाहिश है या फिर किसी बड़े प्रोजेक्ट की झलक, यह तो आने वाला वक्त बताएगा। लेकिन इतना तो तय है कि डेलबर की मेहनत और शाहरुख खान का जादू मिलकर एक यादगार सिनेमा अनुभव बना सकते हैं। जहाँ फैंस इस की पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं, वहीं डेलबर आर्या का भविष्य काफी रोमांचक नजर आ रहा है। काम की बात करें तो डेलबर जल्द ही पंजाबी फिल्म मधाणिया में नजर आएंगी। अपने हर किरदार को वास्तविकता और आकर्षण से भरने की कला के लिए पहचानी जाने वाली डेलबर फिल्म में अपनी एक्टिंग की एक नई झलक दिखाने वाली हैं।

सूरज बड़जात्या ने सुनाया दीदी तेरा देवर दीवाना से जुड़ा मजेदार किस्सा

माधुरी ने किया था सलमान का मेकअप

फिल्म निर्माता-निर्देशक सूरज बड़जात्या ने 1994 में रिलीज फिल्म 'हम आपके हैं कौन' के ट्रैक 'दीदी तेरा देवर दीवाना' से जुड़ा एक मजेदार किस्सा सुनाया। बड़जात्या ने बताया कि गाने के लिए माधुरी ने सलमान का मेकअप किया था। शो 'इंडियन आइडल' में गेस्ट के तौर पर पहुंचे सूरज ने पुरानी यादें ताजा करते हुए एक किस्सा सुनाया, यह एक लंबा और कठिन गाना था, जिसके लिए 16 दिनों की रिहर्सल और 9 दिनों के फिल्मांकन की आवश्यकता थी। हम इसे मजेदार तरीके से पूरा करना चाहते थे।

उन्होंने आगे बताया, मैंने अपने पिता को गाने को लेकर सुझाव दिया कि सलमान को अंतिम सीन के लिए नाइटी पहननी चाहिए। इस विचार से मेरे पिता असहमत थे। हालांकि, नाइटी पहनने के लिए सलमान तुरंत मान गए। पूरी टीम इसे लेकर उत्साहित थी, फिर हमने सेट पर महिला कलाकारों के बीच इस पर वोटिंग का फैसला किया। माधुरी के साथ अन्य डांसर्स को भी यह विचार मजेदार लगा और उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें इस पर काम करना चाहिए। सूरज बड़जात्या ने बताया कि माधुरी ने गाने के इस सीन के लिए सलमान का मेकअप किया था।

'हम आपके हैं कौन' एक म्यूजिकल-रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें परिवार के लिए अपने प्यार का त्याग करने की कहानी है। 'हम आपके हैं कौन' 1982 में रिलीज हुई सचिन पिलगांवकर और साधना सिंह स्टारर 'नदिया के पार' की रीमेक है। बड़जात्या 'बड़ा नाम करेंगे' के साथ ओटीटी पर कदम रखने जा रहे हैं, जो जेन-जेड जोड़े की प्रेम कहानी है।'गुल्लक' फेम पलाश वासवानी ने सीरीज का निर्देशन किया है। सीरीज में ऋतिक घनशानी, आयशा कडुस्कर, कंवलजीत सिंह, अलका अमीन, राजेश जैस, चित्राली लोकेश, दीपिका अमीन, जमील खान, राजेश तैलंग, अंजना सुखानी, साधिका सयाल, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, प्रियंवदा कांत, ओम दुबे, भावेश बबानी और अन्य जैसे कलाकारों की टोली है।'बड़ा नाम करेंगे' में प्यार, खुशी के साथ दिल को छू लेने वाले मिश्रण हैं।

कंगना रनौत ने खोला 'द माउंटेन स्टोरी' कैफे, बताया खास

अभिनेत्री-फिल्मकार और राजनीतिज्ञ कंगना रनौत अब एक कैफे की भी मालकिन बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर कैफे का एक वीडियो शेयर कर उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन के सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक है। अभिनेत्री ने अपने कैफे का नाम 'द माउंटेन स्टोरी' रखा है। कंगना सोशल मीडिया पर लेटेस्ट पोस्ट प्रशंसकों के साथ शेयर करती रहती हैं। अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर उन्होंने अपने कैफे 'द माउंटेन स्टोरी' की झलक दिखाई। कंगना ने 'द माउंटेन स्टोरी' को हिमाचली टच दिया।

वीडियो को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, बचपन का सपना साकार हुआ, हिमालय की गोद में मेरा छोटा सा कैफे 'द माउंटेन स्टोरी' यह एक प्रेम कहानी है। 'द माउंटेन स्टोरी' 14 फरवरी को खुलेगा।कंगना ने कहा, यह मेरे जीवन के सबसे खास प्रोजेक्ट में से एक है, यह मेरा ही विस्तार है, कुछ ऐसा जो ना केवल मेरे दिल के करीब है, बल्कि मेरी जड़ों के भी करीब है और मुझे 'द माउंटेन स्टोरी' के जरिए इसका अनुभव मिलने का अवसर मिला, जिसे पाकर मैं गर्व महसूस कर रही हूं।

कंगना से पहले अन्य कई हस्तियां रेस्टोरेंट, कैफे और होटल खोल चुकी हैं। इस लिस्ट में मलाइका अरोड़ा, अमृता अरोड़ा, करण जौहर, शिल्पा शेट्टी, रकुल प्रीत सिंह, सनी लियोन, धर्मेंद्र, आशा भोसले और बॉबी देओल समेत अन्य हस्तियों के नाम शामिल हैं।

कंगना के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह बायोग्राफिकल-ड्रामा फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आई थीं, जिसकी सह-निर्माता-निर्देशक खुद कंगना हैं। 70 के दशक में भारत में लगी इमरजेंसी पर बनी फिल्म की पटकथा रितेश शाह ने तैयार की है। फिल्म में रनौत देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं। फिल्म 'इमरजेंसी' भारतीय लोकतंत्र के सबसे चर्चित अध्यायों में से एक को मनोरंजक अंदाज में पेश करती है।

इससे पहले अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक पोस्ट शेयर कर अपकमिंग फिल्म की जानकारी दी थी। फिल्म में उनके साथ आर माधवन भी अहम भूमिका में हैं। अभिनेत्री माधवन के साथ 'तनु वेड्स मनु' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' में काम कर चुकी हैं।

अभिनेत्री ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, फिल्म सेट पर होने से ज्यादा आनंददायक कुछ नहीं है।

87 साल की दक्षिण भारतीय अभिनेत्री पुष्पलता का निधन

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री पुष्पलता का लंबी बीमारी के बाद 87 वर्ष की आयु में चेन्नई में निधन हो गया। पुष्पलता ने तमिल, तेलुगू के साथ मलयालम और कन्नड़ सिनेमा की 100 से अधिक फिल्मों में काम किया था। अभिनेत्री ने 1958 में 'शेनकोट्टा सिंघम' से तमिल फिल्म में डेब्यू किया था और 1969 में थिक्कुरिसी सुकुमारन नायर के निर्देशन में बनी नर्स के साथ मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश किया था।अपने पूरे करियर के दौरान दिग्गज अभिनेत्री ने 'शारदा', 'पार मांगले पार', 'नानुम ओरु पेन्न', 'यारुक्कु सोंथम', 'थाये उनक्काग', 'कर्पूरम', 'जीवन नामसम', 'धरिसनम', 'कल्याणरमन', 'सकलकला वल्लवन', 'शिमला स्पेशल' जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में शानदार काम किया।

अभिनेत्री रामचंद्रन, शिवाजी गणेशन, रजनीकांत और कमल हासन समेत अन्य दिग्गज कलाकारों के साथ काम कर चुकी हैं। उनकी कुछ सबसे यादगार भूमिकाओं में रजनीकांत की 'नान अदिमाई इलाई' और कमल हासन की 'कल्याणरमन' और 'सकलाकला वल्लवन' शामिल है।

अभिनय के अलावा, दिग्गज अभिनेत्री पुष्पलता एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नर्तकी भी थीं। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म निर्माण की दुनिया में भी कदम रखा था और दो फिल्मों का निर्माण भी किया था। अभिनय, फिल्म निर्माता, भरतनाट्यम नर्तकी के अलावा वह विज्ञापन की दुनिया में भी हिट थीं। वह 1964 में लक्स के विज्ञापन का चेहरा बन गई थीं। 'नानम ओरु पेन्न' की शूटिंग के दौरान उन्हें अभिनेता और निर्माता एवीएम राजन से प्यार हो गया और बाद में दोनों ने शादी कर ली। उन्हें दो बेटियां हैं।पुष्पलता 1999 में श्री भारती के निर्देशन में बनी फिल्म 'पूवसम' में आखिरी बार पर्दे पर नजर आई थीं। सिनेमा से संन्यास लेने के बाद वह समाज सेविका बन गई थीं।अभिनेत्री लाइमलाइट से दूर जीवन बिता रही थीं। दर्शकों के बीच लोकप्रिय अभिनेत्री के निधन से एक युग का अंत हो गया है, जो अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गई हैं, जो अभिनेताओं और सिनेमा प्रेमियों की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। प्रेमी को वक्त देने की कोशिश करेंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आ जाने के कारण आप उनको समय दे पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपकी उपलब्धी परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी क़ामयाबी की फ़ेहरिस्त में एक नया मोती जड़ेंगे। दूसरों के सामने आदर्श स्थापित करने के लिए ख़ुद को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रखें।काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें । कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

हृदय-रोगियों के लिए सतर्कता के साथ योगा प्राणायाम करना चाहिए आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। विवाद, मतभेद और दूसरों की आपमें कमियाँ निकालने की आदत को नज़रअन्दाज़ करें। नयी परियोजनाओं और ख़र्चों को टाल दें। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सबकी मदद करने की आपकी इच्छा आपको आज बुरी तरह थकाएगी। आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढ़ाएंगे। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में ज़्यादा तनाव न लें और आराम करें। कामकाज के मोर्चे पर आज का दिन काफ़ी अच्छा रहने वाला है। ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जरूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। इस राशि के कारोबारियों को आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। यात्राओं से व्यावसायिक संबंधों में सुधार होगा। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आज प्यार के मामले में सामाजिक बंधन तोड़ने से बचें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती हैं

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 06 फरवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ, शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 09:56 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 07:30 तक
योग : ब्रह्म सायं 06:41 तक
करण : बालव प्रात: 11:41 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:13 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:22 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:06 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , गुप्त नवरात्र पूर्ण , धनिष्ठा में रवि प्रात: 07:49 से

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राज्य सरकार 'विकास भी-विरासत भी' की अवधारणा के साथ कर रही काम : भजनलाल

जालोर,05 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मंदिर सनातन संस्कृति की आत्मा हैं। धार्मिक आस्था के प्रतीक होने के साथ-साथ मंदिर हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना के भी प्रमुख केन्द्र हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। शर्मा बुधवार को जालोर के नरसाणा में श्री दुदेश्वर महादेव मंदिर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंदिरों ने भारतीय परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों को संरक्षित करने का काम किया है। उन्होंने नरसाणा में भव्य दुदेश्वर महादेव मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी और कहा कि यहां भोले भंडारी महादेव की कृपा बरसेगी और यह मंदिर एक महत्वपूर्ण आस्था स्थल के रूप

में उभरकर सामने आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्षम नेतृत्व से देश में सनातन संस्कृति को एक नई ऊर्जा मिली है। प्रधानमंत्री 'विकास भी-विरासत भी' की अवधारणा को आत्मसात करते हुए चल रहे हैं। उनके नेतृत्व में 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में भव्य मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा, भव्य काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर, सोमनाथ मंदिर के विकास कार्य तथा केदार घाटी का पुनर्निर्माण हुआ है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेशभर में मंदिरों एवं आस्था स्थलों के विकास कार्य करवा रही है। हमारी सरकार वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं को अयोध्या, पशुपतिनाथ, काठमांडू एवं अन्य तीर्थस्थलों की यात्रा करवा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खाटूश्याम मंदिर के लिए 100 करोड़ रुपये के कार्य, पूंछरी का लौठा में विकास कार्य, 600 मंदिरों में विभिन्न अवसरों पर विशेष साज-सज्जा और आरती कार्यक्रम, पुष्कर अजमेर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर सहित आस्थाधामों के लिए सौंदर्यीकरण और आधारभूत सुविधाओं के कार्य करवाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास के लिए रोडमैप तैयार किया है। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसे निर्णयों से जहां पानी की आवश्यकता को पूरा किया जा रहा है। वहीं, प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लगातार एमओयू किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी देकर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। पेपरलीक प्रकरणों पर सख्त कार्यवाही करते हुए भर्ती परीक्षाएं अब पारदर्शिता के साथ आयोजित हो रही हैं।

यूडी टैक्स डिमांड नोटिस भी कारण बताओ नोटिस के दायरे में ही आता है : हाईकोर्ट

भरतपुर,05 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी भी किस्म का डिमांड नोटिस कारण बताओ नोटिस के दायरे में आता है। इसलिए सुनवाई का अवसर देकर ही टैक्स की देनदारी कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही तय की जानी चाहिए। जस्टिस अवनीश झींगन व जस्टिस शुभा मेहता की बैंच ने यह आदेश इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की याचिकाओं का निपटारा करते हुए दिए।

इन याचिकाओं में तीनों कंपनियों ने भरतपुर नगर निगम की ओर से 4 जनवरी 2023, 11 फरवरी 2023, 21 मार्च 2023 और 25 मई 2023 को जारी यूडी टैक्स डिमांड नोटिसों को चुनौती दी थी।

इन कंपनियों का कहना था कि उक्त डिमांड नोटिस उन्हें टैक्स की देनदारी का बिना सही आकलन किए और सुनवाई का अवसर दिए बिना ही जारी किए गए हैं। ये नोटिस हाईकोर्ट की ओर से साल 2023 में अशोक अरोडा बनाम राजस्थान सरकार व अन्य के मामले में तय किए कानूनी मापदंड के विपरीत हैं।

सुनवाई के बाद अब इस मामले में हाईकोर्ट तय किया है कि डिमांड नोटिस पर कारण बताओ नोटिस के दायरे में मानकर विचार किया जाए और सुनवाई का अवसर देकर ही कानूनी प्रावधानों के तहत यूडी टैक्स देनदारी तय की जाए।

अदालत ने उक्त फैसले के प्रकाश में तीनों कंपनियों की याचिकाओं का निपटारा करते हुए कंपनियों के प्रतिनिधियों को भरतपुर नगर निगम आयुक्त के समक्ष 27 फरवरी को सुबह 11 बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

अब भरतपुर नगर निगम नियमानुसार सुनवाई कर सभी तेल कंपनियों के 4 करोड़ रुपए से भी अधिक बकाया राशि पर सुनवाई कर निर्णय लेगा।

दिल्ली में भाजपा के पक्ष में माहौल, बनेगी पूर्ण बहुमत की सरकार : शेखावत

जोधपुर,05 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया।गजेंद्र सिंह शेखावत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि दिल्ली में आज विधानसभा चुनाव हो रहा है। आज दिल्ली के भविष्य के लिए निर्णायक दिन है। हमने हरियाणा और महाराष्ट्र में सरकार बनाई। अब दिल्ली में भी हम पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे। दिल्ली में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनेगी और आप सत्ता से बेदखल होगी। दिल्ली की जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है और भाजपा एक विकल्प बनकर उभरी है। हमें उम्मीद है कि दिल्ली की जनता का

जनादेश भाजपा के पक्ष में आएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि दिल्ली के लोग पीएम मोदी के नाम पर भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में वोट कर रहे हैं। दिल्ली की जनता केजरीवाल के भ्रष्टाचार से त्रस्त हो चुकी है। मैंने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कई विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया था। मैं यकीन के साथ कह सकता हूं कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनता से अपील करते हुए कहा कि अगर वे अच्छा सुशासन, मोहल्ला क्लीनिक, अच्छे सरकारी स्कूल और सभी सुविधाएं चाहते हैं तो अपना वोट जरूर करें।

शांति धारीवाल- जीएस संधु की परेशानी बढ़ी

एकल पट्टा प्रकरण में सरकार ने मांगी अग्रिम जांच की अनुमति

जयपुर,05 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल और तत्कालीन आईएएस जी. एस. संधु की मुश्किलें फिर से बढ़ने वाली हैं। राज्य सरकार ने एकल पट्टा मामले में पूर्व हाईकोर्ट जज आर. एस. राठौड वाली एक सदस्यीय कमेटी की जांच में नए फैक्ट्स सामने आने पर हाईकोर्ट से अग्रिम जांच की अनुमति मांगी है। इसके साथ ही सरकार ने पूर्व आईएएस जी. एस. संधू, ओंकारमल सैनी और निष्काम दिवाकर के खिलाफ अभियोजन को वापिस लेने की अर्जी को एसीबी कोर्ट के खारिज करने वाली रिविजन को भी वापिस लेने की अर्जी पेश की है।

मामले में विशेष लोक अभियोजक अनुराग शर्मा के अनुसार अर्जी में कहा

गया है कि ट्रायल कोर्ट में अधूरे और गलत सबूतों के आधार पर क्लोजर रिपोर्ट दायर की गई थी। इस कारण ही पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को मामले में राहत मिल गई थी। इसके साथ ही जस्टिस आर एस राठौड़ की कमेटी की ओर से पेश रिपोर्ट के अनुसार कई नए फैक्ट्स का खुलासा हुआ है। क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने में गलती थी क्योंकि कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों और ठोस सबूतों की अनदेखी की गई थी। इसलिए राज्य सरकार ने पूर्व में की गई गलतियों को सुधारने और भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का निर्णय किया है। राज्य सरकार की दोनों अर्जी पर 10 फरवरी को सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता अशोक पाठक की एसएलपी पर पांच नवंबर, 2024 को पूर्व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और पूर्व आईएएस जी. एस. संधु व अन्य आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई को समाप्त करने वाले राजस्थान हाईकोर्ट के 15 नवंबर 2022 व 17 जनवरी 2023 के आदेश रद्द कर दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट को चीफ जस्टिस को मामले की समीक्षा करके नए सिरे से सुनवाई करके छह महीने में मामले का निपटारा करने को कहा था।

ट्रिपल इंजन की सरकार बनने पर हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छूएगा : सैनी

चंडीगढ़,05 फरवरी (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनाव और संगठनात्मक विषयों को लेकर बुधवार को पंचकूला पार्टी कार्यालय ''पंचकमल'' में भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक हुई। इस बैठक में प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की रणनीति और संगठनात्मक विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में सहमति बनी की कि भाजपा नगर निगम और नगर परिषद के चुनाव सिंबल पर लड़ेगी। कोर कमेटी की बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, सांसद सुभाष बराला, मंत्री कृष्ण बेदी, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता रामबिलास शर्मा, सुनीता दुग्गल, पूर्व मंत्री डा. कमल गुप्ता मौजूद रहे। कोर ग्रुप की बैठक के बाद हरियाणा के

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा नगर निगम और नगर परिषद के चुनाव सिंबल पर लड़ेगी। उन्होंने कहा कि मेयर और चेयरमैनों के चुनाव डायरेक्ट होने हैं। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से आवेदन मांगे गए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बुधवार को स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर दो बैठकें हुई हैं। सीएम आवास पर हुई पहली बैठक में सभी विधायक, जिला अध्यक्ष, चुनाव लड़े हुए प्रत्याशी, मंत्री और जिला प्रभारी और प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कोर ग्रुप की बैठक पार्टी कार्यालय पंचकमल में हुई। कोर ग्रुप की इस बैठक में नगर निकाय चुनाव को लेकर कई निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि 11 फरवरी से नोमिनेशन शुरू होने हैं, इसलिए एक कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है। यह कमेटी जिन-जिन जिलों में चुनाव हैं वहां जाकर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के नाम लेगी। इन नामों पर प्रदेश की कोर कमेटी की बैठक में विचार किया जाएगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कोर ग्रुप की बैठक में चुनाव प्रचार, प्रसार, संकल्प पत्र बनाने पर चर्चा हुई है। जल्द ही जिलों की कमेटी, चुनाव संकल्प समिति, चुनाव संचालन समिति और अन्य समितियों का गठन कर लिया जाएगा। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से आवेदन मांगे जाएंगे जिस पर चुनाव संचालन समिति निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि हमारे पास नगरपालिका चुनाव को भी सिंबल पर लड़ने के सुझाव आए हैं जिस पर चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि प्रदेश के सभी मंत्री, विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और चुनाव लड़े प्रत्याशी नगर निकाय चुनाव में मजबूती से जुटेंगे और हम बड़ी जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में लोगों के जीवन को सरल और सुगम बनाने का काम किया है।

ट्रिपल इंजन की सरकार बनने पर हरियाणा विकास की नई ऊंचाइयों को छूएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव पर बोलते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार से दिल्ली की जनता तंग आ चुकी थी। केजरीवाल ने लोगों से झूठे वादे कर सत्ता हथियाने का काम किया है। अरविंद केजरीवाल के चेहरे का नकाब जनता के सामने उतर चुका है। सैनी ने कहा कि आज वोटिंग के समय दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी की सरकार के प्रति अपना गुस्सा उतारा है।

पार्टी सिंबल पर चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस बैठक में लेगी फैसला : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़,05 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया है कि निकाय चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस की अहम बैठक होने जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने वीरवार को दिल्ली में बैठक बुलाने का फैसला लिया है। इसमें चर्चा की जाएगी कि निकाय चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ा जाएगा या नहीं। क्योंकि मेयर चुनाव कांग्रेस सिंबल पर लड़ती आई है। मेयर के अलावा पार्षद या चेयरमैन का चुनाव चुनाव सिंबल पर लड़ा जाए या नहीं, यह फैसला बैठक में चर्चा के बाद लिया जाएगा।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि चुनाव करवाने में बीजेपी सरकार ने बहुत देरी की। सरकार लगातार इन महत्वपूर्ण चुनावों को टाल रही थी। लेकिन कांग्रेस चुनाव के लिए हमेशा से तैयार है। निकाय चुनाव पर कांग्रेस जल्द अपनी नीति पर फैसला ले लेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना में घोटाला एसीबी ने आरोपी को दबोचा

पंचकूला,05 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा जिले के ग्राम चाहरवाला में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत हुए गबन के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की हिसार टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने आरोपी विनोद कुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जिला जेल, सिरसा भेज दिया गया।

मामला वर्ष 2017-18 का है, जब ग्राम पंचायत चाहरवाला की पूर्व सरपंच कलावती, उनके पति, ग्राम सचिव सुभाष चंद्र और अन्य लोगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक अपात्र व्यक्ति के नाम पर मकान आवंटन की आईडी बनाई। लेकिन, उस आवास योजना के तहत मिली 1,38,000 की सरकारी सहायता राशि को हड़पने के लिए आरोपी विनोद कुमार (तीसरे व्यक्ति) ने अपने खाते में डलवा ली। इस घोटाले में ग्राम पंचायत के तत्कालीन पदाधिकारी भी संलिप्त पाए गए हैं।

ए.सी.बी. ने इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (धारा 13(1)(उ)(ऊ) सहपठित 13(2)) और भारतीय दंड संहिता (खझउ) की धारा 409, 418, 420, 467, 468, 471, 120-बी के तहत केस दर्ज किया था। मामले की गहन जांच के बाद, 4 फरवरी 2025 को हिसार ए.सी.बी. टीम ने आरोपी विनोद कुमार को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को सिरसा के सी.जे.एम. न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल, सिरसा भेज दिया गया। अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इस घोटाले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रहा है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को घर मुहैया कराना है, लेकिन इस तरह की गड़बड़ियों से सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। इस मामले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि कैसे भ्रष्टाचार सरकारी योजनाओं के उद्देश्यों को ध्वस्त कर देता है। प्रशासन को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

हरियाणा विधानसभा में प्रबोधन कार्यक्रम की तैयारियां तेज

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे मुख्य अतिथि

चंडीगढ़,05 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने 14 और 15 फरवरी को होने वाले 'प्रबोधन कार्यक्रम' की तैयारियों के सिलसिले में बुधवार को विधान परिसर का मुआयना कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। 'प्रबोधन कार्यक्रम' के मौके पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि होंगे। उनके गार्ड ऑफ ऑनर के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। विधायकों का प्रशिक्षण विधान सभा के सदन में होगा, इसके लिए सदन समेत पूरे परिसर में विशेष प्रबंध किए जाएंगे।

इस दौरान लोक सभा की ओर से संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान की टीम विधायकों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण देगी। 'प्रबोधन कार्यक्रम' के शुभारंभ पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के गार्ड ऑफ ऑनर के लिए विधान भवन का सेरेमोनियल गेट खोला जाएगा। यहां पर हरियाणा पुलिस की टुकड़ी उन्हें सलामी देगी और वे परेड का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण व वरिष्ठ अधिकारियों की अगुवाई में विधान भवन में प्रवेश करेंगे। विधान सभा के सभी प्रवेश द्वारों के साथ-साथ सदन व प्रमुख रास्तों को फूलों से सजाया जाएगा।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि 15वीं विधान सभा के गठन के बाद लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला पहली बार हरियाणा विधान सभा आ रहे हैं। उनका स्वागत उनके पद की गरिमा के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के विधायकों के लिए यह गर्व की बात है कि ऐसे ज्येष्ठ और श्रेष्ठ व्यक्तित्व के सानिध्य में हमें यह प्रबोधन कार्यक्रम करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विशिष्ट अतिथि व अनेक राज्यों के विधान सभा अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

प्रगति यात्रा के चौथे चरण में रणग्राम पहुंचे मुख्यमंत्री, लाभार्थियों को चेक वितरित किए

मुंगेर (एजेंसियां)।

प्रगति यात्रा के चौथे चरण में आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुंगेर के तारापुर में रणग्राम के आरएनएम स्कूल पहुंचे, जहां उन्होंने धोबाई पंचायत के रण ग्राम के विभिन्न विभागों के स्टॉल, आंगनवाड़ी केंद्र, जीविका, मध्य विद्यालय की स्मार्ट क्लास का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग द्वारा चुने गए पांच लाभार्थियों को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास की चाभी प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन के लिए खुसबीदेवी को डेढ़ लाख का चेक और दुग्ध उत्पादन के तहत रूबी देवी को डेढ़ लाख रुपए का चेक दिया। इसके साथ ही जीविका द्वारा रोजगार कर रही अन्य महिला को भी चेक दिया गया। परिवहन विभाग द्वारा दो लाभार्थियों को बस प्रदान की गई। वहीं मुंगेर महोत्सव द्वारा मैराथन दौड़ में जीती प्रतिभागी खिलाड़ी को प्रशस्ति पत्र दिया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा 1492 जीविका समूह को 6 करोड़ 18 लाख का चेक प्रदान किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिवगंगा का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि आप जानते हैं कि हम लोगों ने मुंगेर जिले में विकास का काफी काम कराया है।

फिर भी जो कुछ छूट गया है या कमी रह गयी है, उसे पूरा किया जाएगा।

तारापुर में रिंग-रोड का निर्माण किया जाएगा। इसके अंतर्गत तारापुर शहर के दोनों तरफ पूरब और पश्चिम में बाईपास का निर्माण किया जाएगा।

रणगांव-भगलपुरा पथ से धौनी वाया विसय में बाईपास का निर्माण।

वंशीपुर से बिहमा तक (वाया धोबई, गोगाचक, तेलडीहा मंदिर, मोहनगंज और बिहमा मोड़) बाईपास पथ का निर्माण। इससे लोगों को यातायात में काफी सुविधा होगी और जाम से निजात मिलेगी।

ऋषि कुंड पर्यटक स्थल का विकास किया जाएगा। इस स्थल को पर्यटकीय चण्डीस्थान मंदिर परिसर तक जाने वाला एकमात्र मुख्य मार्ग है, जहां पूजा-अर्चना करने के लिए आमजनों के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु आते हैं। इस सड़क के निर्माण होने से यात्रियों और श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। (पथ निर्माण विभाग)

नगर निगम कार्यालय से शास्त्री चौक भाया जुबलीवेल कालीताजिया जे0पी0 चौक तक सड़क का निर्माण किया जाएगा। यह मार्ग व्यावसायिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस सड़क के पास व्यावसायिक प्रतिष्ठान, बैंक, निजी चिकित्सीय संस्थान, दवा व्यवसायी, पेट्रोल पंप, रेस्टोरेंट इत्यादि अवस्थित हैं। इसके निर्माण होने से लोगों को काफी सुविधा होगी। (पथ निर्माण विभाग)

कोणार्क रोड चौक से अम्बे चौक पूरबसराय-तिनवटिया सड़क का निर्माण किया जाएगा। यह पथ जमालपुर जा-नेवाला वनवे मार्ग है, जिसके कारण वाहनों का आवागमन लगातार होता रहता है। इस क्षेत्र के पास पुलिस लाईन, मुंगेर विश्वविद्यालय, कॉलेज भी अव-स्थित हैं। इस सड़क के निर्माण होने से लोगों को काफी सुविधा होगी।

मुंगेर जिलान्तर्गत बिहार योग विश्वविद्यालय से छक-3338 तक फोरलेन रिंग रोड एवं पहुंच पथ का निर्माण किया जाएगा। इससे यहां आने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। (पथ निर्माण विभाग)

संग्रामपुर प्रखंड के पतघाघर के पास उपलब्ध 300 एकड़ सरकारी भूमि पर औद्योगिक पार्क का निर्माण किया जाएगा। इससे उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार का सृजन होगा। (राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग तथा उद्योग विभाग)

खड़गपुर प्रखंड के अन्तर्गत खड़गपुर झील में गंगा नदी का पानी पहुंचाया जाएगा। इससे स्थानीय किसानों को सिंचाई की अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध होगी।

खैरात्ती खाँ उप नहर के अंतर्गत फुसना डाड़, कमरगामा डाड़ एवं खैरा खाँ शाखा में लाइनिंग का कार्य कराया जाएगा। इससे स्थानीय किसानों को सिंचाई की अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध होगी। (जल संसाधन विभाग)

मुंगेर जिले में असरगंज एवं जमालपुर कुल दो प्रखंडों में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय-सह-आवासीय परिसर का निर्माण कराया जाएगा।

असरगंज में नए महाविद्यालय (डिग्री कॉलेज) की स्थापना की जाएगी। इससे छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। (भवन निर्माण विभाग)

भीषण सड़क हादसे में तीन छात्रों की मौत

बंगाल से परीक्षा देकर लौट रहे थे, ट्रक ने मारी टक्कर

पटना (एजेंसियां)।

किशनगंज में भीषण सड़क हादसे में तीन छात्रों की मौत हो गई। तीनों बंगाल से बाइक लौट रहे थे। एनएच 27 पर तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना राष्ट्रीय उच्च पथ 27 पर वीर कुंवर सिंह बस पड़ाव के नजदीक हुई। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की हीड लग गई। इधर, सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना बुधवार अहले सुबह हुई। बाइक पहले डिवाइडर से टकराई। उसके बाद अनियंत्रित होकर पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार 20 से 25 मीटर दूर जा गिरे। स्थानीय एक दुकानदार ने बताया कि सिलीगुड़ी की दिशा से आ रही बाइक जो कि पूर्णिया के तरफ जा रही थी।

पुलिस का कहना है कि एक छात्र की पहचान आदित्य नारायण और दूसरे की पहचान सुजल के रूप में हुई है। दोनों बलरामपुर का निवासी है। एक युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। मृत युवक आदित्य नारायण की मां सुनीता देवी ने बताया कि उनका बेटा इंटरमीडिएट की परीक्षा देने आया था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। टाऊन थाना की पुलिस ने कहा कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। परिजनों के हवाले कर दिया जाएगा। इस घटना से इलाके में मातम पसरा हुआ है।

हाईवे पर टकराई पांच गाड़ियां, एक महिला की मौत, छह लोगों की हालत गंभीर

खगड़िया (एजेंसियां)।

खगड़िया में भीषण सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई है। जबकि छह लोग गंभीर रुप से घायल हुए हैं। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। घटना बुधवार सुबह हुई है।

हालांकि इस घटना में जिस महिला की मौत हुई है उसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि बगुलवा ढ़ाला के पास ओवरटेक के कारण घटना घटित हुई है। जिसमें दो ट्रक, एक ट्रैक्टर और दो पिकअप वाहन की टक्कर हुई है। घटना के बाद घटना स्थल पर आसपास के लोगों ने पहुंच सभी घायलों को वाहन से बाहर निकाला। जिसके बाद सी को इलाज के लिए भेजा गया।

घटना के संबंध में सदर अस्पताल खगड़िया में इलाजरत पिकअप चालक पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिला निवासी मो. सलीम सेख ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल से बिहार के समस्तीपुर जिले स्थित ताजपुर के लिए जा रहा था। जिसके साथ उसके दो सहयोगी मो. असीम औओर अबुबख्स भी थे। चालक ने बताया कि घटना करीब सुबह 8 बजे घटित हुई है। जहां दो ट्रक तेज रफ्तार में ओवरटेक कर रहा था। इसी दौरान दोनो ट्रक चालक ने उनकी पिकअप के साथ एक अन्य पिकअप को जोड़दार टक्कर मार दिया। इधर मामले में पसराहा थानाध्यक्ष ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। मृतक की पहचान होनी बांकी है।

सीएम नीतीश कुमार के गढ़ में घुसकर लालू यादव ने किया एलान

तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे

पटना (एजेंसियां)।

विधानसभा चुनाव की तैयारी सभी राजनीतिक दल जुट गए हैं। राष्ट्रीय जनता दल भी इसमें कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार यात्रा कर रहे।

इधर, उनके पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में सभा को संबोधित किया। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के गढ़ में बड़ा एलान करते हुए कहा कि हमलोग हर हाल में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों इकट्ठा होकर इस देश में अपनी सरकार बनानी है। आपलोग कहीं किसी के सामने सिर नहीं झुकाना और ना हमने झुकाया है और न आपलोग किसी के सामने झुकना।

नालंदा के इस्लामपुर विधानसभा के पूर्व विधायक स्वर्गीय कृष्ण बल्लभ प्रसाद की 24वीं पुण्यतिथि पर पहुंचे लालू प्रसाद ने कहा कि मैं आप लोगों ने अपील करता हूं कि आपलोग इस देश की रक्षा के लिए हम सब एक साथ खड़ा रहे। हम सरकार बनाएंगे। तेजस्वी यादव को हर हाल में हम लोग मुख्यमंत्री बनाएंगे। महिलाओं को 2500 रुपया खाते में हम लोग डालेंगे। जैसे झारखंड में डाला है और बिजली फ्री, रोजगार भी मिलेगा, नौकरी भी हम लोग देंगे। हम जो बोलते हैं वह करते हैं। जो कहते हैं वह करना चाहिए। इस्लामपुर विधायक राकेश रोशन बढ़िया काम कर रहे हैं और करते रहेंगे।

बता दें कि यह कार्यक्रम इस्लामपुर विधायक राकेश कुमार रोशन के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित की गई थी। जिसमें राजद के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, भारत सरकार के पूर्व मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव तथा राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव भी आए थे। इधर, अपने नेता लालू प्रसाद यादव को सुनने और देखने के लिए बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता भी खानकाह हाई स्कूल के मैदान में पहुंचे थे। राजद सुप्रीमो इस मौके पर कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई हम सभी आपस में भाई हैं। स्वर्गीय कृष्ण बल्लभ प्रसाद जी के पुत्र राकेश कुमार रोशन निमंत्रण देने पहुंचे थे। हमने एक क्षण भी इनके निमंत्रण को स्वीकार करने में नहीं लगाया और आज हम कृष्ण बल्लभ प्रसाद जी को माल्यार्पण करने उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं।

इंटर परीक्षार्थियों से भरी बोलेरो को ट्रक ने मारी टक्कर, 10 छात्राएं घायल

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान में इंटर की परीक्षा देने जा रहे जा रहे परीक्षार्थियों के साथ एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मामला गुठनी थाना क्षेत्र का है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सीवान जिले के गुठनी थाना क्षेत्र से एक बोलेरो में एक दर्जन छात्राएं इंटर की परीक्षा देने वीएम इंटर कॉलेज सेंटर पर जा रही थी।

तभी मैरवा की तरफ से एक तेज रफ्तार ट्रक आ रही थी, जिसने अनियंत्रित होकर बोलेरो को टक्कर मार दी और मौका देखकर ट्रक चालक फरार हो गया। जैसे ही बोलेरो में ट्रक ने टक्कर मारी वहां अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। गाड़ी में सवार छात्राएं चीखने चिल्लाने लगी। जिसके बाद घायल छात्राओं को इलाज के लिए पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां करीब 10 छात्राओं का इलाज चल रहा है।

इस घटना के बाद गुठनी थाना प्रभारी विकास कुमार सिंह ने बताया कि सभी छात्राओं को मामूली चोट लगी है। उनकी स्थिति अभी बिल्कुल सामान्य है।

पीएम मोदी ने विधायकों और सांसदों की शक्तियां छीन लीं, निर्णय लेने की शक्ति तक नहीं : राहुल गांधी

पटना (एजेंसियां)।

कांग्रेस के वरीय नेता और सांसद राहुल गांधी एकदिवसीय यात्रा पर पटना आ रहे हैं। 19 दिन के अंदर यह दूसरा मौका है, जब राहुल गांधी पटना पहुंचे हैं। वह स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जयंती समारोह पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत की सत्ता संरचना में, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य, कॉर्पोरेट, व्यवसाय, न्यायपालिका हो, आपकी भागीदारी कितनी है? दलितों को प्रतिनिधित्व दिया गया है, लेकिन अगर सत्ता संरचना में भागीदारी नहीं है तो इसका कोई मतलब नहीं है। यदि निर्णय मंच के पीछे से किए जाते हैं तो आपको मंच पर बैठाने का कोई मतलब नहीं है। आज, विभिन्न जातियों के लोगों को टिकट देना एक फैशन बन गया है, पीएम मोदी भी यही कहते हैं। लेकिन फिर, आपने (पीएम मोदी) विधायकों की शक्तियां छीन लीं। यहां तक कि लोकसभा सांसदों की भी शक्तियां छीन ली गईं।'' कोई निर्णय लेने की शक्ति नहीं है। आपने मंत्री बनाया लेकिन ओएसडी आरएसएस से हैं।

कांग्रेस सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी पटना एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से वह सीधे कांग्रेस विधायक शकील अहमद खान के घर पर पहुंचे। उन्होंने विधायक खान से मुलाकात की। शोक संवेदना व्यक्त की। दो दिन पहले ही उनके बेटे के इंतकाल हो गया है। इससे पहले वह 18 जनवरी को संविधान सुरक्षा सम्मेलन में शामिल होने पटना आए थे। वह बिहार प्रदेश कांग्रेस के कार्यालय सदाकत आश्रम भी गए थे।

इधर, राहुल गांधी के कार्यक्रम के दौरान फिर से बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के विरोध की तैयारी की जा रही है। विरोध करने वाले कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पिछली बार से ज्यादा व्यापक पैमाने पर इस बार विरोध प्रदर्शन होगा। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार शर्मा ने कहा कि अखिलेश प्रसाद सिंह कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बना है तब से हमारे दो विधायक भाजपा में भाग गए। हमारे पांच सीनियर प्रवक्ता भाजपा में भाग गए। कई सीनियर वर्कर भाजपा में चले गए। सैकड़ों लोगों को इन्होंने अपने तानाशाही के बल पर पार्टी से निष्कासित कर दिया। यही नहीं थी जमीन बेच दिया टिकट भेज दिया। पद बेच दिया गया। डेलीगेट बेच दिया। ऐसे में इसको हटाने की बात ना की जाए तो क्या रखने की बात की जाए? हमारी अपील है कि कांग्रेस के वरीय नेता इस मामले को गंभीरता से ले और उन्हें पदमुक्त करे।

40 लाख की नशीली दवाएं और गांजे की तस्करी करने जा रही थी महिला, सुपौल में एसएसबी ने पकड़ा

पटना (एजेंसियां)।

सुपौल जिले के भीमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ठूठी में बथनाहा एसएसबी की 56वीं बटालियन एवं बीओपी घुरना की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद की हैं। बरामद प्रतिबंधित दवाओं की कीमत रैपर पर लिखे मूल्य के अनुसार 10 लाख रुपए है। हालांकि नेपाल के सीमावर्ती बाजारों में अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपए बताई जा रही है। छापेमारी के दौरान 3498 बोतल कोडीन युक्त कफ सीरप, 9458 नशीली टेबलेट, 399 नशीली सुई और 900 ग्राम गांजा बरामद किया गया। ये दवाएं 16 कार्टन में पैक थी और कुछ बोतलें

अनाज रखने के ड्रम में छिपाकर रखी गई थी। एसएसबी की स्पेशल क्विक रेस्पॉन्स टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। बताया गया कि यह छापेमारी कमांडेंट सुरेंद्र विक्रम के निर्देशन एवं सहायक कमांडेंट अर्जुन अदनूर के नेतृत्व में की गई।

पंचायत के वार्ड नंबर 09 में रमेश मेहता के आवासीय परिसर में की गई छापेमारी के दौरान गृहस्वामी सह अवैध कारोबारी फरार हो गया, जबकि उसकी पत्नी अनिता कुमारी को एसएसबी ने हिरासत में लिया। दोनों नशीली दवाएं और गांजे को तस्करी के लिए लेकर जा रहे थे। गिरफ्तार महिला एवं बरामद सामग्रियों को भीमपुर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। छापेमारी टीम में एसआई अंकित चौधरी, एएसआई चैना राम, सुबोध कुमार सिंह, राजीव कुमार, अनुराग कुमार सिंह, अविनाश कुमार सिंह, बच्चू सिंह, अमरकांत कुमार, हरिशंकर प्रसाद, केशव कुमार सिंह, सुभाष सिंह, मनीष कुमार, विक्रम सिंह, मुकेश मीणा, अश्विनी कुमार, राम निवास, अशोक कुमार, विमल, स्वराज राजू, सिद्ध देवा समेत महिला टीम की सृजा यूटी, कोमल कुमारी, रत्ना देवनाथ, रितु कुमारी, आयुषी प्रिया, अमलेश मरियारे आदि शामिल थे। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती इलाकों में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

भीड़ ने 17 साल के छात्र को पीट-पीटकर मार डाला

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के महानार अब्दुल्ला चौक से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां बासुदेवपुर चंदेल पंचायत के लोदीपुर गांव में सरस्वती पूजा मेले के दौरान भीड़ ने एक 17 वर्षीय छात्र की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। खबर सामने आ रही है कि मेला देखने आए छात्र को लड़की से साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में पीटा गया, जिस दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के पटोरी थाना क्षेत्र के तारा धमौन गांव निवासी नीरज कुमार के रूप में हुई है।

वहीं बताया गया है कि किसान मिथिलेश राय का बड़ा बेटा था और वह पढ़ाई कर रहा था। जो कि अपने दोस्तो के साथ मेला देखने आया था। मामले में स्थानीय लोगों द्वारा नाम न बताने की शर्त पर कहा कि मेले में एक लड़की से छेड़खानी का आरोप लगने के बाद भीड़ ने उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। महनार थाना अध्यक्ष विश्वरंजन कुमार सिंह ने बताया कि शुरुआत में गोली चलने की सूचना मिली थी, लेकिन जांच में यह बात सही नहीं पाई गई। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के बाद दोनों गांवों के बीच तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com